केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

09 अप्रैल 2025

बुधवार

15 साल पुरानी खटारा गाड़ी व 20 साल की एनडीए सरकार अब नहीं चलेगी: तेजस्वी

2

ड्राइवर को आई झपकी, खत्म हो गया परिवार

तालाब में गिरी स्कॉर्पियो, पति-पत्नी और दो बेटों की मौके पर मौत

केटी न्यूज/पटना

बिहार के गया में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जिसमें एक पूरा हंसता खेलता परिवार खत्म हो गया। जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र में बीती देर रात को एक स्कॉर्पियो डिवाइडर से टकराकर तालाब में गिर गई। इस घटना में पति-पत्नी और दो बेटों की मौत हो गई है। एक पूरा परिवार ही समाप्त हो गया। बताया जा रहा है कि इस हादसे में ड्राइवर की जान बच गई है।

पूरा परिवार बिहार शरीफ से श्राद्ध कर्म में भाग लेकर अपने घर गया के खिजर सराय थाना अंतर्गत शाहबाजपुर गांव को लौट रहा था। इसी दौरान गया के वजीरगंज थाना अंतर्गत दक्षिन गांव फोरलेन बाईपास के पास स्कॉर्पियो अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से टकराते हुए तालाब में जा गिरी। जानकारी के अनुसार शशि कुमार उनकी पत्नी रिंकी देवी और दो बेटे सुमित और बालकृष्ण की मौत इस हादसे में हो गई है। पेशे से किसान रहे

इस संबंध में वजीरगंज थानाध्यक्ष वेंकटेश्वर ओझा ने बताया कि बीती देर रात एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर तालाब में जा गिरी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई है। यह सभी एक ही परिवार के थे। मृतकों की पहचान शशि कुमार 43 वर्ष, उनकी पत्नी रिंकी देवी 40 वर्ष, पुत्र सुमित आनंद 17 वर्ष, दूसरा पुत्र बालकृष्ण 5 वर्ष शामिल हैं। परिवार बिहार शरीफ से श्राद्ध कर्म में भाग लेकर अपने घर गया के खिजर सराय थाना अंतर्गत शाहबाजपुर गांव को लौट रहा था। इसी दौरान ड्राइवर को झपकी लगने से स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर तालाब में गिर गई।

शशि कुमार का छोटा खुशहाल परिवार था, जो अब नहीं रहा। इस घटना की जानकारी मिलते ही खिजरसराय के शहबाजपुर में रहने वाले शशि के परिजनों के बीच कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। यह घटना बीती रात की है। बताया जा रहा है कि ड्राइवर को झपकी आई थी और इसके बाद स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर तालाब में गिर गई।

भीषण सड़क हादसे में दुल्हन समेत चार लोगों की मौत

वैशाली में रोड एक्सीडेंट

केटी न्यूज/पटना

बिहार के वैशाली के जंदाहा प्रखंड के पनसला चौक के निकट ट्रक और कार की भीषण टक्कर में एक बच्ची और तीन महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं चालक समेत तीन लोग घायल हो गए। मृतकों में बबीता देवी, 8 साल की सोनाक्षी कुमारी, मोना देवी और एक नवविवाहिता शामिल है। ये सभी नवगछिया से एक शादी समारोह से लौट रहे थे, जब यह हादसा हुआ।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को अहले सुबह महिसोर थाना क्षेत्र के जंदाहा समस्तीपुर मेन रोड पर पनसलवा चौक के नजदीक कार और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस घटना में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं तीन अन्य हादसे में गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। जख्मी दीनानाथ कुमार, क्रांति कुमार और चालक निखिल कुमार को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर लाया गया, जहां से स्थिति गंभीर देखते हुए पीएमसीएच पटना रेफर कर दिया गया है। सभी लोग शादी समारोह के बाद दुल्हन को लेकर लौट रहे थे। शादी की अगली सुबह दुर्घटना में दुल्हन की मौत से कोहराम मचा है। बताया गया कि दीनानाथ की शादी के लिए सभी लोग नवगछिया गए थे। शादी के पश्चात सभी लोग लौट रहे थे। इसी दौरान हादसे में चार की मौत हो गई।

जयपुर में तेज रफ्तार कार ने 10 लोगों को कुचला, तीन की मौत

जयपुर। जयपुर शहर में सोमवार की रात एक भयानक हादसा देखने को मिला, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। एक तेज रफ्तार कार ने सड़क पर चल रहे 10 लोगों को कुचल दिया, इसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भयावह था कि मौके पर अफरातफरी मच गई, लोग चीखने-चिल्लाने लगे और चारों तरफ भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। घटना नाहरगढ़ थाना क्षेत्र की है, जहां रात करीब 9:15 बजे लंगर के बालाजी मोड़ के पास यह हादसा हुआ। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि कार ड्राइवर शराब के नशे में था और बहुत तेज गति से गाड़ी चला रहा था।

इस दर्दनाक हादसे का वीडियो सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया है। फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि तेज रफ्तार कार एक के बाद एक स्कूटी, मोटरसाइकिल और पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मारती है। जब तक कोई कुछ समझ पाता, तब तक कार ने तीन गाड़ियों को भी उड़ा दिया और 10 लोगों को बुरी तरह घायल कर दिया। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने कार चालक को पकड़ लिया और उसकी पिटाई कर दी। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। आरोपी का नाम उस्मान बताया जा रहा है, जो घटना के समय पूरी तरह नशे में धुत था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेते हुए उसकी कार को जब्त कर लिया है।

खबरें फटाफट

पूर्व भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव भाजपा में शामिल

मुंबई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव क्रिकेट के बाद राजनीति में अपनी पारी शुरू करने वाले हैं। मंगलवार को मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में केदार जाधव भाजपा में शामिल हो गए। मुंबई में महाराष्ट्र के मंत्री और राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। चंद्रशेखर बावनकुले ने पार्टी का पट्टा पहनाकर उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलाई। भाजपा में शामिल होने के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव ने कहा, 2014 से जब से केंद्र में भाजपा की सरकार आई है, उन्हें जिस तरह का प्यार और समर्थन मिला है और जिस तरह की उपलब्धियां पीएम मोदी और सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हासिल की हैं, मुझे लगता है कि यह बहुत प्रेरणादायक है। मेरा लक्ष्य उनके नक्शेकदम पर चलना है और भाजपा के लिए जो भी छोटा योगदान हो सके, वह करना है। मुझे पूरा विश्वास है कि मुझे जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, मैं उसे पूरी ईमानदारी से निभाने की कोशिश करूंगा। केदार जाधव ने पिछले साल जून में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी थी। 39 वर्षीय खिलाड़ी ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच आठ फरवरी, 2020 को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

प. बंगाल के बनियापुर और उमरपुरा में बड़ी संख्या में घरों में तोड़फोड़

वक्फ कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद में हिंसा, पुलिस पर पथराव, गाड़ियां जलाईं

◆ पुलिस ने स्थिति को संभालने के लिए बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले दागे

एजेंसी/कोलकाता

वक्फ संशोधन बिल के संसद से पास होने के बाद राष्ट्रपति ने भी इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अब यह कानून बन गया है। इसके बाद देश के कई इलाकों में मुस्लिम समुदाय द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी क्रम में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में भी प्रदर्शन किया गया। हालांकि मुर्शिदाबाद के जंगीपुर इलाके में प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और उन्होंने पथराव करना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की टीम पर भी पथराव किया और इस दौरान पुलिस की गाड़ियों में आग भी लगा दी गई।

बता दें कि मुर्शिदाबाद बंगाल का वह इलाका है, जो हमेशा चर्चा में रहता है। सीएए और एनआरसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान भी ये इलाका चर्चा में था। मुर्शिदाबाद में तनाव की स्थिति बनी हुई है और बड़ी संख्या में पुलिसबलों की तैनाती की गई है। बता दें कि वक्फ कानून को वापस लेने की मांग को लेकर जंगीपुर पीडब्लूडी मैदान से विरोध मार्च निकाला गया था। बताया जाता है कि जंगीपुर से उमरपुर ओर जब जुलूस आगे बढ़ा तब पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इसी के बाद विवाद शुरू हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार बनियापुर और उमरपुरा इलाकों में भी बड़ी संख्या में घरों में तोड़फोड़ की गई। हिंसक झड़प बढ़ने की वजह से पुलिस को आधे घंटे से अधिक समय तक इलाके से बाहर जाने के लिए भी मजबूर होना पड़ा। बताया जा रहा है कि प्रदर्शनकारियों की संख्या काफी अधिक थी और पुलिसकर्मी कम थे। हालांकि बाद में बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंचा और स्थिति पर काबू पाया गया। पुलिस ने स्थिति को संभालने के लिए बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले दागे।

भाजपा ने टीएमसी पर हमला बोला: इसे लेकर भाजपा ने टीएमसी पर हमला बोला है। भाजपा नेता अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा कि पश्चिम बंगाल फिर से आग की लपटों में है। सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी है। इस बार मुर्शिदाबाद में मुस्लिम भीड़ वक्फ अधिनियम के विरोध में सड़कों पर उतर आई है। ममता बनर्जी ने बंगाल के विशाल क्षेत्रों पर नियंत्रण खो दिया है, जो अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय बदलाव और अवैध घुसपैठ के कारण राज्य प्रशासन के लिए दुर्गम हो गए हैं। अब वह केवल उनके वोटों की प्रत्याशा में गिड़गिड़ाने के अलावा कुछ नहीं कर सकती। उन्हें 2026 में जाना ही होगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विधेयक को मंजूरी दी: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को पांच अप्रैल को मंजूरी दी थी।

मुर्शिदाबाद में 66 फीसदी मुस्लिम आबादी

2011 की राष्ट्रीय जनगणना के अनुसार मुर्शिदाबाद में मुस्लिम समुदाय की आबादी 66.27 फीसदी है जबकि हिंदू समुदाय की आबादी 33.21 फीसदी है। मुर्शिदाबाद के जिस जंगीपुर इलाके में यह घटना हुई है, वहां पर मुस्लिम समुदाय की आबादी 61.79 फीसदी है। वहीं हिंदू आबादी 37.93 फीसदी है।

राजद विधायक बोले... नीतीश कुमार आस्तीन का सांप

किशनगंज। वक्फ संशोधन अधिनियम पास होने के बाद से बिहार में विपक्ष लगातार नीतीश कुमार पर हमलावर है। इस कड़ी में किशनगंज की ठाकुरगंज विधान सभा सीट से राजद विधायक सऊद आलम ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को आस्तीन का सांप कहा है। इसे लेकर सियासी गलियारों में खलबली मच गई है। सऊद आलम ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि जिन्हें हम आजतक सेक्युलर नेता समझते आ रहे रहे थे, दरअसल वह नीतीश कुमार आस्तीन का सांप निकला। वक्फ संशोधन बिल पास कराने में उन्होंने भाजपा और आरएसएस का साथ देकर मुसलमानों के साथ छल किया है। सऊद आलम ने कहा कि वक्फ की जायदाद मुसलमानों के पुरखों ने दान की है, जिसे केंद्र की मोदी हुकूमत ने नीतीश कुमार की मदद से कानून बनाकर मुसलमानों से छीनने का काम किया है। कहा कि वक्फ की संपत्तियों पर सिर्फ मुसलमानों का हक है, जिनपर हमारी मस्जिदें, मदरसों, मकतब और कब्रिस्तान बने हैं। राजद कभी भी भाजपा आरएसएस और उसके सहयोगी दल जेडीयू की नापाक मंसूबों को कामयाब नही होने देंगे। हमारे नेता तेजस्वी यादव इस बिल के विरोध में सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगे और अंतिम सांस तक मुसलमानों को उनका हक वापस दिलाने के लिए लड़ाई जारी रखेंगे।

जयपुर सीरियल ब्लास्ट केस में चार आतंकियों को उम्रकैद

13 मई 2008 को जयपुर में हुई थी सीरियल ब्लास्ट की घटना

एजेंसी/जयपुर

जयपुर सीरियल ब्लास्ट मामले में चार आतंकियों को कोर्ट से आजीवन कारावास की सजा मिली है। 13 मई 2008 को जयपुर में सीरियल ब्लास्ट की घटना हुई थी। इस दिन 8 बम ब्लास्ट हुए थे। वहीं एक बम जिंदा मिला था, जिसे बाद में डिफ्यूज किया गया था। अब इस मामले में जयपुर की विशेष अदालत ने सजा का ऐलान किया है। जयपुर की स्पेशल कोर्ट ने सैफुर्रहमान, मोहम्मद सैफ, मोहम्मद सरवर आजमी और शाहबाज अहमद को इस मामले का दोषी पाया है और आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

कोर्ट ने 600 पेज में अपना फैसला दिया। इस बम ब्लास्ट में 71 लोगों की जान गई थी। पुलिस ने इस मामले में 112 गवाहों के बयान दर्ज किए और 1200 डॉक्यूमेंट पेश किए। जिनको आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है, इन्हीं आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई गई थी। बाद में राजस्थान हाई कोर्ट में मार्च 2023 में सभी को बरी कर दिया था। इसके बाद जांच हुई और अब फिर से आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

बता दें कि 4 अप्रैल 2025 को अदालत ने इन चारों आरोपियों को दोषी घोषित किया था। इसके बाद 6 अप्रैल को सजा पर बहस हुई और आज कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए आजीवन कारावास की सजा दी। चारों दोषियों को धारा 120बी (आपराधिक षड्यंत्र), धारा 121ए (राजद्रोह संबंधी साजिश), धारा 307 (हत्या की कोशिश), धारा 153ए (धार्मिक विद्वेष फैलाना), विस्फोटक अधिनियम की धारा 4, 5 और 6 और यूएपीए की धारा 13 और 18 के तहत सजा दी गई है।

क्या है पूरा मामला

बता दें कि 13 मई 2008 की शाम को जयपुर में शाम करीब 7:30 बजे भीड़भाड़ वाले इलाकों में आठ बम ब्लास्ट हुए थे। इस धमाके में 71 लोगों की मौत के अलावा 185 से अधिक लोग घायल भी हुए थे। यह धमाके जोहरी बाजार, सांगानेरी गेट, चांदपोल बाजार और त्रिपोलिया बाजार जैसे इलाकों में हुए थे।

राहुल गांधी ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र, प. बंगाल में शिक्षक भर्ती से जुड़े विवाद में दखल देने की मांग की

एजेंसी/नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में 25,000 टीचर्स और नॉन टीचिंग स्टॉफ की नियुक्ति रद्द करने के कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। अब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र पश्चिम बंगाल में टीचर्स की भर्ती को लेकर चल रहे विवाद में दखल देने की मांग की है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, मैंने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर पश्चिम बंगाल में हजारों योग्य स्कूल टीचर्स के मामले में उनके हस्तक्षेप की मांग की है, जिन्होंने न्यायपालिका द्वारा शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने के बाद अपनी नौकरी खो दी है। राहुल गांधी ने लिखा कि दोनों फैसलों में पाया गया कि कुछ उम्मीदवार बेदाग थे। इनमें कुछ तो सही तरीके से चुने गए थे और कुछ गलत तरीके से चुने गए थे। लेकिन, उन्होंने लिखा कि दागी और बेदाग दोनों तरह के टीचर्स ने अपनी नौकरी खो दी है।

राहुल गांधी ने कहा कि भर्ती के दौरान किए गए किसी भी अपराध की निंदा की जानी चाहिए। हालांकि, निष्पक्ष तरीकों से चुने गए टीचर्स को दागी टीचर्स के बराबर मानना एक गंभीर अन्याय है।

वीरपुर के एसडीपीओ का रीडर 30 हजार रु. घूस लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

बिहार में एक बार फिर निगरानी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। निगरानी विभाग की टीम ने रिश्वत लेते हुए एएसआई को गिरफ्तार किया है। मामला सुपौल का है। जहां मंगलवार को निगरानी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वीरपुर के एसडीपीओ के रीडर एएसआई स्टेनो मिट्ठू कुमार उर्फ बिट्टू को 30 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया। सूत्रों के अनुसार, निगरानी विभाग को मिट्ठू कुमार के खिलाफ शिकायत मिली थी कि वह एक व्यक्ति से पैरवी के बदले पैसे मांग रहा है। शिकायत की जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, पटना की टीम ने जाल बिछाया और सुबह करीब 9 बजे एएसआई को रिश्वत लेते पकड़ लिया।

अहमदाबाद में हुई कांग्रेस कार्य समिति की बैठक, पार्टी की रणनीति पर मंथन, राहुल गांधी बोले...

हम दलित, मुस्लिम, ब्राह्मण में उलझे रहे, ओबीसी ने छोड़ा साथ

एजेंसी/अहमदाबाद

गुजरात के अहमदाबाद में मंगलवार को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक हुई। इस बैठक में कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बड़ी बात कही। सूत्रों का कहना है कि पार्टी की रणनीति पर राहुल गांधी ने सवाल उठाते हुए कहा कि हम दलित, मुस्लिम और ब्राह्मण में उलझे और ओबीसी साथ छोड़कर चला गया। उन्होंने उत्तर प्रदेश का उदाहरण भी दिया। उन्होंने कहा कि 1991 से हम यूपी में सत्ता से बाहर से हो गए। हम मुस्लिमों की बात करते हैं,

इसलिए हमें कई बार मुस्लिम परस्त बोला जाता है। हमें इससे डरना नहीं है। मुद्दे उठाए जाने चाहिए। कांग्रेस कार्य समिति की बैठक पर पार्टी की ओर से कहा गया, महात्मा गांधी के आदर्शों और सरदार पटेल के दृढ़ निश्चय को साथ लिए हम अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहे हैं। कांग्रेस का हर कार्यकर्ता देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझता है और निभाने के लिए संकल्पित हैं। ये अधिवेशन कांग्रेस के न्याय योद्धाओं में नई ऊर्जा और शक्ति का संचार करेगा। संकल्प, सेवा और समर्पण की भावना को मजबूत कर- न्यायपथ पर आगे बढ़ाएगा।

बैठक के बाद कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि विस्तारित बैठक में 158 सदस्य मौजूद थे। इसमें सरदार वल्लभभाई पटेल को लेकर एक विशेष प्रस्ताव पर चर्चा हुई और वो पारित हुआ। बुधवार को दो और प्रस्तावों पर चर्चा होगी। कांग्रेस पार्टी के 140 साल के इतिहास में छठवीं बार कांग्रेस की बैठक गुजरात में हो रही है। उन्होंने कहा, जब हम सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती मना रहे हैं तो उनके स्मारक में विस्तारित सीडब्लूसी बैठक को आयोजित करना हमारा कर्तव्य था। भारत के संविधान की प्रस्तावना में सामाजिक न्याय, आर्थिक न्याय और राजनीतिक न्याय की बात कही गई है, जिसे लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता विपक्ष राहुल गांधी समेत अन्य सदस्यों ने भी चर्चा की।

पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में मुसहर भुईयां महारैली सह संवाद कार्यक्रम

15 साल पुरानी खटारा गाड़ी और 20 साल की एनडीए सरकार अब नहीं चलेगी: तेजस्वी

केटी न्यूज/पटना

पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में मुसहर भुईयां महारैली सह संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्घाटन बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने की। इस मौके पर मुसहर भुईयां समाज के लोग भारी संख्या में मौजूद थे। जो अपने नेता तेजस्वी यादव के संबोधन को सुनने के लिए आए थे। इस दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मंच से मुसहर भुईयां समाज के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि तेजस्वी ने कहा कि 15 साल में गाड़ी पुरानी हो जाती है। ऐसे गाड़ी को रोड पर चलाना मना है।अब तो सरकार ऐसी गाड़ियों को पेट्रोल तक नहीं देगी और ना ही ऐसी गाड़ियां सड़कों पर दौड़ेगी। इन गाड़ियों को स्क्रैप में देने के सिवाय कोई विकल्प नहीं बचता है। उसी तरह बिहार की एनडीए की सरकार का 20 साल हो चुका है। यह अब आगे चलने वाली नहीं है। ऐसे में पुरानी सरकार को हटाना बेहद जरूरी है। नई सरकार बनेगी तब ही राज्य का विकास तेज रफ्तार से होगा। तेजस्वी यादव मुसहर भूईयां समाज के लोगों से कहा कि मुझे 5 साल का मौका दीजिए तो आपके लिए काम करूंगा। मेरी उम्र कच्ची है लेकिन जुबान पक्की है। हमारे सरकार में किये गये काम का ही नतीजा है कि आज सबको नौकरी मिल रही है। मेरे समय में कोई गड़बड़ी नहीं हुई थी। लेकिन आज परीक्षा का पेपर लीक हो जा रहा है। तेजस्वी ने कहा कि हमारी सरकार बनेगी तो माई बहन योजना के तहत ढाई हजार रुपए महीने हर महिलाओं को दिया जाएगा। 200 यूनिट फ्री बिजली दिया जाएगा और वृद्धा पेंशन, दिव्यांग पेंशन को बढ़ाया जाएगा। जो लोग नाला के किनारे झुग्गी झोपड़ी बनाकर रहते हैं वैसे लोगों को हम पक्का मकान देंगे। इस समाज के लोगों के बारे में कहा कि राष्ट्रीय जनता दल की विचारधारा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्य धारा में लाने की है। अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मुख्य धारा में लाने की लड़ाई लालू जी पार्टी आरजेडी लड़ रही है।

जातीय जनगणना सर्वे में मुसहर समाज की आबादी 40 लाख

तेजस्वी यादव ने कहा कि हमारी सरकार में जातीय जनगणना बिहार में कराया गया था। बिहार में जातीय जनगणना सर्वे में मुसहर समाज के लोग 40 लाख से ऊपर हैं। लेकिन इस समाज से मात्र 20 लोग ही डॉक्टर हैं और 76 इंजीनियर है। भाजपा नहीं चाहती है कि आरक्षण का इस समाज के लोगों को मिले। जबकि लालू प्रसाद यादव के कारण दलित राजनीति में आए हैं। अनुसूचित जाति समाज में लोगों की जितनी संख्या है उसमे 1.13 पर्सेंट लोग ही सरकारी नौकरी में है। हमारी सरकार में जो आरक्षण बढ़ाया गया उसे भी रोक दिया गया। भाजपा दलितों की हकमारी कर रही है। एनडीए की सरकार में बड़े-बड़े दलित नेता हैं लेकिन कोई कुछ नहीं बोल रहा है, सब चुप हैं। बिहार में सबसे ज्यादा देवी देवता के साथ-साथ गरीबी और बेरोजगारी भी यहीं पर है। तेजस्वी यादव ने कहा कि दलित समाज के लोगों को एकजुटता के साथ अपनी लड़ाई लड़ने की जरूरत है।

तेजस्वी ने कहा कि राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ऐसे मुख्यमंत्री रहे हैं जिन्होंने मुसहर भुईयां समाज के लिए जो काम किया है वो किसी मुख्यमंत्री ने नहीं किया है। मुसहर समाज के लोग पटना में सड़क के किनारे रहते थे, इन्हें लालू जी ने पक्का घर बनाकर देने का काम किया। लालू प्रसाद यादव ने जो घर उन्हें बनाकर दिया आज उसकी हालत जर्जर हो गयी है। आज की वर्तमान नीतीश कुमार की सरकार उन जर्जर पड़े मकानों की मरम्मत तक नहीं करवा पा रही है और ना ही मुसहर समाज को बसाने का काम कर रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि लालू यादव गरीबों को बसाने वाले नेता थे जबकि नीतीश कुमार गरीबों को उजाड़ने वाले नेता है। शायद उन्हें नहीं मालूम की जनता मालिक है। जनता के दुख-दर्द को दूर करने का काम सरकार की है। जिस राज्य में चुनाव होता है वो वहां कूद कर चले जाते हैं। जहां चुनाव प्रचार करने जाते हैं उस राज्य को गरीबी, पलायन, बेरोजगारी में नंबर वन बना देते हैं। मोदी जी ने सिर्फ गुजरात को पैसा दिया है जबकि बिहार को गरीब बना दिया है। शराबबंदी के नाम पर जेल में सबसे ज्यादा गरीब तबके के लोग बंद हैं। शराबबंदी कानून के नाम पर गरीबों का शोषण किया जा रहा है। चुनाव के वक्त हिंदू-मुस्लिम का नाम लेकर जनता को गुमराह किया जाता है। मंदिर और मस्जिद के नाम पर लड़वाकर भाजपा लोगों से वोट लेने का काम करती है।

पटना में डीईओ ऑफिस का क्लर्क घूस लेते गिरफ्तार

केटी न्यूज/पटना

सूबे में भ्रष्टचार के खिलाफ निगरानी विभाग की विशेष टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। पटना के जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में एक क्लर्क को गिरफ्तार किया है। वह घूस ले रहा था, इसी दौरान निगरानी की टीम ने उसे रंगेहाथ पकड़ लिया। घटना के बाद जिला शिक्षा पदाधिकारी के कार्यालय में हड़कंप मच गया। क्लर्क निगरानी से छोड़ देने की गुहार लगाते रहा लेकिन किसी ने उसकी एक न सुनी। टीम उसे अपने कार्यालय ले आई है। क्लर्क से पूछताछ चल रही है। 15 हजार रुपये घूस मांग रहा थाबताााया जा रहा है कि गिरफ्तार क्लर्क गुजय कुमार छोटे से काम के लिए रवि कुमार से 15 हजार रुपये घूस मांग रहा था। रवि घूस देने में असमर्थ था। इसलिए उसने निगरानी में न्याय की गुहार लगाई। उसकी लिखित शिकायत के आधार निगरानी की टीम ने मामले की जांच की। जांच में मामला सही पाया गया। निगरानी की टीम ने गुजय को रंगेहाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया। जैसे ही गुजय कुमार रवि से 15 हजार रुपये घूस ले रहा था, वैसे ही निगरानी की टीम ने उसे दबोच लिया। गिरफ्तार के बाद निगरानी के अधिकारी ने कहा कि बिहार सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

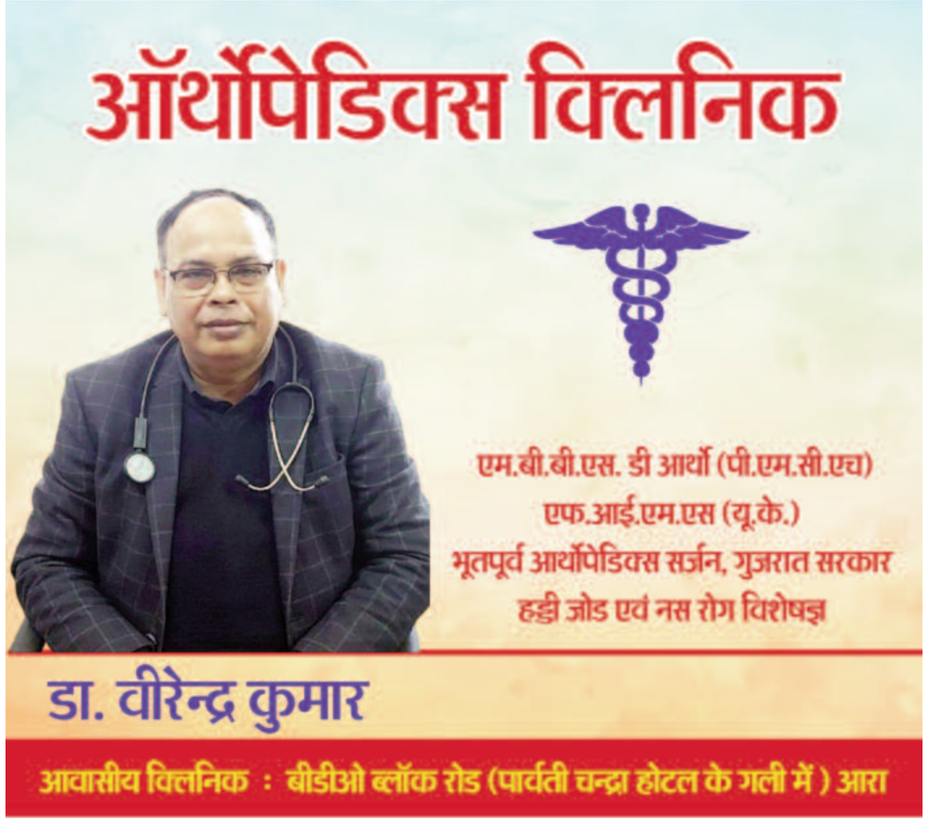

बिहार बीजेपी अध्यक्ष के बॉडीगार्ड ने अपने सर्विस रिवाल्वर से सिर में मारी गोली, जांच में जुटी पुलिस

केटी न्यूज/पटना

बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल के हाउसगार्ड आशुतोष मिश्रा ने खुद को गोली मार दी। एमएलसी आवास पर सीआरपीएफ जवान आशुतोष मिश्रा ने अपने लाइसेंसी हथियार से खुद को गोली मारकर जीवन समाप्त कर लिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। मामले में सचिवालय थाना प्रभारी संजीव कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यह आत्महत्या का मामला है। प्राथमिक जांच में यही सामने आया है कि गार्ड ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल से खुद को गोली मारी है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों को सूचना भेज दी गई है। मामले में सचिवालय अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डॉ अनु ने बताया कि सचिवालय थानांतर्गत एमएलसी आवास में एक हाउस गार्ड को सिर में गोली लगने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। जहां उक्त व्यक्ति को मृत अवस्था में पाया गया, जिसके सिर में गोली लगी हुई थी। शव को पोस्टमार्टम हेतु अस्पताल भेजा गया है। प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। एफएसएल की सहायता से घटनास्थल से साक्ष्य संकलन किया गया है। जांच की जा रही है।

गया में 11 सालों से फरार कुख्यात नक्सली गिरफ्तार

गया। बिहार पुलिस और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पिछले 11 वर्षों से फरार चल रहे कुख्यात नक्सली नेता परीक्षाजी उर्फ परीक्षा भूईया उर्फ परीक्षा मंडल को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह गिरफ्तारी गया जिले के छकरबंधा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बरहा गांव के पास की गई, जहां वह गुप्त रूप से छिपा हुआ था। पुलिस को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि लंबे समय से फरार नक्सली नेता परीक्षा जी को बरहा गांव के आसपास देखा गया है। पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया।

तेज रफ्तार हाइवा ने बाइक सवार अग्निवीर जवान को रौंदा

औरंगाबाद। औरंगाबाद में एनएच-139 पर मंगलवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में सेना में कार्यरत अग्निवीर जवान रोहित वर्मा (20) की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। यह दिल दहला देने वाली घटना ओबरा थाना क्षेत्र के खरांटी पुल के पास की है, जहां एक अनियंत्रित हाइवा ने उनकी बाइक को कुचल डाला। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते पूरा गांव मातम में डूब गया। जानकारी के मुताबिक, रोहित वर्मा गोह थाना क्षेत्र के दधपी गांव निवासी धनंजय वर्मा के पुत्र थे। वह जम्मू में अग्निवीर के रूप में सेना में तैनात थे। तीन साल की सेवा पूरी करने के बाद वह हाल ही में छुट्टी पर अपने गांव आए थे। वह बाइक से किसी निजी कार्य के लिए औरंगाबाद जा रहे थे।

बिहार में फिर उठी डोमिसाइल लागू करने की मांग

♦ कुछ राज्यों में अप्रत्यक्ष रूप से डोमिसाइल लागू है, जिससे यहां अभ्यर्थियों को दूसरे राज्यों में नौकरी पाने में नुकसान हो रहा है

केटी न्यूज/पटना

बिहार में डोमिसाइल लागू करने की मांग ने एक बार फिर जोर पकड़ा है। डोमिसाइल लागू करने को लेकर छात्रों ने एक बैठक का आयोजन किया। बैठक का नेतृत्व छात्र नेता दिलीप कुमार ने किया। यह बैठक गांधी मैदान स्थित गांधी मूर्ति के पास हुई। इस मौके पर छात्र नेता दिलीप कुमार ने कहा कि डोमिसाइल बिहार के छात्रों का हक है। बिहार से बाहर कुछ राज्यों मे प्रत्यक्ष, जबकि कुछ राज्यों मे अप्रत्यक्ष रूप से डोमिसाइल लागू है। इस वजह से बिहार के अभ्यर्थियों को दूसरे राज्यों में नौकरी पाने में नुकसान हो रहा है। कुछ राज्यों मे परीक्षा की प्रक्रिया और सिलेबस ऐसा बनाया गया है, जिससे उस राज्य से संबंधित प्रश्न अधिक पूछकर उस राज्य के अभ्यर्थियों को फायदा पहुंचाया जाता है।

इसलिए छात्रों की मांग है कि बिहार में भी बिहार से संबंधित अधिक प्रश्न पूछकर अप्रत्यक्ष डोमिसाइल लागू किया जाए। छात्र नेता दिलीप कुमार ने मांग करते हुए कहा है कि 90 प्रतिशत डोमिसाइल प्रत्यक्ष रूप से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की तरह 10 प्रतिशत सीट खुला रखा जाए जिसमे बिहार से बाहर के अभ्यर्थियों का चयन हो सके तथा मेरिट के आधार पर बिहार के अभ्यर्थी भी चयनित हो सकते हैं।छात्र नेत दिलीप कुमार ने कहा कि बिहार की जनसंख्या भी अधिक है और यहाँ फैक्ट्रियां भी नहीं हैं, इसलिए रोजगार का एकमात्र सबसे बड़ा साधन सरकारी नौकरी ही है। उन्होंने कहा कि बीपीएससी टीआरई मे कुछ विषयों मे सामान्य श्रेणी में बिहार के छात्रों से अधिक दूसरे राज्यों के छात्रों का चयन हुआ। इसलिए बिहारी छात्रों के हित मे डोमिसाइल लागू होना चाहिए। छात्र नेता दिलीप कुमार ने बिहार सरकार से मांग करते हुए कहा है कि बिहार मे डोमिसाइल लागू किया जाए।

पूर्व आईपीएस शिवदीप वामनराव लांडे ने मारी राजनीति में एंट्री, ठोकेंगे चुनावी ताल

पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे ने कहा... बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी मेरी हिन्द सेवा पार्टी

केटी न्यूज/पटना

हाल में ही अपने पद से इस्तीफ देने वाले पूर्व आईपीएस अधिकारी शिवदीप वामनराव लांडे ने बिहार की राजनीति में अपना कदम रख दिया है। उन्होंने हिन्द सेना नाम से अपनी नई पार्टी बनाई है। पार्टी का सिंबल खाकी बैकग्राउंड में बना त्रिपुंड है। लांडे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमलोगों ने यह फैसला लिय गया कि हमारी पार्टी इस बार बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी। मैं भी चुनावी मैदान में उतरना चाहता हूं। आम लोगों से अपील है कि जो बिहार को बदलना चाहते हैं या जो भी लोग बिहार में बदलाव चाहते हैं, उन सभी का हिन्द सेना में स्वागत है।

हमारे युवा समाज में बदलाव लाने की शक्ति रखते हैं : पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कहा कि बिहार का युवा बदलाव चाहता है। कई राजनीतिक पार्टियों की ओर से मुझे राज्यसभा भेजने, मंत्री और मुख्यमंत्री फेस बनाने का ऑफर दिया गया। लेकिन, मैंने इसे खारिज कर दिया। मैं बिहार में बदलाव चाहता हूं। यहां के युवा अगर चाहे तो वह बदलाव ला सकते हैं। वह इस महत्वपूर्ण आंदोलन का हिस्सा बनें। हमें विश्वास है कि हमारे युवा समाज में बदलाव लाने की शक्ति रखते हैं, और हम उन्हें हमारे मिशन में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। हमारा मानना है कि समाज में हर व्यक्ति को समान अवसर मिलना चाहिए, हर किसी को न्याय मिलना चाहिए, और हर नागरिक को सेवा का समान अधिकार होना चाहिए। इन तीन मूलभूत सिद्धांतों के आधार पर, हिंद सेना हर नागरिक की गरिमा और अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हिंद सेना का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्ति नहीं है, बल्कि यह एक आंदोलन है, जो समाज में समानता लाना चाहती है।

युवती ने गंगा में लगाई छलांग, तलाश में जुटी पुलिस व एसडीआरएफ

♦ घटनास्थल से एक जोड़ी चप्पल और एक मोबाइल फोन बरामद

केटी न्यूज/बक्सर

जिले के नगर थाना क्षेत्र स्थित उत्तर प्रदेश से जोड़ने वाले वीर कुंवर सिंह सेतु पर मंगलवार की दोपहर एक अज्ञात युवती ने पुल से गंगा नदी में छलांग लगा दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जब लोगों की नजर पड़ी, तब तक वह नदी की गहराइयों में समा चुकी थी।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना के बाद पोस्ट की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटनास्थल से एक जोड़ी चप्पल और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

गोलंबर पोस्ट प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि एक युवती के गंगा में कूदने की सूचना पर पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई की है। युवती की तलाश के लिए स्थानीय गोताखोरों की मदद ली जा रही है और साथ ही एसडीआरएफ को भी सूचित कर दिया गया है, जो जल्द ही रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल हो सकती है। फिलहाल युवती की पहचान नहीं हो पाई है, घटना से क्षेत्र में सनसनी फैली है।

तालाब में मिला युवक का शव, जेब से शराब की बोतल बरामद

बक्सर। नगर थाना के सदर अस्पताल के समीप ब्रह्मस्थान के पास तालाब में मंगलवार की दोपहर एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकाला। जहां उसकी जेब से निकली आधार से पहचान की गई। मृतक युवक कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के छतनावर निवासी रविंदर पांडेय के रूप में हुई, जो हाल ही में दिल्ली से लौटा था। जानकारी के अनुसार, दोपहर में मुख्य सड़क से गुजरते राहगीरों ने तालाब में एक शव उतराता देखा और इसकी सूचना तुरंत स्थानीय लोगों को दी। जानकारी के बाद वह भीड़ जुट गई। भीड़ ने पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पहले नगर थाना पुलिस पहुंच शव को तालाब से बाहर निकाला। तलाशी के दौरान मृतक की जेब से आधार कार्ड और शराब की खाली पैकेट बरामद की। जहा आधार से युवक की पहचान की गई। इसकी सूचना परिजनों को दी गई। नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। प्रारंभिक जांच में प्रतीत होता है कि युवक नशे की हालत में तालाब किनारे पहुंचा होगा और संभवतः फिसलकर पानी में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने भी पुष्टि की है कि रविंदर को घटना से एक दिन पहले नशे की हालत में घूमते हुए देखा गया था।

एक नजर

फुलवारी शरीफ में अचेतावस्था में मिला दुल्लहपुर निवासी आरपीएफ जवान, मौत

सिमरी। स्थानीय थाना क्षेत्र के दुल्लहपुर गांव निवासी एक आरपीएफ जवान की राजधानी पटना के समीप स्थित फुलवारी शरीफ में अचानक मौत हो गई है। मृतक गुलाब सिंह 40 वर्ष की पोस्टिंग दानापुर रेलवे स्टेशन पर थी तथा वह ड्यूटि पूरा कर अपने आवास पर जा रहा था, इसी दौरान फुलवारी शरीफ के पास सड़क पर वह अचानक अचेत हो गिर पड़ा। इसकी जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने तुरंत इसकी जानकारी आरपीएफ दानापुर को दी। सूचना मिलते ही साथी जवान तुरंत मौके पर पहुंचे तथा उसे उठाकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जवान की मौत की खबर मिलते ही उसके परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी रिंकू देवी तथा दोनों बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया था। जबकि, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया। वहीं, स्वजनों द्वारा भारी मन से उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान परंपरा का निर्वहन करते हुए आरपीएफ जवानों ने गॉर्ड ऑफ ऑनर से उन्हें अंतिम विदाई दी। इधर, जवान की मौत की खबर से पैतृक गांव दुल्लहपुर में मायूशी छाई है। ग्रामीणों का कहना है कि वह, काफी मिलनसार प्रवृति का था तथा जब भी गांव आता था तो सबसे मिलजुलकर ही वापस अपनी ड्यूटि पर जाता था। यहीं कारण है कि उसकी मौत की खबर से ग्रामीण स्तब्ध है।

युवती के ऊपर से गुजर गई मालगाड़ी, सुरक्षित देख लोगों ने दबाई दांतों तले अंगुलियां

डुमरांव। जाको राखे साईंयां मार सके न कोय..., यह कहावत मंगलवार को डुमरांव में चरितार्थ हो गई। हुआ यूं कि एक युवती के उपर से पूरी मालगाड़ी गुजर गई। इस दौरान वह टैज्क के बीच लेटी रही और जैसे ही मालगाड़ी उसके उपर से गुजरी वह उठ खड़ी हुई तथा अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गई। यह लोमहर्षक घटना डुमरांव रेलवे स्टेशन के पूर्वी रेलवे क्रांसिंग के पास सुबह करीब 9:30 बजे की है। इस दौरान मौके पर मौजूद एक युवक ने इस घटना का एक वीडियो भी बना लिया। करीब पांच सेकेंड के इस वीडियो में देखा जा रहा है कि युवती पटरी के बीच लेटी है तथा उसके उपर से मालगाड़ी गुजर रही है। जैसे ही गाड़ी गुजरी कुछ लोग उसे बचाने के लिए उसके तरफ लपके, तबतक युवती खुद उठकर खड़ी हो गई। हालांकि युवती के संबंध में कोई विशेष जानकारी नहीं मिल सकी है। वैसे बताया जा रहा है कि वह डुमरांव में ही कही शिक्षिका है तथा स्कूल जाने के दौरान वह बंद क्रॉसिंग को पार कर रही थी, इसी दौरान उस ट्रैक से मालगाड़ी तेजी से गुजरने लगी। अचानक ट्रेन को देख महिला हड़बड़ा गई और डर गई। वहीं, जब युवती को कुछ और नहीं सूझा तब वह ट्रैक के बीच में ही लेट गई। जिसके बाद पूरी ट्रेन उसके ऊपर से गुजर गई। बहरहाल इस घटना के बाद लोग सहसा कह उठे कि जाको राखे साईंयां मार सकें न कोय...।

खबरें फटाफट

प्रतापसागर पीएसएस क्षेत्र में आज मेंटेनेंस को लेकर तीन घंटे गुल रहेगी बिजली

डुमरांव। मेंटेनेंस कार्यों को लेकर कल प्रतापसागर पीएसएस से विभिन्न फीडरों की विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसकी जानकारी नया भोजपुर विद्युत प्रशाखा के कनीय विद्युत अभियंता चन्दन कुमार ने दी है। जेई ने बताया कि पीएसएस में तकनीकी कार्यों को लेकर बुधवार की सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। प्रभावित गांवों में प्रतापसागर, चिलहरी, मंझवारी, कोठियां, दलसागर सहित अन्य कई गांवों की बिजली आज तीन घंटे नहीं आएगी। विभाग ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे आवश्यक कार्य पहले ही निपटा लें और इस अवधि में किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को चलाने से परहेज करें। बिजली विभाग ने यह भी आश्वासन दिया है कि मरम्मत कार्य समय पर पूरा कर लिया जाएगा और सेवा जल्द बहाल कर दी जाएगी। कनीय अभियंता ने पूर्व में ही इस संबंध में सूचना जारी कर लोगों को सतर्क कर दिया है, ताकि लोग परेशान न हो। विभाग ने लोगों से सहयोग की अपील की है।

एनएच-922 पर दलसागर व चंदा गांव के बीच हुए हादसे में ट्रक के उड़े परखच्चे

ओवरटेक करने में सामने खड़ी टेलर से टकराई बालू लदी ट्रक, चालक की मौत

♦ कटर से कटवा कर केबिन से बाहर निकाला गया शव

केटी न्यूज/डुमरांव

बक्सर पटना एनएच-922 पर मंगलवार की अहले सुबह फिर बालू लदी एक ट्रक के चालक ने नियंत्रण खो दिया तथा सामने खड़ी टेलर में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतना तेज थी कि ट्रक का केबिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया तथा चालक की मौके पर ही मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची नया भोजपुर पुलिस ने गैस कटर से ट्रक के केबिन को काट उसमें मृत पड़े चालक के शव को बाहर निकाला।

मृत ट्रक चालक की पहचान यूपी के आजमगढ़ जिले के कर्मनाथ पट्टी मार्हा के अशोक यादव पिता स्व. पतिराम यादव के रूप में हुई है।

चंदा गांव के पास जाम में फंसा था ट्रक: मिली जानकारी के अनुसार वह नासिरीगंज से बालू लादकर आजमगढ़ जा रहा था। सुबह में फोर लेन पर जाम लगा था तथा वह चंदा गांव के पास जाम में फंसा था। अहले सुबह चालक जाम को तोड़ आगे निकलने के प्रयास में तेज रफ्तार से अपने आगे खड़ी वाहनों को ओवरटेक करने लगा। इस दौरान अचानक उसका नियंत्रण स्टेयरिंग से हट गया तथा वह सामने खड़ी टेलर में जोरदार टक्कर मार दिया।

ट्रक का का केबिन चकनाचूर हो गया: टक्कर की आवाज करीब एक किमी तक सुनाई पड़ी थी तथा आस पास के लोगों के अलावे कई ट्रक चालक तुरंत मौके पर पहुंचे। इस दौरान टक्कर मारने वाली ट्रक का का केबिन चकनाचूर हो गया था और चालक उसी में फंसा था। शुरू में तो ट्रक चालकों तथा स्थानीय लोगों ने उसे बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद घटना की सूचना नया भोजपुर पुलिस व डायल 112 की टीम कादी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद गैस कटर से काट किसी तरह चालक के शव को बाहर निकाला गया। इस दौरान एनएच पर वाहनों का जाम लगा रहा।

उसके परिजनों को दी गई घटना की सूचना : ट्रक चालक के शव को निकालने के बाद पुलिस ने उसे कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया। वहीं, उसके परिजनों को भी सूचना दी गई। सूचना मिलते ही मृतक के स्वजन आजमगढ़ से बक्सर पहुंचे तथा शव से लिपट विलाप करने लगे।

लगातार हो रही हैं दुर्घटनाएं

गौरतलब हो कि हाल के दिनों में बक्सर पटना राष्ट्रीय राजमार्ग पर सड़क दुर्घटनाओं की संख्या काफी बढ़ गई है। अभी एक दिन पहले ही एक अन्य ट्रक चालक की मौत हुई थी। जबकि तीन दिन पूर्व औद्योगिक थाना क्षेत्र के पड़री के पास एक कार व ट्रक की टक्कर में शवदाह करने बिक्रमगंज से बक्सर जा रहे एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा चार लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। इसके अलावे भी हाल के दिनों में इस पथ पर कई दुर्घटनाएं हो चुकी है, जिसमें लोगों की जान गई है।

एनएच 922 पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं से कई सवाल खड़े हो रहे है। वहीं, जानकारों का कहना है कि अधिकांश दुर्घटनाएं चालकों की लापरवाही के कारण हो रही हैं। इनमें तेज रफ्तार से वाहनों के परिचालन तथा परिवहन नियमों के उल्लंघन के साथ जल्द पहुंचने के चक्कर में तेजी से ओवरटेक करना शामिल है।

मामले की जांच कर रही है पुलिस

“ एनएच 922 पर चंदा गांव व टोल प्लाजा के बीच एक ट्रक व टेलर की टक्कर की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंच स्थिति का अवलोकन किया गया। ट्रक चालक केबिन में फंस गया था। गैस कटर से केबिन को काट उसे बाहर निकाला गया। शव का पोस्टमार्टम कराने के साथ ही मृतक के परिवार वालों को भी इस घटना की सूचना दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

– मनीष कुमार, थानाध्यक्ष, नया भोजपुर

3000 वर्ग फीट के सभी सरकारी भवनों पर लगेंगे सोलर पैनल: डीएम

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल की अध्यक्षता में जल जीवन हरियाली अभियान एवं लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान की समीक्षा बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई। जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक ब्रेडा को निदेश दिया गया कि सभी सरकारी संरचनाओं जिसका भवन क्षेत्रफल 3000 वर्ग फीट का है, उस पर सोलर पैनल का अधिष्ठापन कराना सुनिश्चित करेंगे।

युवा पेशेवर, जल जीवन हरियाली अभियान को निदेशित किया गया कि जल निकायों यथा पोखरा का जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण आदि के साथ-साथ पर्यटकीय सुविधाओं के विकास हेतु कार्य योजना बनाएं।

बक्सर नगर परिषद के ईओ को सरकारी संरचनाओं के आस-पास यथा आहार, तालाब एवं कुआं का जीर्णोद्धार कराते हुए सोक पिट बनाते हुए जल जीवन हरियाली के पोर्टल पर अपलोड कराने का निर्देश दिया गया। डुमरांव नप, इटाढ़ी नपं एवं ब्रह्मपुर नपं के ईओ को निर्देश दिया गया कि कार्य योजना बनाते हुए सभी अव्ययों में प्रगति लाना सुनिश्चित करेंगे।

चौसा नगर पंचायत में सड़क एवं नाला निर्माण को मिली स्वीकृति

♦ मुख्य पार्षद के प्रयासों को मिली सफलता

♦ 1.56 करोड़ रुपये की योजनाओं को मिली प्रशासनिक स्वीकृति

केटी न्यूज/चौसा

जिले के चौसा नगर पंचायत की मुख्य पार्षद श्रीमती किरण देवी के दो वर्षों की अथक मेहनत के परिणामस्वरूप चौसा बाजार की मुख्य सड़क के चौड़ीकरण एवं नाला निर्माण कार्य के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार सरकार ने पत्रांक संख्या 3806 दिनांक 3 अप्रैल 2025 के तहत लगभग 1.56 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी है। श्रीमती किरण देवी ने इसे नगर क्षेत्र के विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

बैठक के दौरान नगर पंचायत के कार्यपालक अधिकारी शुभम कुमार ने कहा कि इस परियोजना से आवागमन सुगम होगा और जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान संभव होगा, जिससे क्षेत्र की स्वच्छता और सुंदरता भी बेहतर होगी। कार्यपालक अधिकारी ने चौसा को एक आदर्श नगर क्षेत्र बनाने की प्रतिबद्धता जताई।

मुख्य पार्षद ने मंत्री जीवेश कुमार एवं विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी के प्रति आभार जताया और चौसा बारे मोड़ से शेरशाह गढ़ तक तथा स्टेशन रोड से अंबेडकर भवन तक लिंक सड़क की स्वीकृति की भी जानकारी दी।

उन्होंने शेरशाह-सुंदर स्थल को पर्यटक स्थल घोषित करने हेतु मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मांग पत्र भी सौंपा है। इस ऐतिहासिक स्वीकृति पर कई जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकताओं ने उन्हें बधाई दी।

डुमरांव एसडीएम ने किया चौगाईं अंचल कार्यालय का निरीक्षण, बोले...

प्रखंड व अंचल कार्यालय के लिए चयनित भूमि पर भवन निर्माण की बाधाओं को जल्द करें दूर

♦ अधिकारियों व कर्मियों को भू-लगान वसूली, दाखिल-खारिज व परिमार्जन में तेजी लाने का दिया निर्देश

केटी न्यूज/चौगाईं

डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार ने मंगलवार को चौगाईं अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दाखिल-खारिज, परिमार्जन, भू-लगान के अद्यतन स्थिति की समीक्षा की व राजस्व कर्मियों के लॉगिन की जांच भी की।

इस दौरान एसडीएम ने इन कार्यों में तेजी लाने का निर्देश सीओ गौतम कुमार को दिया और कहा कि आम जनता की शिकायतों तथा अंचल के कार्यों का निष्पादन निर्धारित समय में पूरा करना है।

वहीं, उन्होंने चौगाईं प्रखंड व अंचल कार्यालय के लिए बनने वाले नये भवन के प्रगति की समीक्षा की तथा सीओ को निर्देश दिया कि जिस भू-भाग का चयन अंचल व प्रखंड कार्यालय के निर्माण के लिए किया गया है, उसके भू-दाताओं के साथ शीघ्र बैठक कर उनसे एलपीसी लेना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि प्रखंड व अंचल कार्यालय का भवन निर्माण शुरू कराने के लिए जरूरी है कि अधिगृहित किए गए भूमि का एनओसी मिल जाए। उन्होंने सीओ से इसे प्राथमिकता से पूरा करने का निर्देश दिया।

गौरतलब हो कि स्थापना काल से अब तक चौगाईं का प्रखंड व अंचल कार्यालय छोटी सी जगह में संचालित किया जाता है। जिस कारण कर्मियों को अपने कार्यों के निष्पादन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। हालांकि, निरीक्षण के दौरान एसडीएम के आज के रूख को देख अब यह अनुमान लगाया जाने लगा है कि शीघ्र ही चौगाईं प्रखंड व अंचल कार्यालय का अपना भवन होगा।

चौसा व पवनी पैक्स का मतदान आज, बूथों पर पहुंचे मतदानकर्मी

♦ 7 बूथों पर 4047 वोटर करेंगे 31 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड के स्थानीय चौसा व पवनी पैक्स के लिए बुधवार को मतदान व मतगणना कराया जाएगा। इसकी प्रशासनिक तैयारिया पूरी कर ली गई है। सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक निर्धारित बूथों पर मतदान कराया जाएगा, वहीं, मतदान के तुरंत बाद मतगणना कराई जाएगी।

दोनों पैक्सों में चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा कुल सात बूथ बनाए गए है, जहां कुल 4047 मतदाता 31 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। प्रशासन द्वारा सभी बूथों का अतिसंवेदनशील घोषित किया गया है, लिहाजा सभी बूथों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए है।

गौरतलब हो कि चौसा प्रखण्ड के दो चौसा नगर व पवनी पैक्स के अध्यक्ष व प्रबन्ध कार्यकारिणी सदस्य का चुनाव कराया जा रहा है। जिसमे चौसा नगर में अध्यक्ष पद पर आमने-सामने की लड़ाई है। तो छह कार्यकारणी के पद के लिए 10 प्रत्याशी तो वही, पवनी पैक्स में अध्यक्ष के लिए कुल चार प्रत्याशी तो सदस्य के नौ पदों के लिए 15 प्रत्यासी मैदान में जिनके भाग्य का फैसला बुधवार को मतदाता करेंगे। प्रखण्ड निवार्ची पदाधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि प्रखण्ड के दो पैक्स का चुनाव कराया जा रहा है। जिसमे सभी सात बूथ अतिसंवेदनशील है। चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता प्रबन्ध किया गया। गड़बड़ी करने वालो की कोई खैर नहीं है। चुनाव शांतिपूर्ण कराने के मद्दे नजर दो सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किये गए है। मतदान में खलल डालने व गड़बड़ी करने वालो पर प्रशासन की पैनी नजर रहेंगी। चुनाव को लेकर सभी बूथों पर मजिस्टेज्ट के नेतृत्व में पुलिसबल की तैनाती की गई है।

वहीं, मतगणना के लिए भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है। सुरक्षाकर्मियों के अलावे मतगणना कक्ष में सीसीटीवी भी लगाया गया है। वहीं, प्रशासन द्वारा पूरी चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है।

बूथों के लिए रवाना किये गए मतदान कर्मी : पैक्स चुनाव को लेकर प्रखण्ड मुख्यालय पर आये पोलिंग कर्मियो को चुनाव सम्बन्धी जानकारी दी गई। वही उन्हें राशि मुहैया कराने के बाद उन्हें मतदान सामग्री व मतपेटी वितरण किया गया, और पुलिस बल के साथ इन्हें विभिन्न बूथों के लिए रवाना किया गया। इससे पहले प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी ने सभी पोलिंग कर्मियों को चुनाव सम्बन्धी जानकारी देते हुए कहा सुबह सात बजे से मतदान प्रारम्भ किया जायेगा। जो तीन बजे तक चलेगा। समय समाप्त होने तक लंबी लाइन होगी,वहा सभी लाइन में खड़े मतदाताओं को पीठासीन पदाधिकारी द्वारा पर्ची दी जायेगी। वह मतदाता मतदान करेगा। बिना पर्ची वाले मतदाता को मतदान करने नहीं दिया जायेगा।

एक नजर

महिला की हत्या कर शव गायब करने का आरोप लगाते हुए 9 लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

नावानगर। सिकरौल थाना के गिरधरपुर गांव में एक महिला की हत्या कर शव गायब कर देने का मामला प्रकाश में आया है। इसको लेकर मृतका प्रियंका देवी के पिता उमाशंकर चौधरी ने मृतका के पति समेत 9 लोगों पर घटना की आरोप लगाते हुए सिकरौल थाना में आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनारा थाना क्षेत्र के छपराटोला निवासी उमाशंकर चौधरी द्वारा दी गई आवेदन में बताया है कि उनकी पुत्री की शादी सिकरौल थाना के गिरधरपुर गांव निवासी मनीष चौधरी के साथ वर्ष 2016 में हुई थी। उन्होंने बताया है कि ग्रामीणों के द्वारा उसे सूचना मिली कि उसकी बेटी की हत्या कर ससुराल वालों ने शव को गायब कर दिया है। जिसके बाद मृतका के पिता ने उसके ससुराल पहुंच अपनी बेटी की संबंध में ससुराल वालों से पूछा। जब उनकी बेटी की कोई जानकारी नहीं मिली तो मृतका के पिता ने पति मनीष चौधरी, पिंटू चौधरी व देवर, ननद, गोतनी, भसुर सहित कुल नौ लोगों को नामजद कर हत्या करने व शव गायब करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराया है। इधर इस संबंध में सिकरौल थानाध्यक्ष विरेंद्र कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर करवाई शुरू कर दी गई है। सभी आरोपी फरार हैं। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी गिरिधर बरांव पहुंच मामले की जांच किए तथा सिकरौल थानाध्यक्ष को आवश्यक निर्देश दिए।

सीआईएसएफ व पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च लोगों को सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

बक्सर। थर्मल पावर संयंत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ग्रामवासियों को संयंत्र की सुरक्षा को लेकर जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार की शाम असिस्टेंट कमांडेंट मनोज सुथार व निरीक्षक अजय कुमार के नेतृत्व में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों एवं पुलिस बल की संयुक्त उपस्थिति में महत्वपूर्ण फ्लैग मार्च का आयोजन किया गया। यह फ्लैग मार्च प्लांट परिसर से प्रारम्भ होकर बनारपुर गांव की विभिन्न गलियों और मुख्य मार्गों से होता हुआ पुनः संयंत्र परिसर में समाप्त हुआ। मार्च के दौरान बल सदस्यों ने पूरी तत्परता और अनुशासन के साथ गांव में भ्रमण किया, जिससे ग्रामीणों के बीच सुरक्षा को लेकर विश्वास की भावना मजबूत हुई। इस फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य यह संदेश देना था कि संयंत्र की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसके साथ ही ग्रामवासियों को यह भी बताया गया कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस या संयंत्र प्रशासन को दें, जिससे समय रहते आवश्यक कदम उठाया जा सके।

खबरें फटाफट

हत्या के प्रयास के अभियुक्त ने किया सरेंडर, जेल

बक्सर। हत्या के प्रयास के एक मामले में फरार चल रहे एक अभियुक्त ने मंगलवार को बक्सर व्यवहार न्यायालय में सरेंडर किया। हालांकि, उसे जमानत नहीं मिली तथा न्यायालय के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया। मामले को लेकर पीड़ितों द्वारा अभियुक्त गोविंद चौधरी एवं मोक्षु चौधरी पर जिले के मुफस्सिल थाने में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कराया गया था। मामले में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में सरेंडर कर दिया जहां जमानत के आवेदन को खारिज करते हुए अभियुक्त को जेल भेज दिया गया। बताते चलेगी 26 मई 2024 को शराब पीने के लिए सूचक के दुकान से 2 लीटर पानी का बोतल अभियुक्तों ने लिया था, लेकिन पैसा मांगने पर मारपीट करना शुरू कर दिया। अभियुक्त लगभग आधा दर्जन की संख्या में थे तथा लाठी डंडे से जमकर तांडव मचाया था। इस बीच सूचक के परिवार के कई सदस्य गंभीर रूप से जख्मी हुए वहीं गांव के अन्य लोग जो बीच बचाव करने पहुंचे उन्हें भी लाठी डंडे से मारकर जख्मी कर दिया था।

रघुनाथपुर के स्व. श्रीराम ओझा की पुण्य स्मृति में छात्रों को दिया गया श्रीराम ओझा मेधा सम्मान

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच पढ़ाई का फर्क धीरे-धीरे मिट रहा: एसडीएम

♦ एसडीएम ने किया प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित

♦ बोले वक्ता - आसान नहीं श्रीराम ओझा हो जाना, व्यक्ति नहीं विचार थे स्व. श्रीराम

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर तुलसी स्थान पर श्रीराम ओझा मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा बोर्ड परीक्षा में असाधारण प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं के सम्मान में मेधा सम्मान का आयोजन किया गया।

जिसमें ट्रस्ट द्वारा बोर्ड परीक्षा 2025 में प्रथम श्रेणी से उतीर्ण लगभग 50 विद्यार्थियों को मेडल, प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रखंड तथा पंचायत स्तर पर मेधा के आधार पर स्टूडेंट ऑफ द ईयर का चुनाव किया गया, जिसमें 500 में से 482 अंक प्राप्त कर पूरे बिहार में आठवां स्थान लाने वाली निमेज ग्राम निवासी अंशु प्रिया, पिता संजय कुमार को प्रखंड स्तर पर स्टूडेंट ऑफ द ईयर चुना गया।

वहीं 481 अंक के साथ पूरे बिहार में नौवां स्थान प्राप्त करने वाले हठीलपुर के विशाल कुमार राय पिता लक्षण राय को रनर अप प्रखंड चुना गया। रघुनाथपुर निवासी सुजीत कुमार शर्मा पिता रामचन्द्र शर्मा को स्टूडेंट ऑफ द ईयर पंचायत चुना गया। टॉपर्स को ट्रॉफी, मैडल, प्रशस्ति पत्र के साथ संस्था की तरफ से स्टडी मैटीरियल खरीदने के लिए हजार रुपए का नकद पुरस्कार भी दिया गया।

डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी सोनू कुमार, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति आचार्य धनेंद्र तिवारी, प्रो. श्याम जी मिश्रा, डॉ. ललन मिश्र, अधिवक्ता रोहित पाठक, रेल यात्री कल्याण समिति के अध्यक्ष सुधीर सिंह, दक्षिण बिहार पर्यावरण संरक्षण गतिविधि प्रमुख रमेश पांडेय सुदामा, नित्यानंद ओझा, मदन चौधरी एवं शिवकुमार ओझा के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की गई। तत्पश्चात पूर्व मुखिया स्व. श्रीराम ओझा के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। उसके बाद संस्था की तरफ से अध्यक्ष शैलेश कुमार ओझा के द्वारा अंग वस्त्र और महाकालेश्वर का मोमेंटो देकर सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध शिक्षाविद अवकाश प्राप्त प्रो. श्याम जी मिश्रा तथा मंच संचालन सर्वजीत कुमार ने तथा धन्यवाद ज्ञापन संस्था के अध्यक्ष व स्व. ओझा के पुत्र शैलेश ओझा ने किया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शिक्षाविद महावीर यादव, कृष्ण मोहन द्विवेदी, अशोक पाल, बरमेस्वर मिश्र, अमरजीत कुमार, गोपाल सिंह, डॉ ललन मिश्रा, भृगुनाथ पांडेय, मुन्ना ठाकुर, विंध्याचल शाही, मनोज पांडे, विशाल सिंह, राजन कुमार, सनोज प्रजापति, फादर चौधरी, के अलावा बुद्धिजीवी, मुखिया सरपंच जनप्रतिनिधि तथा सैकड़ों लोग मौजूद थे।

सूचना क्रांति का लाभ बच्चों को मिल रहा

एसडीएम अपने संबोधन में कहा कि इस बार का रिजल्ट देखकर लग रहा है कि सूचना क्रांति का लाभ बच्चों को मिल रहा है। गांवों और शहरों की पढ़ाई का फर्क धीरे–धीरे मिट रहा है। संस्था को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों का मनोबल बढ़ता है। सम्मान से बड़ी कोई संपत्ति नहीं। अपने संबोधन में श्रद्धेय स्व श्रीराम ओझा को श्रद्धांजलि देते हुए वक्ताओं ने कहा स्व. ओझा जी युगपुरुष थे। राजनीति में आने से पहले वो एक शिक्षक थे और स्वस्थ्य समाज के निर्माण में उनकी महती भूमिका थी। मुखिया रहते हुए उन्होंने कई महत्वपूर्ण विकास कार्य किए। वे शोषित और वंचित लोगों के लिए मसीहा थे। उनका अंत रघुनाथपुर में एक युग का अंत था। श्रीराम ओझा के सहयोगी रहे गोपाल सिंह ने कहा स्व . ओझा जी व्यक्ति नहीं विचार थे। श्रीराम ओझा अमर है क्योंकि व्यक्ति मरता है विचार नहीं। स्व. ओझा के पुत्र शैलेश ओझा ने कहा कि श्रीराम ओझा होना आसान नहीं पर उनके दिखाए रास्तों पर चलना आसान है।

नप की अर्कमण्यता के कारण शहर में कूड़े का सही से नहीं हो रहा उठाव

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर परिषद संपर्क सड़कों से कूड़ा उठाव करने में मनमानी कर रहा है। नगर के भीतरी क्षेत्र में दर्जनों मोहल्लों के आने-जाने के लिये रोड और उसके दोनों तरफ नाली बना हुआ है, लेकिन उसकी सफाई में नगर परिषद कोताही बरत रहा है।

कुछ यही हाल स्टेशन रोड के नाया थाना मोड़ से पुराना थाना रोड का है। ठीक पुराना थाना रोड मोड़ पर जहां लगभग एक माह से कूड़ा पड़ा हुआ है। वहीं पर मध्य विद्यालय महावीर चबूतरा का मुख्य गेट मोजूद है। लिहाजा स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे भी इससे निकलने वाले दुर्गंध से प्रभावित हैं। यह वार्ड 21 का भाग है, लिहाजा इसके वार्ड पार्षद धीरेन्द्र कुमार निराला से लोगों ने शिकायत की, लेकिन स्थिति जैसी थी वैसी बनी हुई है। मालूम हो कि नाली के ढक्कन लगाने के लिये उसकी सफाई की गई है। सफाई के दौरान जो कूड़े निकले हैं, उसे वहीं पर छोड़कर नाली पर स्लैब ढाल दिया गया है। कूड़े का ढेर पंद्रह-बीस रोज से पड़े-पड़े सूख गया है और धूल बनकर उड़ने लगा है।

नोखपुर में गेहूं क्रय केंद्र पर एफसीआई के कार्यकारी निदेशक ने किसानों से की वार्ता

केटी न्यूज/नावानगर

भारतीय खाद्य निगम ,नई दिल्ली के कार्यकारी निदेशक डॉ. अजीत कुमार सिन्हा ने मंगलवार को नावानगर के नोखपुर स्थित गेहूं क्रय केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से गेहूं क्रय क्रय को लेकर संवाद भी किया। कार्यकारी निदेशक ने रबी विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत एफसीआई केन्द्रों पर उचित तौल व 48 घंटे के भीतर भुगतान होने की व्यवस्था के संबंध में किसानों को अवगत कराया। जिसको लेकर किसानों में खुशी का माहौल रहा।

उन्होंने बताया कि किसानों को गेहूं बेचने के समय बोरे की सुविधा भी एफसीआई द्वारा उपलब्ध कराई जाने की बात कही। डॉ. सिन्हा ने किसानों को जानकारी दी कि भारत सरकार ने इस वर्ष गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 150 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की है। अब किसानों को 2,425 प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीद की जा रही है। उन्होंने किसानों को आश्वस्त किया कि खरीद प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और किसानोन्मुखी बनाया गया है। इधर नोखपुर क्रय केंद्र पर स्थानीय किसानों के साथ 300 क्विंटल गेंहू खरीद की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उम्मीद है कि इस बार निर्धारित लक्ष्य को भारतीय खाद्य निगम प्राप्त कर लेगा।

इस अवसर पर बिहार क्षेत्र के महाप्रबंधक अमित भूषण, उप महाप्रबंधक (अधिप्राप्ति) सुशील कुमार सिंह, मंडल कार्यालय बक्सर के मंडल प्रबंधक राजेश सिंह पंगती, अजय कुमार, सहायक महाप्रबंधक (गुणवत्ता नियंत्रण), मनोज कुमार सिंह, बंधक (कार्मिक), राहुल कुमार, प्रबंधक (अधिप्राप्ति), पीआरओ राजकुमार सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

शैक्षणिक परिभ्रमण पर निकले राज हाईस्कूल के छात्रों ने ऐतिहासिक स्थलों का किया भ्रमण

स्कूली बच्चों को सासाराम के ऐतिहासिक व धार्मिक स्थलों की महत्ता की मिली जानकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

राज प्लस टू उच्च विद्यालय के नवम वर्ग का रिजल्ट घोषित होने के बाद बच्चों में काफी खुशी थी। इसी खुशी में उन्हें शैक्षिक ऐतिहासिक स्थलों को घुमाने का कार्यक्रम बना, जिससे उनकी खुशी दोहरी हो गई।

बिहार शैक्षिक भ्रमण हेतु ऐतिहासिक स्थलों का मंगलवार को सासाराम ले जाया गया। भ्रमण के निकले बच्चों में काफी उत्साह था। सासाराम का मुख्य आकर्षण का केन्द्र वहां का शेरशाह रौजा को माना जाता है। लिहाजा छात्रों को सबसे पहले शेरशाह का मकबरा दिखाया गया। यह मकबरा तलाबों के बीचोबीच में बना है, जो खुबशुरती का मिशाल पेश करता है। शेरशाह मकबरा तक जाने के लिये तलाब में ही पुल बना हुआ है, जिससे गुजरते हुए बच्चे रोमांचित हो रहे थे। साथ में जो शिक्षक थे, सभी जानकारी उन्हें मुहैया करा रहे थे। सासाराम में पहाड़ों पर मां ताराचंडी और पायलट बाबा मंदिर विराजमान है। बच्चों ने पहाड़ों के वादियों में इन मंदिरों में घुम जमकर आनंद उठाने के साथ ज्ञान प्राप्त किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुराग मिश्रा के अध्यक्षता में इस बिहार शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया जिसमें सभी विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने अपनी महिती भूमिका निभाई बच्चों को नोडल टीचर के रूप में सामाजिक विज्ञान के शिक्षक श्री तेज प्रताप यादव, नफीस नाज, संतोष उपाध्याय, अभयानंद प्रजापति, के के ओझा, उपेंद्र यादव, के बी प्रसाद, कुमारी श्वेता, बृजेश कुमार, चौबे, राजेश कुमार गुप्ता, परमजीत राम, उमेश कुमार ओझा आदि ने ऐतिहासिक स्थलों का महत्व बताया।

प्रधानाचार्य ने ऐतिहासिक स्थलों पर उसकी महत्ता को समझाते हुए बच्चों से संकल्प दिलाया कि वो अपने कार्य का प्रति सजग रहते हैं तो विभाग एवं विद्यालय दोनों आपके उज्जवल भविष्य के लिए हर कार्य को करने की कोशिश करेगा और बहुत शुभकामनाओं के साथ उन्होंने बधाई दी।

हसन बाजार थाना क्षेत्र के नोनार गांव में मंगलवार की सुबह घटी घटना

आरा में संदेहास्पद स्थिति में बुजुर्ग महिला की मौत, जांच में जुटी पुलिस

- परिजन ने पट्टीदार पर हत्या करने की जताई आशंका
- पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम

केटी न्यूज/आरा

जिले के हसन बाजार थाना क्षेत्र के नोनार गांव में मंगलवार की सुबह संदेहास्पद स्थिति में बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। मृतका के शरीर में गले पर काला दाग एवं नाक में खून लगा हुआ पाया गया है। जिसके कारण परिजन उनकी हत्या करने की आशंका जता रहे है। घटना को लेकर गांव में आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। जानकारी के अनुसार मृतका हसन बाजार थाना क्षेत्र के नोनार गांव निवासी स्व.राजेंद्र उपाध्याय की 70 वर्षीय पत्नी लीला कुंअर है। इधर मृतका के पोते अंकित उपाध्याय ने बताया कि उनकी एक पुत्र व तीन पुत्री हैं और उनके पति की भी मौत हो चुकी है। जिसके कारण वह गांव पर घर में अकेली ही रहती थी। हर रोज की तरह सोमवार की रात वह खाना खाने के बाद अपने बरामदे में चौकी पर सोई हुई थी। उसी बीच यह घटना घटित हुई है। मंगलवार की सुबह जब मवेशी खोलने वाला आदमी उनके घर का दरवाजा खटखटाया तो उन्होंने दरवाजा नहीं खोला तो उसने दीवार से झांक कर देखा तो वह बरामदे में चौकी पर मृत अवस्था में पड़ी थी। जिसके बाद उसने स्थानीय ग्रामीण एवं स्थानीय थाना को इसकी सूचना दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना वहां पहुंची। उसके बाद दरवाजा को तोड़ा गया। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदस्य अस्पताल में करवाया। वहीं दूसरी तरफ मृतका के पोते अंकित उपाध्याय ने कहां की उनके पट्टीदार संजय उपाध्याय से तीन माह से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। जिसके कारण उसने उक्त पट्टीदार संजय उपाध्याय पर ही उनकी हत्या करने की आशंका जताई है। जबकि पुलिस द्वारा बनाए गए मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार मृतका की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है।

ससुराल लौट रही बाइक सवार महिला की सड़क हादसे में मौत

आरा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमीरा गांव में हुए सड़क हादसे में बाइक सवार एक महिला की मौत हो गई। इलाज के क्रम में आरा लाने के दौरान उसने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृत महिला चरपोखरी थाना क्षेत्र के मनैनी गांव निवासी शिव शंकर साह की 35 वर्षीया पत्नी नीता देवी थी। शिव शंकर साह ने बताया कि वह सोमवार की सुबह पत्नी के साथ अपने ससुराल चांदी थाना क्षेत्र के खनगांव गांव गये थे। दोपहर में वह पत्नी के साथ बाइक से घर लौट रहे थे। तभी चांदी-आरा रोड पर जमीरा गांव के समीप तेज रफ्तार वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। इसके बाद उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए। वहां से शहर के स्थित निजी अस्पताल और फिर पटना ले गये। वहां डॉक्टर ने कहा कि अब इलाज का कोई फायदा नहीं है। इन्हें घर ले जाइए। इसके बाद उसे लेकर गांव लौट रहे थे। तभी कोईलवर के समीप उसने दम तोड़ दिया। तब वे शव लेकर सदर अस्पताल पहुंचे। सूचना मिलने पर नगर थाने की पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। बताया जा रहा है कि महिला को पुत्र शेखर और पुत्री प्रीती है।

राजद पंचायती राज प्रकोष्ठ की बैठक संपन्न, राज्यस्तरीय सम्मेलन को लेकर बनी रणनीति

- आरजेडी की विचारधारा सामाजिक न्याय व पंचायती सशक्तिकरण पर आधारित है

केटी न्यूज/आरा

राष्ट्रीय जनता दल, पंचायती राज प्रकोष्ठ, भोजपुर जिला इकाई की समीक्षात्मक बैठक स्थानीय लावारिस सेवा केंद्र के सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष मुराद हुसैन ने की तथा संचालन प्रदेश महासचिव सीपी चक्रवर्ती ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी और विशिष्ट अतिथि पूर्व विधान पार्षद लालदास राय सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया गया। बैठक में पंचायती राज व्यवस्था की वर्तमान स्थिति, ग्राम स्तर पर संगठन की मजबूती, कार्यकताओं की भूमिका, आगामी 24 अप्रैल को पटना में राज्यस्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी और आगामी रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में वक्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार

की जनविरोधी नीतियों की भी आलोचना की तथा पंचायत स्तर पर पार्टी की पहुंच को और मजबूत करने का संकल्प लिया। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महेंद्र प्रसाद विद्यार्थी ने कहा कि आरजेडी की विचारधारा ही सामाजिक न्याय और पंचायती सशक्तिकरण पर आधारित है। हमें गांव-गांव तक पार्टी की नीति और कार्यक्रमों को लेकर जाना है। पंचायत प्रतिनिधि लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करते हैं और हम उन्हें पूरी मजबूती से साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने आगामी 24 अप्रैल को पटना में राज्यस्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में भोजपुर जिला के तमाम न्यायप्रिय जनता को पटना आने का न्योता भी दिया।

रेड लाइट एरिया से पुलिस ने बरामद की नाबालिग लड़की

सहरसा। जिले से मानवता को झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। पांच साल पहले अपने माता-पिता के साथ ट्रेन यात्रा के दौरान बिछड़ी एक नाबालिग लड़की, मानव तस्करों के चंगुल में फंस कर रेड लाइट एरिया में पहुंच गई थी। वर्षों की प्रताड़ना और अनैतिक कार्यों में जबरन धकेले जाने के बाद, आखिरकार एक मौका पाकर पीड़िता ने 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस से मदद मांगी। सूचना मिलते ही सक्रिय हुई पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर लड़की को मुक्त कराया और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घटना सहरसा शहरी क्षेत्र के चांदनी चौक स्थित रेड लाइट एरिया की है।

कार-बाइक की टक्कर, ठेकेदार की मौत

कैमूर। कैमूर के कुदरा थाना क्षेत्र में एक सड़क हादसा हुआ। इसमें पिता-बेटा दुर्घटना का शिकार हो गए। भूड़वा गांव के पास कार और बाइक की टक्कर में ठेकेदारी का काम करने वाले रघुनाथ राम की मौत हो गई। उनके साथ बाइक पर सवार उनका बेटा लाल जी राम गंभीर रूप से घायल हो गया।घटना कुदरा से वापस लौटते समय हुई। स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। वहां रघुनाथ राम को मृत घोषित कर दिया गया। लालजी राम की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया। मृतक के बेटे विकास कुमार ने बताया कि उनके पिता ठेकेदारी का काम करते थे। भूड़वा गांव के समीप एक कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

महंगाई, बेरोजगारी के खिलाफ व रोजगार, पलायन के सवाल पर सूबे में चलाया जाएगा अभियान : नीरज

केटी न्यूज/आरा

इंकलाबी नौजवान सभा बिहार राज्य परिषद की दो दिवसीय विस्तारित बैठक (8-9 अप्रैल) भोजपुर के उदवंतनगर में आयोजित की जा रही है। बैठक में पिछली सांगठनिक पहलकदमियों की समीक्षा जिला सम्मेलन, आगामी आंदोलनात्मक पहलकदमी और अभियानों पर चर्चा की जा रही है, बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पासवान एवं संचालन राज्य सचिव सह अगिआंव विधायक शिवप्रकाश रंजन कर रहे है। बैठक में राष्ट्रीय महासचिव नीरज कुमार एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष आफताब आलम मुख्य अतिथि के बतौर शामिल है।बैठक को संबोधित करते हुए आरवाईए राष्ट्रीय महासचिव नीरज ने कहा कि मोदी सरकार मंहगाई-बेरोजगारी पर अपनी नाकामी छुपाने के लिए रामनवमीं जैसे मौकों का इस्तेमाल हिंसा-उन्माद भड़काने के लिए कर रही है। जानलेवा मंहगाई-बेरोजगारी के खिलाफ चल रहे आंदोलन को देश भर में तेज किया जाएगा।आरवाईए के

राष्ट्रीय अध्यक्ष आफताब आलम ने कहा कि नौजवानों को रोजगार देने के बदले नफरत की भावना भर रही है केंद्र व राज्य सरकार। मौके पर निरंजन केसरी जयशंकर पंडित रंजीत राम, विनय कुमार, साधु यादव, रौशन कुमार, कुंदन यादव सुमित कुमार, शाह शाद, अजातशत्रु, हरि नारायण, अखिलेश गुप्ता, विशाल कुमार, अमित पासवान, राजदेव सिंह, गौतम कुमार पंचम कुमार, शशि रंजन, शत्रुघ्न कुमार, मुन्ना यादव, पंकज यादव, अप्पू यादव, राजूराम, इंद्रजीत कुशवाहा, सरवन कुमार, नीतीश कुमार, राजेश कुमार मुकेश पासवान, मोहम्मद जावेद, सागर शर्मा सहित विभिन्न जिला से राज्य परिषद सदस्य उपस्थित है।

प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में छात्रों को दिया गया मोमेंटो, मेडल और सर्टिफिकेट

प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं हुए सम्मानित

केटी न्यूज/आरा

महादेव ज्ञान सॉल्यूशंस फाउंडेशन ने मैट्रिक और इंटर के छात्र-छात्राओं को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर एक प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया। यह कार्यक्रम आरा शहर के पुरानी पुलिस स्थिति विद्यालय में हुआ। कार्यक्रम के दौरान सभी सफल छात्र-छात्राओं को मोमेंटो, मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान लगभग 100 से ज्यादा छात्रों को मोमेंटो, मेडल और सर्टिफिकेट मिला। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य के लिए अलग-अलग कोर्स और सरकार की योजनाओं के बारे में बताया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विकास कुमार, अंकुर आनंद, संपूर्ण कॉलेज आईटी मैनेजमेंट के डायरेक्टर मिस्टर कुमार गौरव, साहिल कुमार, सुरभि

कुमारी की अहम भूमिका रही। कार्यक्रम में बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए बहुत सारे कोर्सेज के बारे में बताया गया।साथ-साथ राहुल कुमार, अंजलि तिवारी, निकिता कुमारी ने अपना योगदान दिया। इसके साथ ही जितने भी बच्चे आगे बताए गए कोर्स की पढ़ाई करते हुए उन्हें दस हजार रुपए का चेक देकर उनके बेहतर भविष्य की कामना की गई। वहीं, श्रीमहादेव ज्ञान सॉल्यूशंस फाउंडेशन के निदेशक साकेत कुमार ने बताया कि आज इस संस्था ने उत्तीर्ण बच्चों को सम्मानित किया। साथ ही ऐसे बच्चों का मार्गदर्शक किया गया, जिन्हें 12वीं करने के बाद समझ नहीं आता है।

आखिर उन्हें क्या करना है, उन्हें नए नए कोर्स जैसे बीबीए बीसीए और भी टेक्निकल कोर्स के बारे में बताया गया। संपूर्णा आईटी मैनेजमेंट कॉलेज के निदेशक की ओर से छात्रों को कई सुविधा दी जाएगी। जो भी छात्र इस कॉलेज में जाएंगे उन्हें फ्री लैपटॉप और दस हजार रुपए रजिस्ट्रेशन के तौर पर दिए जाएंगे। बच्चों का यह पड़ाव लक्ष्य को चुनने का जैन कन्या पाठशाला प्लस टू की प्राचार्या डॉ. राधा रानी ने बताया कि कार्यक्रम बहुत अच्छा रहा। उन्होंने कहा कि बच्चों को उत्साह और प्रोत्साहन देने के लिए यह कार्यक्रम बहुत ही सराहनीय रहा। बच्चों का यह पड़ाव लक्ष्य को चुनने का है।यहां की तकनीकी टीम ने यहां की जानकारी दी। किस तरह से छात्र अपने जीवन में अपने भविष्य में अपने लक्ष्य का चुनाव कर सकते है। क्योंकि नई शिक्षा नीति में कहा गया है जो बच्चों को कौशल की बहुत आवश्यकता है। बच्चे छह क्लास से ही कौशल सीखे और 12वीं तक वे तकनीकी ज्ञान का अध्ययन कर लें तो वो अपना आत्मनिर्भर होने की समस्या नहीं होगी।

संक्षिप्त समाचार

गली के विवाद में मारपीट, लूटपाट व तोड़-फोड़ का आरोप

देवघर, एजेंसी। देवीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में गली के विवाद में मारपीट व लूटपाट कर तोड़-फोड़ करने का आरोप लगाते हुए दूसरे पक्ष द्वारा भी 14 नामजद आरोपितों के खिलाफ काउंटर प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। आरोपितों में चार महिला व 14 पुरुषों के नाम शामिल है। कहा गया है कि गोतिया के बीच गली को लेकर विवाद चल रहा है, जिसकी सुनवाई एसडीओ कर रहे हैं। मामले में एसडीओ द्वारा जांच प्रतिवेदन मांगा गया है। बावजूद इसके तीन अप्रैल को सभी आरोपित हरवे-हथियार से लैस होकर विवादित जमीन में जबरन दीवार देने लगे। विरोध करने पर मारपीट कर पीड़ित पक्ष के किराना दुकान के गल्ले से 160000 रुपये लूट लिये। वहीं बुजुर्ग महिला के गले से 15 भर चांदी की चेन कीमत 18000 रुपये व 20000 रुपये के नकचन की छिनतई कर ली। वहीं ईंट पत्थर से पिकअप वैन का शीशा सहित दुकान का काउंटर व खिड़की तोड़ने का आरोप लगाया गया है। इससे एक लाख की क्षति होने की बात कही जा रही है। साथ ही पुराना घर का दरवाजा तोड़कर बक्से में रखे 5000 रुपये व तीन लाख के जेवरात ले भागने का भी आरोप लगाया गया है। मामला दर्ज कर देवीपुर थाने की पुलिस जांच में जुटी है।

बोकारो में मुर्गी फॉर्म में लगी भीषण आग, 1200 मुर्गिया जलकर खाक- लाखों का नुकसान

बोकारो, एजेंसी। झारखंड के बोकारो में एक किसान के मुर्गी फॉर्म में भीषण आग लगने से करीब 1200 मुर्गियां जलकर खाक हो गईं। आग के चलते किसान का लाखों रुपये का नुकसान हो गया। घटना थर्मल थाना क्षेत्र के गोबिंदपुर स्थित लहारिया टांड गांव की है। आग की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर पहुंची दमकल टीम ने कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।आग लगने की सूचना गांव में जैसे ही फैलते ही अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोग एक-दूसरे मदद के लिए चिल्लाने लगे। ग्रामीणों ने भीषण आग को देख बुझाने के लिए मदद का हाथ बढ़ाया और दमकल टीम को घटना के बारे में सूचना दी। मौके पर आई दमकल टीम और गांव वालों ने मिलकर आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मुर्गी फॉर्म में बंद करीब 1200 मुर्गियां जलकर खाक हो चुकी थीं। वहां रखा 15 बोरा दाना भी जलकर नष्ट हो चुका था। इन मुर्गियों और दाना के नष्ट होने से किसान को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगने की वजह की बात करें तो मुर्गी फॉर्म के संचालक बैजनाथ प्रजापति ने बताया कि अब तक नहीं समझ आया है कि आखिर आग कैसे लगी। इस बात को जांचा जा रहा है कि आखिर आग कैसे लगी। प्रशासन भी आग लगने के कारणों की जांच कर रहा है। पीड़ित किसान बैजनाथ ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है। गर्मी के चलते आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी देखते हुए प्रशासन और दमकल विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

पेयजल और स्वच्छता विभाग में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी, 160 करोड़ के काम में रुपये गबन की आशंका

रांची, एजेंसी। पेयजल और स्वच्छता विभाग में वर्ष 2019 से 2024 तक बड़े पैमाने पर अनियमितता की बात सामने आयी है। वित्त विभाग की ओर से गठित अंतर विभागीय सात सदस्यीय जांच कमेटी ने इसका खुलासा किया है। जांच के दौरान घोटाले में इंजीनियर से लेकर कोषागार के अधिकारियों की मिलीभगत की बात सामने आयी है। कार्यपालक अभियंता स्वर्णरेखा शीर्ष प्रमंडल, रांची कार्यालय के माध्यम से वर्ष 2019-20 से लेकर 2023-24 की अवधि में लगभग 160 करोड़ रुपये का काम हुआ है। जांच कमेटी ने इसमें गबन की आशंका जतायी है ।जांच कमेटी ने पेयजल स्वच्छता विभाग को इस प्रमंडल का वर्ष 2012-13 से लेकर 2023- 24 तक विशेष ऑडिट कराने की अनुशंसा अपनी जांच रिपोर्ट में की है। इस प्रमंडल से वर्ष 2019 से लेकर 2024 तक अलग-अलग वर्षों में लाखों की अवैध निकासी का मामला सामने आया है। जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि रांची के इस प्रमंडल से डीडीओ कोड-आरएनसीडब्लूएसएस 001 से अकेले तीन करोड़ से अधिक की अवैध निकासी अलग-अलग वर्षों में हुई। इस कोड संख्या से वर्ष 2019-20 में 2 ।71 करोड़ रुपये से अधिक का गबन हुआ।

आदिवासियों का धर्मांतरण कराने की कोशिश कर रहे थे 7 ईसाई मिशनरी, पुलिस ने हिरासत में लिया

जैतगढ़, एजेंसी। झारखंड के आदिवासी बहुल पश्चिमी सिंहभूम जिले के जैंतगढ़ से सटे ओडिशा के चंपुआ में प्रचार-प्रसार का शिविर लगाकर आदिवासियों का मतांतरण कराने की कोशिश कर रहे सात मिशनरियों को बरिया थाने की पुलिस ने हिरासत में लिया है। इस कार्रवाई के दौरान एक व्यक्ति भागने में सफल रहा। बताया जा रहा है कि रविवार को रामनवमी के दिन चंपुआ प्रखंड के जाली गांव में ईसाई मिशनरियों ने अपने धर्म का प्रचार करने के लिए टेंट लगाया था।

बड़े-बड़े माइक लगाकर ये लोग अपने धर्म का प्रचार कर रहे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार प्रचार के दौरान ये लोग हिन्दू धर्म के बारे में आपत्तिजनक बातें भी कह रहे थे। यह सुनकर स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता वहां पहुंचे। इसके बाद माहौल गर्म हो गया। स्थानीय लोगों ने प्रचार-प्रसार बंद कराकर सात लोगों को पकड़ लिया और बरिया थाने की पुलिस को बुलाकर सातों को पुलिस के हवाले कर दिया।

माहौल को भांपकर एक मिशनरी

भागने में सफल रहा। इस बीच पुलिस ने प्रचार के लिए इस्तेमाल हो रहे ऑटो और माइक यंत्र को जब्त कर लिया और सातों मिशनरियों को हिरासत में लेकर थाना ले आयी। यहां उनसे पूछताछ की जा रही है। जाली गांव के ग्रामीणों का कहना है कि ईसाईयत का प्रचार करने वाले यह लोग भोले-भाले जनजातीय लोगों को बहला-फुसलाकर ईसाई धर्म अपनाने का प्रयास कर रहे थे।

उन्हें प्रलोभन दिया जा रहा था। उन्हें यह बताया जा रहा था कि यीशु के शरण में आने के बाद उनकी बीमारियां ठीक होने के साथ साथ-साथ जीवन में सुधार होगा। इस कारण अपने मूल धर्म को छोड़ कर यीशु की शरण में आ जाओ। वे स्थानीय जनजातीय लोगों को प्रलोभन भी दे रहे थे। ग्रामीणों ने पुलिस को शिकायत की है कि जाली ग्राम के बेहरा साईं के राजीव लोचन बेहरा और उनकी पत्नी बबिता बेहरा, टांगरपड़ा ग्राम की हेमलता मुंडा, सुषमा मुंडा, पाटना थाना क्षेत्र के तेली टांगरपड़ा ग्राम के जयसिंह सिंकू और उनकी पत्नी जेमा सिंकू के खिलाफ शिकायत की।

वहीं, मयूरभंज जिले के करांजिया थाना क्षेत्र के सारंगगढ़ ग्राम के मधु चातार, ररुआं थाना क्षेत्र के राजाबसा ग्राम के मंगला गागराई, केन्दुझर के रायसुआं थाना क्षेत्र के मैदानेकेला ग्राम के बिनती बेहरा जाली गांव में अवैध धर्म परिवर्तन की कोशिश कर रहे थे। इस मामले में बारिया थाना में शिकायत दर्ज की गई है।

शिकायत में कहा गया है कि जाली गांव में की जा रही सभा में हिन्दू धर्म के खिलाफ आपत्तिजनक बातें की जा रही थी और कहा जा रहा था ईसाईयत ही सर्वश्रेष्ठ है।

प्रशासन की बिना अनुमति के ये लोग माइक लगाकर प्रचार कर रहे थे। ये सारे लोग पहले से ही ईसाई धर्म अपना चुके हैं। अब ये इस तरह के कृत्य के जरिये समाज में सांप्रदायिकता फैलाने की साजिश कर रहे। हिंदू जागरण मंच के ओडिशा के संगठन मंत्री तन्मय दास ने कहा कि ईसाई मिशनरियों की इस तरह की गतिविधि हाल में में बढी हैं। खास कर आदिवासी जनजातीय बहुल जिलों में वे भोले-भाले लोगों को इलाज व प्रलोभन के जरिये कनवर्ट कराने का प्रयास कर रहे हैं।

ईसाई मिशनरियों के इस गैरकानूनी कार्य से समाज में वैमनस्य का भाव उत्पन्न हो रहा है। हिन्दू जागरण मंच मांग करता है कि प्रशासन ऐसे तत्वों पर कड़ाई से कार्रवाई करे अन्यथा इसके खिलाफ आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

झारखंड से अजमेर और दिल्ली के लिए नई ट्रेन

पलामू, एजेंसी। झारखंड से अजमेर और नई दिल्ली के लिए एक नई साप्ताहिक ट्रेन की शुरुआत हुई है। दोनों स्पेशल ट्रेन झारखंड के रांची से चलेगी और पलामू होते हुए अजमेर और दिल्ली तक जाएगी। रेलवे की तरफ से एक नोटिफिकेशन जारी हुआ है, जिसमें दोनों ट्रेनों के बारे में जानकारी दी गई है। दरअसल दोनों स्पेशल ट्रेन समर स्पेशल है।

रांची- नई दिल्ली समर स्पेशल ट्रेन 02877 हर शुक्रवार को रांची से चलेगी और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक जाएगी। 02877 समर स्पेशल रांची से शुक्रवार की रात 11:55 पर खुलेगी और बरकाकाना, टोरी, लातेहार होते हुए डाल्टनगंज में सुबह 5:15 पर पहुंचेगी। लातेहार में 4:22, गढ़वा रोड रेलवे स्टेशन पर 6।05, जपला रेलवे स्टेशन पर 6:42 पर पहुंचेगी। यह ट्रेन सासाराम, दीनदयाल उपाध्याय होते हुए नई दिल्ली तक जाएगी। वहीं प्रत्येक रविवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से सुबह 4:00 बजे नई दिल्ली- रांची समर स्पेशल 02878 खुलेगी और जपला रेलवे स्टेशन पर शाम 7:40 पर पहुंचेगी जबकि डाल्टनगंज रेलवे स्टेशन पर 10:10 पर पहुंचेगी।

रांची से मदार (अजमेर) के लिए प्रत्येक सोमवार को समर स्पेशल ट्रेन जाएगी। सोमवार को रांची में रात 11:55 पर यह ट्रेन खुलेगी और लोहरदगा, टोरी होते हुए डाल्टनगंज में सुबह में 3:40 पर पहुंचेगी। गढ़वा रोड में यह ट्रेन सुबह के 4:15, वहीं या ट्रेन चोपन सिंगरौली होते हुए मदार (अजमेर) तक जाएगी।

6500 करोड़ रुपये से रिम्स का होगा कायाकल्प, कुल बेड क्षमता हो जाएगी 4450

रांची, एजेंसी। झारखंड राज्य के लोगों को और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) का कायाकल्प होगा। राज्य सरकार भविष्य की जरूरतों को देखते हुए 6500 करोड़ रुपये से पुनरुद्धार कार्य समेत नए संसाधन विकसित करेगी। बेड की कुल क्षमता 4450 हो जाएगी। इसे लेकर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव ने कार्ययोजना बनाकर रिम्स प्रबंधन को भेजी है।इसमें कहा है कि रिम्स में झारखंड ही नहीं, बल्कि दूसरे राज्य के भी मरीज इलाज कराने आते हैं। अत्यधिक भार को देखते हुए आगामी वर्षों में लगभग 6500 करोड़ रुपए की लागत से रिम्स के री-डेवलपमेंट का प्रस्ताव है। ऐसे में प्रबंधन कार्ययोजना के प्रभावी और समयबद्ध कार्यान्वयन सुनिश्चित करते हुए विभाग को अवगत कराए।

अभी सुपर स्पेशियलिटी समेत कुल बेड की क्षमता 2400 है, जिसे बढ़ाकर 4450 किया जाएगा। नया इन पेशेंट डिपार्टमेंट (आईपीडी) भवन बनेगा, जिससे बेड की क्षमता 2200 से बढ़कर 3500 हो जाएगी। वहीं, सुपर स्पेशलिटी में 200 बेड बढ़ाने को 750 बेड का सुपर स्पेशियलिटी भवन बनेगा। ओपीडी सेवा को अत्याधुनिक बनाने के लिए 5000 क्षमता का नया भवन बनेगा, जिसमें ओपीडी समेत सभी डायग्नोस्टिक टेस्ट होंगे। अपर मुख्य सचिव ने कहा है कि इसी वित्तीय वर्ष में निर्माणाधीन 115 बेड का क्षेत्रीय नेत्र संस्थान शुरू कर दिया जाएगा।

रिम्स में एमबीबीएस (यूजी) की 180 सीटें हैं, जिसे बढ़ाकर 250 की जाएंगी। वहीं, रिक्त शैक्षणिक-गैर शैक्षणिक पद भरे जाएंगे।

हॉस्टल और डॉक्टर आवास बनेंगे- सीटों में वृद्धि को देखते हुए यूजी-पीजी स्टूडेंट्स के लिए नए हॉस्टल बनेंगे। एकेडमिक ब्लॉक का भी विस्तार होगा। वहीं रिम्स परिसर में स्टेडियम, ऑडिटोरियम और कम्युनिटी सेंटर भी बनेंगे। रिम्स निदेशक, अधीक्षक, डॉक्टर व कर्मी के आवास भी बनेंगे।सेंट्रलाइज्ड लैब बनेगा- इसमें सीटी स्कैन, एमआरआई, डिजिटल एक्स-रे समेत अन्य सुविधाएं मिलेंगी।

लातेहार का नावागढ़ किला खंडहर में तब्दील, सरकार की अनदेखी से ध्वस्त हो रही धरोहर

लातेहार, एजेंसी। एक ओर सरकार प्राचीन धरोहरों और विरासतों को संरक्षित करने के लिए तमाम प्रकार की बातें करती है, लेकिन धरातल पर सरकार के दावों में दम नहीं दिखता। लातेहार का प्रसिद्ध नावागढ़ किला इसका जीता जागता उदाहरण है। 16वीं शताब्दी में चेरो राजवंशी राजाओं के द्वारा बनाया गया यह भव्य किला अब पूरी तरह खंडहर में तब्दील हो चुका है।

दरअसल, लातेहार जिला मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित नावागढ़ गांव के ठीक बगल में एक पहाड़ी पर चेरो राजवंशी राजाओं के द्वारा 16वीं शताब्दी में भव्य किले का निर्माण कराया गया था। बताया जाता है कि तत्कालीन राजा जब क्षेत्र भ्रमण में निकलते थे तो यहां उनका प्रमुख पड़ाव हुआ करता था। पहाड़ी पर स्थित रहने के कारण यहां से दूर-दूर तक नजर रखी जाती थी। इसलिए इस किले को राजाओं का सबसे सुरक्षित किला माना जाता था। पलामू गजट में भी इस किले का उल्लेख है। यह भी कहा जाता है कि एक सुरंग के माध्यम से यह किला सीधे पलामू किला से जुड़ता था। हालांकि कालांतर में रख-रखाव के अभाव में वह सुरंग अब लगभग विलुप्त हो गया है। लेकिन एक स्थान पर अभी भी कुछ गड्ढानुमा अवशेष दिखाई पड़ता है।इधर, चेरो समाज के संयोजक अवधेश सिंह चेरो ने बताया कि नवागढ़ का किला चेरो राजवंश के प्रमुख किलों में से एक था। उन्होंने कहा कि चूना और मिट्टी के माध्यम से ईंट की जुड़ाई कर इस भव्य किले का निर्माण कराया गया था। उन्होंने कहा कि यह किला चेरो राजवंश के सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी सबसे प्रमुख माना जाता था। उन्होंने कहा कि चेरो समाज के द्वारा प्रत्येक वर्ष यहां समारोह का भी आयोजन किया जाता है और पूजा-पाठ के बाद सम्मेलन किया जाता है, लेकिन रखरखाव के अभाव में यह भव्य किला अब पूरी तरह जर्जर हो गया है। यदि किले का जीर्णोद्धार और बेहतर रख-रखाव नहीं किया गया तो आने वाले कुछ वर्षों में यह किला सिर्फ इतिहास के पन्नों में सिमट कर रह जाएगा।

लातेहार के पूर्व डीसी अबु इमरान ने नवागढ़ के किले को संरक्षित करने की पहल शुरू की थी। उनके द्वारा किले के आसपास के इलाके को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने का प्रयास आरंभ किया गया था। जिले तक पहुंचने के लिए पहाड़ी के ऊपर सीढ़ी का निर्माण कराया गया था। इसके अलावे लाइटिंग, शौचालय, बैठने की व्यवस्था समेत अन्य सुविधाएं भी किले के पास उपलब्ध कराई गई थी। उनके कार्यकाल के दौरान ऐसी संभावना प्रबल हो गई थी कि अब नवागढ़ किले का कायाकल्प होगा, लेकिन उनके तबादले के बाद किले के जीर्णोद्धार कार्य पर विराम लग गया था।इस संबंध में स्थानीय अविनाश कुमार ने कहा कि यदि इस किले का जीर्णोद्धार कर बेहतर रख-रखाव की व्यवस्था कर दिया जाए तो यह इलाका पर्यटन के क्षेत्र में भी प्रसिद्ध हो सकता है।

सहारा इंडिया के अधिकारियों के खिलाफ जारी होगा वारंट, डीजीपी के आदेश से मचा हड़कंप

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड में सहारा इंडिया के अधिकारियों के खिलाफ कोर्ट से जल्द ही वारंट लेकर सभी को गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस मुख्यालय रांची में सोमवार को सहारा इंडिया के अधिकारियों के खिलाफ सीआइडी में दर्ज मामले की रिव्यू मीटिंग करते हुए पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने यह निर्णय लिया है।

सहारा इंडिया में झारखंड से 30 हजार से अधिक निवेशकों ने 40 हजार करोड़ रुपये निवेश किया, लेकिन उन्हें अब तक परिपक्वता राशि नहीं मिली है।

इसके खिलाफ विश्व भारती जनसेवा संस्थान द्वारा केस दर्ज कराया गया है। इसमें सुब्रत राय की पत्नी सपना राय, निदेशक सह डिप्टी डायरेक्टर ओमप्रकाश उर्फ ओपी श्रीवास्तव, झारखंड से सोसाइटी निदेशक नीरज कुमार पाल, निदेशक सह रांची के जोनल हेड संजीव कुमार सहित अन्य को मुख्य अभियुक्त बनाया गया है। इसमें नीरज कुमार पाल व संजीव कुमार की अग्रिम जमानत याचिका को झारखंड की निचली अदालत ने रद कर दिया है।

वहीं बैठक में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने

सहारा के अधिकारियों पर अपनी नाराजगी जाहिर की जिन्होंने अब तक तीन कंपनियों में निवेशकों के निवेश व परिपक्वता राशि की जानकारी नहीं दी है और वे अपने वादे से मुकर गए हैं। डीजीपी ने इस पर कड़ा एतराज जताया है और कहा है कि जल्द ही सभी अभियुक्तों का वारंट लेकर गिरफ्तारी की जाएगी।

इस बैठक में झारखंड पुलिस महानिरीक्षक सुदर्शन मंडल सहित विश्व भारती के राष्ट्रीय सचिव नागेंद्र कुमार कुशवाहा, संयुक्त सचिव अशोक कुमार, उप सचिव प्रवीण कुमार श्रीवास्तव सहित संस्था की याचिका को सुप्रीम कोर्ट में देख रहे अधिवक्ता अखिलेश श्रीवास्तव उपस्थित थे। बैठक में तय हुआ कि झारखंड के निवेशकों के पैसों से देश के विभिन्न राज्यों में अचल संपत्ति खरीदी गई, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के रोक के बावजूद मध्य प्रदेश व बिहार में कई जमीनों को बाजार दर से कम कीमत पर बेच दी गई। बैठक में तय हुआ कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जाएगी।

झारखंड में निवेशकों का पैसा कहां-कहां निवेश किया गया है इसकी जांच के लिए जांच आयोग का गठन किया जाएगा। झारखंड सरकार ने इसकी मंजूरी दे दी है। हालांकि आयोग में कितने सदस्य होंगे और कौन इसके चेयरमैन होंगे, यह अब तक तय नहीं हुआ है।

हजारीबाग का पदमा ओपी बनेगा थाना, देवघर हवाई अड्डे के पास भी अब पुलिस रहेगी मुस्तैद

रांची, एजेंसी। मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई हाई पावर कमेटी की बैठक में हजारीबाग के पदमा ओपी को थाना का दर्जा देने का फैसला लिया गया। इसके साथ ही देवघर हवाई अड्डा के पास नया पुलिस आउट पोस्ट (ओपी) खोलने पर मुहर लगाई गई। ज्ञात हो कि पदमा में पुलिस ओपी वर्षों से कार्यरत है।

बैठक में बताया गया कि पदमा ओपी का कार्य क्षेत्र काफी बड़ा है। इसका सृजन बरही थाना से दूर स्थित एनएच- 30 के इलाके में विधि-व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए किया गया था।

अब यह इलाका विस्तृत आबादी वाले क्षेत्र में परिवर्तित हो गया है। इस इलाके में सड़क हादसों में बढ़ोतरी के साथ-साथ आपराधिक गतिविधियां भी उसी अनुपात में बढ़ी हैं। बढ़ते उद्योग और उग्रवादियों की सक्रियता तथा सांप्रदायिक सद्भावना बिगाड़ने की

कोशिशों के मद्देनजर पदमा ओपी को पूर्ण थाना में उत्क्रमित करने का निर्णय लिया गया। पदमा ओपी को थाना में उत्क्रमित करने में अनुमानित दो करोड़ 70 लाख रुपये खर्च होंगे। दूसरी ओर देवघर जिला के कुंडा थाना अंतर्गत देवघर हवाई अड्डा के कारण विमानपत्तन ओपी के सृजन का निर्णय लिया गया।

प्रस्ताव में गृह विभाग द्वारा बताया गया कि कुंडा थाना से देवघर हवाई अड्डा की दूरी सात किलोमीटर एवं मुख्यालय से 12 किलोमीटर होने के कारण थाना का कार्य क्षेत्र काफी बड़ा हो जाता है।हवाई अड्डा का इलाका दुर्गम होने के कारण कुंडा थाना से विधि-व्यवस्था के संधारण में कठिनाई होती है। वहीं पिछले कुछ दिनों में आपराधिक घटनाएं भी बढ़ी हैं।इसके मद्देनजर आम लोगों की सुरक्षा के लिए उच्चस्तरीय समिति की बैठक में पुलिस आउट पोस्ट खोलने पर मुहर लगाई गई। इस ओपी के सृजन में लगभग चार करोड़ रुपये के खर्च का अनुमान है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में संपन्न उच्चस्तरीय समिति की बैठक में गृह विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल, कार्मिक सचिव प्रवीण टोप्पो, ग्रामीण विकास सचिव के. श्रीनिवासन, राजस्व सचिव चंद्रशेखर और मुख्यालय आइजी मनोज कौशिक मौजूद थे।

रांची में सरहुल के दिन झड़प मामला, बाबूलाल मरांडी बोले-तुष्टीकरण के लिए हेमंत सरकार नहीं दबा सकती आदिवासियों की आवाज

रांची, एजेंसी। सरहुल के दिन शोभायात्रा की तैयारी के दौरान पिठौरिया के हेठबालू गांव में झालर टूटने की वजह से हुई झड़प मामले में भाजपा ने राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार सात अप्रैल को नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी खुद प्रभावित गांव पहुंचे और वहां के लोगों से घटना की पूरी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान वे खुद डायरी में पीड़ितों की बात नोट कर रहे थे।

प्रशासन पर लीपापोती करने का आरोप : इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया है कि प्रशासन मामले की लीपापोती कर सच्चाई को दबाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि तुष्टीकरण की आड़ में आदिवासी

समाज की आवाज को नहीं दबाया जा सकता है। बाबूलाल मरांडी ने आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की है।

आपको बता दें कि 1 अप्रैल को हुई झड़प में गांव के पाहन का सिर फूट गया था। उनके साथ तीन अन्य लोगों की भी चोट आई थी। 2 अप्रैल को वहां केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की समेत कई आदिवासी नेता पहुंचे थे। माहौल बेहद तनावपूर्ण था। तब ग्रामीणों ने बताया था कि सरहुल शोभायात्रा निकालने की तैयारी चल रही थी। उसी दौरान सरहुल झंडा लगने से झालर टूट गया था। यह बहुत ही मामूली बात थी। फिर भी इसको तूल दिया गया। ग्रामीणों का आरोप था कि जानबूझकर विवाद को बढ़ाया गया था।घटना के दूसरे दिन पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर कैंप कर रही थी।

नाराज होकर गार्डों ने ड्यूटी से कर दिया इनकार, 7 घंटे थमे मालगाड़ियों के पहिए

साहिबगंज, एजेंसी। मालदा डिवीजन में जिम्मेदारी बढ़ाए जाने से नाराज मालगाड़ियों के गार्ड ने सोमवार को ड्यूटी करने इनकार कर दिया। इस वजह से सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक मालगाड़ियों का परिचालन बाधित हुआ। बाद में उच्चाधिकारियों के आश्वासन के बाद शाम पांच बजे से गार्ड अपने काम पर लौटे। परिचालन ठप रहने से रेलवे को करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका है। हालांकि, मालदा रेल मंडल के सीनियर डीओएम ने बताया कि इससे चंद मालगाड़ियों का ही परिचालन प्रभावित हुआ। मालगाड़ियों के गार्ड रेलवे के उस आदेश का विरोध कर रहे हैं जिसमें उन्हें हैंड ब्रेक लगाने का निर्देश दिया गया है।

सोमवार को सभी मालगाड़ी गार्ड रेलवे अस्पताल पहुंचे और अपनी शारीरिक जांच कराने के बाद स्वयं को अस्वस्थ बताते हुए छुट्टी की अर्जी लगाई। दरअसल, रेलवे की ओर से मालगाड़ियों के संचालन नियमावली में संशोधन किया गया है। इस संबंध में दो अप्रैल

को एक करेक्शन स्लीप निर्गत किया गया, जिसमें सभी गुड्स गार्ड को हैंड ब्रेक भी लगाने की जिम्मेदारी दी गई है। अब तक यह जिम्मेदारी पोर्टर की थी।

नए निर्देश के अनुसार मालगाड़ियों की आगे की छह बोगियों में सहायक चालक तथा पीछे की छह बोगियों में गार्ड हैंड ब्रेक लगाएंगे। वहीं, गुटखा व चेन पहले की ही तरह पोर्टर लगाएंगे। मालगाड़ियों की बोगियों में किनारे में एक बड़े आकार का घूमने वाला लोहे का रिंग लगा होता है। इसे घुमाने से ब्रेक लगता है। मालगाड़ियों को जब ज्यादा समय के लिए रोकना होता है तो आगे व पीछे की छह-छह बोगियों में इस रिंग को घुमाकर ब्रेक लगाना पड़ता है।

इसके अलावा सबसे आगे व सबसे पीछे की बोगी में पहियों के पास दोनों ओर से गुटखा लगाना पड़ता है तथा पटरी में चेन लगाकर बांधना पड़ता है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि पोर्टर को मालगाड़ी रोकने की पूरी प्रक्रिया को करने में काफी समय लगता था। इस वजह से हैंड ब्रेक लगाने का काम सहायक चालक व गार्ड को दे दिया गया है।

हालांकि गुटखा व चेन लगाने का काम पूर्व की तरह होगा। उध, मालगाड़ियों के गार्ड नई जिम्मेदारी को अतिरिक्त बोझ बताते हुए विरोध कर रहे हैं। रेलवे गार्डों ने बताया कि रेल प्रशासन द्वारा सुनियोजित तरीके से रेल गार्ड को ग्रुप डी में डालने की तैयारी की जा रही है। हम लोगों के जाब प्रोफाइल के साथ छेड़छाड़ किया जा रहा है। इसका विरोध सभी गार्ड कर रहे हैं।

गार्डों ने संयुक्त रूप से मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को पत्र लिखकर बताया कि वे लोग कुछ माह से कार्यप्रणाली एवं संचालन संबंधी दायित्वों के निर्वहन के दौरान अत्यधिक मानसिक तनाव एवं शारीरिक अस्वस्थता का अनुभव कर रहे हैं। वर्तमान ड्यूटी शेड्यूल के अनुसार आन ड्यूटी से आफ-ड्यूटी की अवधि प्रायः 12 से 14 घंटे तक की हो गई है। कई अवसरों पर मुख्यालय से 72 घंटे या उससे अधिक समय तक बाहर रहना पड़ता है, जिससे पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

सुभाषितम्

उत्कृष्टता एक शतत प्रक्रिया है कोई दुर्घटना नहीं।

- अब्दुल कलाम

भारत का महा आर्थिक संकट शेयर बाजार और बैंकों में हाहाकार

भारत में आर्थिक मंदी जिस तरह से सामने आ रही है। जिसमें अर्थतंत्र के सारे संस्थान डगमगाते हुए नजर आ रहे हैं। शेयर बाजार में पिछले 6 महीने से लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। इस गिरावट को थामने के लिए सरकार और रिजर्व बैंक ने लाखों करोड़ रुपया शेयर बाजार में डाला। वह रुपया भी मुनाफा वसूली में शेयर बाजार से बाहर निकल गया। रिजर्व बैंक से केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में डिविडेंड के नाम पर काफी बड़ी राशि वसूल कर की है। जिसके कारण रिजर्व बैंक का आर्थिक संकट भी सामने दिख रहा है। रही सही कसर सरकारी बैंक पूरी कर रहे हैं। बैंकों द्वारा जो फाइनेंस किया गया है। उसकी वसूली नहीं हो पा रही है। बैंकों द्वारा पिछले वर्षों में खातेदारों से तरह-तरह के शुल्क लगाकर अनाप-शनाप वसूली की जा रही है। एनपीए खाते की रकम का समयोजन कर बैंकों का मुनाफा बैलेंस शीट में लाभ से एडजस्ट किया जा रहा है। पिछले वर्षों में शेयर बाजार में बैंकों द्वारा भारी निवेश किया गया है । जब तक शेयर बाजार मैं तेजी बनी हुई थी। तब तक बैंकों की बैलेंस शीट मुनाफा उगल रही थी। अब बैंकों की बैलेंस शीट घाटे की ओर आगे बढ़ रही हैं। जीवन बीमा निगम जैसी कंपनियां लड़खड़ा रही हैं । म्युचुअल फंड और अन्य वित्तीय संस्थान भी शेयर बाजार की गिरावट के कारण आर्थिक हालत खराब होती चली जा रही है । भारत के करोडों परिवार कर्ज के जाल में फंसे हुए हैं ब्लूमबर्ग की जो रिपोर्ट सामने आई है । उसके अनुसार 68 फीसदी कर्जदारों को ईएमआई चुकाने में आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। 45 अरब डॉलर का कर्ज फंसा हुआ है। 91 से 180 दिनों के भीतर लोन की किस्त जमा नहीं होने पर बैंक यह राशि एनपीए में डाल देते हैं। एनपीए 3.3 फीसदी की रफ्तार से बढ़ता चला जा रहा है। 2023 में यह आंकड़ा मात्र 0.8 फीसदी था। भारत में लोन चुकाने के लिए अब लोग लोन ले रहे हैं। आर्थिक संकट के कारण लोगों को अपने बच्चों को स्कूलों से बाहर निकालना पड़ रहा है। बैंकों मे लोन डिफाल्टरों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। रिजर्व बैंक के माध्यम से माइक्रो फाइनेंस के तहत बड़ी मात्रा में पर्सनल ऋण दिया गया है। इस ऋण की भी वसूली नहीं हो पा रही है। 10 में से 9 लोगों के पास औपचारिक और स्थाई नौकरी नहीं है। जिसके कारण वह लोन की किस्त नहीं चुका पा रहे हैं । समूह लोन जो दिया गया था, वह भी वसूल नहीं हो पा रहा है। माइक्रो फाइनेंस के लोन की किस्तें भी लोग नहीं चुका पा रहे हैं। लोगों के पास पर्याप्त आय नहीं है,उनकी मासिक खर्च लायक आमदनी नहीं हैं। माइक्रो फाइनेंस में रिजर्व बैंक ने न्यूनतम आय 3 लाख वार्षिक मानी है। रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार पुर्नभुगतान के लिए 50 फीसदी से ज्यादा वसूली नहीं की जा सकती है। माइक्रो फाइनेंस में परिवार के कई सदस्यों ने अलग-अलग लोन लिया हुआ है। संयुक्त परिवार की मासिक आय 20 से 25000 के बीच आती है। माइक्रो फाइनेंस की किस्त ही प्रति परिवार को 15 से 20000 चुकाना पड़ रही है। जिसके कारण माइक्रो फाइनेंस में डिफॉल्टर्स की संख्या बढ़ती चली जा रही है। माइक्रो फाइनेंस कंपनियां मनमाना ब्याज वसूल कर रही है। जिसके कारण विवाद और आत्म हत्या जैसी घटनायें बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। भारत में माइक्रो फाइनेंस शहरी क्षेत्र में ज्यादा बांटा गया है। आय की तुलना में कई गुना ज्यादा कर्ज होने से वित्तीय संस्थानों और बैंकों की हालत वसूली नहीं होने बड़ी खराब हो गई है। लोगों ने दिखावे के लिए बड़े पैमाने पर कर्ज लिए, अब वह कर्ज को चुका नहीं पा रहे हैं। बाजार में पैसा नहीं होने के कारण उत्पाद की बिक्री तेजी के साथ घटती चली जा रही है। जिसके कारण उद्योग और व्यापार भी संकट में आ गए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जो टेरिफ बार शुरू किया है। उसने दुनिया के सभी देशों में आर्थिक मंदी का बिगुल बजा दिया है। इसमें सबसे ज्यादा असर भारत पर पड़ रहा है। पिछले 20 वर्षों में आम आदमी, स्थानीय प्रशासन राज्य सरकारें केंद्र सरकार सभी कर्ज लेकर घी पी रहे हैं। सरकार ने पिछले वर्षों में अपने खर्च कई गुना बढा लिए हैं।

चिंतन-मनन

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को- एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है। जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमशः वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान में आगे बढ़ जाता है।

आरएसएस मुख्यालय में मोदी: क्या यह संघम शरणं गच्छामि है?

राम पुनियानी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हाल में नागपुर-स्थित आरएसएस मुख्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने आरएसएस के संस्थापक डॉ के.बी। हेडगेवार और द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर को श्रद्धांजलि दी। इस यात्रा का खूब प्रचार हुआ और इसकी सर्वत्र चर्चा हो रही है। कुछ लोगों का कयास है कि चूँकि अगले सितम्बर में मोदी 75 साल के हो जाएंगे और अपनी पार्टी के नियमों के अनुसार उन्हें सक्रिय राजनीति से सन्यास लेना होगा, इसलिए यह उनकी फेयरवेल यात्रा थी! इस बीच कई घटनाओं से ऐसा लग रहा है कि पिता (आरएसएस) और बेटे (भाजपा) के रिश्तों में कुछ खटास आ गयी है। सन 2024 के आमचुनाव से पहले भाजपा अध्यक्ष जे.पी। नड्डा ने कहा था कि भाजपा अब अपने पैरों पर खड़ी हो गयी है और उसे आरएसएस के समर्थन की जरुरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इसके पहले तक भाजपा इतनी मजबूत नहीं थी इसलिए उसे वोट हासिल करने के लिए आरएसएस की मदद की दरकार रहती थी।

एक दूसरा मसला है मोदी का आसमान छूता अहंकार। उन्होंने कहा कि वे नॉन-बायोलॉजिकल हैं और ईश्वर ने उन्हें इस धरती पर अपना दूत बनाकर भेजा है। संघ के मुखिया मोहन भागवत को लगा कि मोदी का अहं बहुत ज्यादा बढ़ गया है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से टिप्पणी की कि कुछ लोग खुद को देवता और फिर भगवान मानने लगते हैं। लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटों में कमी आई। ऐसा माना जाने लगा कि आरएसएस ने चुनाव में पूरा जोर नहीं लगाया और इसलिए भाजपा को नुकसान हुआ। मगर फिर महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनावों में आरएसएस, भाजपा के समर्थन में कूद पड़ा। जहाँ तक आरएसएस का प्रश्न है, सिवाय 1984 के चुनाव के, जब संघ को लगने लगा था कि खालिस्तान आन्दोलन भारत की एकता के लिए खतरा है, उसने भाजपा का साथ दिया है और उसे वोट दिलवाने में मदद की है। आरएसएस, संघ परिवार का मुखिया और मुख्य योजनाकार है। उसकी राष्ट्रीय प्रतिनिधि सभा यह सुनिश्चित करती है कि संघ के अनुषांगिक संगठन अपना-अपना काम करते हुए भी आरएसएस की विचारधारा का प्रचार करें - अतीत (मनुस्मृति) का महिमामंडन करें, मुसलमानों और ईसाईयों के खिलाफ नफरत फैलाएं और लोगों को बताएं कि ईसाई धर्म और इस्लाम विदेशी हैं। चुनावों के दौरान

संघ और उससे जुड़े संगठन भाजपा की जीत के लिए पूरा जोर लगाते हैं। भारतीय जनसंघ की स्थापना हिन्दू महासभा के श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने की थी। मुखर्जी के देहांत के बाद संघ ने धीरे-धीरे जनसंघ पर कब्जा जमा लिया। इससे आरएसएस को अपने अधीन काम करने वाला एक विशुद्ध राजनैतिक संगठन हासिल हो गया। आरएसएस, भाजपा और संघ के अन्य बाल-बच्चों के बीच एकदम स्पष्ट श्रम विभाजन है। इसका सबसे बढ़िया उदाहरण था 1980 के दशक में विश्व हिन्दू परिषद् द्वारा शुरू किया गया राममंदिर आन्दोलन। भाजपा ने इस आन्दोलन को अपने हाथों में ले लिया और उसके जरिये जमकर वोट कबाड़े। आरएसएस लगातार प्राचीन भारत का महिमामंडन करता है और धार्मिक अल्पसंख्यकों सहित समाज के कमजोर वर्गों जैसे दलितों, आदिवासियों और महिलाओं के बारे में गलत धारणाएं फैलाता है। उसकी सबसे बड़ी ताकत है उसकी शाखाओं का विशाल जाल और लोगों से जुड़ने की उसकी कई कार्यविधियाँ। यद्यपि भारत का सामंती और औपनिवेशिक समाज अब प्रजातान्त्रिक बन चुका है मगर आरएसएस अब भी अपनी शाखाओं के जरिये राजे-रजवाड़ों के दौर में व्याप्त जातिगत और लैंगिक ऊंचनीच और सामंती मूल्यों को बढ़ावा देता है। उससे जुड़े एकल विद्यालय, वनवासी कल्याण आश्रम, सेवा भारती, राष्ट्रसेविका समिति आदि भी यही काम करते हैं। समाज के विभिन्न तबकों और राजनैतिक ढांचे में घुसपैठ करने का काम आरएसएस बहुत लम्बे समय से कर रहा है। मगर पहले राज्यों और अब केंद्र में भाजपा के सत्ता में आने से इस प्रक्रिया में जबरदस्त तेजी आई है। अब संघ अपनी विचारधारा को और फैलाने के लिए महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के समूह गठित कर रहा है। मैं मुंबई के जिस इलाके में रहता हूँ, वहां संघ ने हाल में एक पिकनिक का आयोजन किया। एक मुस्लिम महिला उसमें भाग लेना चाहती थी मगर उसे सीधे-सीधे कह दिया गया कि पिकनिक के दौरान जो बातें की जाएंगी उससे वो असहज महसूस करेगी। सुबह-सुबह हाथों में लाठियां लिए जाती महिलाओं को देखकर आप यह समझ सकते हैं कि वे राष्ट्र सेविका समिति की शाखा में जा रहीं हैं।

पिछले एक दशक के भाजपा शासन में आरएसएस के अपने हिन्दू राष्ट्रवादी एजेंडा के कई लक्ष्य हासिल कर लिए हैं। राममंदिर बन चुका है, अनुच्छेद 370 हटाया जा चुका है, मुंहजबानी तलाक गैरकानूनी घोषित किया जा चुका है और राष्ट्रीय नागरिकता पंजी (एनआरसी) तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। वक्फ के मामले में संसद में बहस चल रही है। यह साफ है कि आरएसएस और भाजपा के बीच कोई विवाद या असहमति नहीं है। ज्यादा से ज्यादा यह हो सकता है कि दोनों के बीच हिन्दू राष्ट्र की स्थापना के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति के मामले में कुछ मतभेद हों। मोदी ने हेडगेवार और गोलवलकर के तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने देश को सही राह दिखाई। वह राह क्या है? पहली तो यह कि आजादी, बराबरी और भाईचारे के मूल्यों को सबसे ज्यादा अहमियत देने वाले भारतीय राष्ट्रवादी आन्दोलन से सुरक्षित दूरी बनाई रखी जाए। दूसरे बिना स्वीकार करे गोलवलकर के इस सिद्धांत का पालन किया जाए कि मुसलमान, ईसाई और कम्युनिस्ट हिन्दू राष्ट्र के दुश्मन हैं। इस साल (2025) की ईद-उल-फित्र इसका उदाहरण हैं। एक राज्य में उसे सार्वजनिक की बजाय ऐच्छिक छुट्टी घोषित कर दिया गया। सड़क पर नमाज अदा करने का विरोध किया जा रहा है और पुलिस नमाजियों के खिलाफ बलप्रयोग कर रही है। जहाँ तक ईसाईयों का सवाल है, ओड़िशा में उनके शवों को दफनाना मुश्किल बना दिया गया है। बालासोर जिले में सरना माझी नामक एक आदिवासी संस्था यह बेबुनियाद दावा कर रही है कि संविधान के अनुच्छेद 13(3)ए के अंतर्गत आदिवासी ईसाईयों को उनके गांवों में अपने लोगों का शव दफन करने का हक नहीं है।

ट्रम्प की सनकी नीतियां बदल देंगी वैश्विक परिदृश्य

दिलीप कुमार पाठक

डोनाल्ड ट्रम्प एक सनकी मिजाज इंसान हैं ये हमेशा कहा गया है। जब से उनका दूसरा कार्यकाल शुरू हुआ है, तब से डोनाल्ड ट्रम्प खुद को दुनिया का स्वघोषित बॉस सिद्ध करना चाहते हैं। हालांकि टैरिफ टैरिफ चिल्लाते हुए ट्रम्प खुद ही एक मजाक बनकर रह गए हैं। भारत, यूरोपीय देशों, चाइना आदि के साथ टैरिफ, टैरिफ खेल रहे हैं। दर-असल डोनाल्ड ट्रम्प को लगता है अगर पूरी दुनिया पर टैरिफ रेट बढ़ा देंगे तो पूरी दुनिया उनके कदमों में गिरेगी ! वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति ब्लादिमीर जेलेंस्की को व्हाइट हाउस में बेइज्जत करना, या निरंतर भारत गणराज्य के खिलाफ बोलना उन्हें अमेरिका में बसे भारतीयों के बीच निंदा का पात्र बनना पड़ रहा है, चूंकि अमेरिका में भारतीयों की ताकत क्या है किसी से छुपा नहीं है। गैर वीजा के रह रहे लोगों को जानवरों की तरह उन्हें मुल्क से निकालना डोनाल्ड ट्रम्प के इस फैसले ने उन्हें एक सनकी असंवेदनशील इंसान घोषित कर दिया है। कुछ दिनों से डोनाल्ड ट्रम्प टैरिफ को लेकर इतना झल्लाए हुए हैं कि लगता है उनके मुँह से टैरिफ के अलावा दूसरा शब्द मुश्किल से ही निकलता होगा। गजब तो तब हो गया जब यूरोपीय देशों एवं चाइना, कनाडा ने भी अमेरिका पर टैरिफ रेट बढाकर ट्रम्प को मुँहतोड़ जवाब दिया है। कोई भी संप्रभुतावादी मुल्क हो उसको यही करना चाहिए। हालांकि दुःख होता है जब भारत सरकार टैरिफ को लेकर ट्रम्प की इस नीति का विरोध नहीं किया, भारत हमेशा से ही गुटनिरपेक्ष नीति का समर्थक रहा है, अमेरिका भारत से बड़ी अर्थव्यवस्था है लेकिन भारत की संप्रभुता का सम्मान करे भारत जैसे मुल्क को ट्रम्प रोज टैरिफ की धमकी देते रहते हैं। अब तक भारत सरकार की चुप्पी खल रही है, जब सभी मुल्क ट्रम्प के सामने अपने आत्मसम्मान के लिए लड़ते दिख रहे हैं तो हम चुप क्यों हैं ? डोनाल्ड ट्रंप आजकल अपने मुल्क में ही मजाक के पात्र बने हुए हैं। इन दिनों अमेरिका में अपने नागरिकों का कड़ा विरोध झेलना पड़ रहा है। हजारों की संख्या में अमेरिकी नागरिकों ने शनिवार को अमेरिका के अलग-अलग शहरों में ट्रंप प्रशासन के खिलाफ रैलियां निकाली। बताया जा रहा है कि इन रैलियों का मकसद टैरिफ, कर्मचारियों की छंटनी, अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति और मानवाधिकार समेत कई मुद्दों पर अपना विरोध जताने का है। ये प्रदर्शनकारी ट्रंप सरकार के कई कार्यकारी आदेशों के खिलाफ भी सड़कों पर उतरे हैं। ट्रंप की नीतियों का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों ने सरकारी कर्मचारियों में कटौती से लेकर व्यापार शुल्क और नागरिक स्वतंत्रता के हनन के मुद्दे वाशिंगटन, न्यूयॉर्क, ह्यूस्टन, फ्लोरिडा, कोलोराडो और लॉस एंजिल्स सहित अन्य शहरों में रैली निकाली।

न्यूयॉर्क की चित्रकार शाइना केसनर ने इस प्रदर्शन को लेकर कहा कि मैं बहुत गुस्से में हूं। इस सरकार की नीतिया सही नहीं लग रही हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा कि हमारे पास लगभग 100 लोग हैं जो न्यू हैम्पशायर से बस और वैन द्वारा इस प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए आए हैं। हमें दुनिया भर में अपने सहयोगियों को खोना पड़ रहा है, पूरी दुनिया अमेरिका के खिलाफ हो गई है हम ये नहीं चाहते और यहां घर पर लोगों के लिए तबाही का कारण बन रहा है। एक प्रदर्शनकारी ने कहा, मैं महात्मा गांधी से बहुत प्रेरित हूं। आज मैं यहां हूं क्योंकि यह हमारा महासागर और हमारा नमक है। जहां तक विश्व वाणिज्य और विश्व विनिमय का सवाल है। हमारे पास एक-दूसरे को देने के लिए बहुत कुछ है। पहले मैं, पहले मेरा देश, पहले मेरा उत्पाद का यह लालच दुनिया और मानवता के लिए अस्थिर है। प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप और मस्क को अमेरिका के लिए खतरा बताया और कहा कि दोनों मिलकर देश को नष्ट करने में लगे हुए हैं। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा, मैं लगभग दो साल से कोलकाता में रह रहा हूं। यह वह शहर है, जहां देवी मां काली, एक महान और शक्तिशाली शक्ति अभी भी निवास करती हैं। वह शक्ति पूरे भारत और दुनिया में निवास करती हैं। वाशिंगटन स्मारक पर हम सभी लोग आज कह रहे हैं कि यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रम्प इतिहास में अपराधियों के रूप में जाने जाएंगे। इन लोगों को सत्ता में बने रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। ट्रंप ने राष्ट्रपति पद संभालते ही इस बात का भी ऐलान किया था कि अब अमेरिका में सिर्फ दो जेंडर यानी महिला औ? पुरुष ही रहेंगे। किसी भी जगह पर तीसरे जेंडर के लोगों को जगह नहीं मिलेगी। बताया जा रहा है कि इस विरोध प्रदर्शन के दौरान तीसरे जेंडर का मामला भी उठाया जा रहा है। ट्रंप सरकार की नीतियों के खिलाफ शनिवार को अमेरिका भर में 1000 से ज्यादा प्रदर्शन किए गए। इन प्रदर्शन का नाम हैंड्स ऑफ रखा गया था। इनमें नागरिक अधिकार संगठनों, श्रमिक संघों, पूर्व सैनिकों और चुनाव कार्यकताओं ने भी बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। डोनाल्ड ट्रंप कुछ दिन पहले ही भारत समेत दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। ट्रंप ने भारत पर भी 26 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। भारत के अलावा औ? जिन देशों पर टैरिफ लगाया गया उनमें चीन, मलेशिया, कनाडा, वियतनाम जैसे देश शामिल हैं। ट्रंप के व्हाइट हाउस लौटने के बाद से अक्सर विरोध-प्रदर्शन होते रहे हैं लेकिन हैंड्स ऑफ! प्रोटेस्ट महिला मार्च 2017 और ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन 2020 के बाद सबसे बड़ा जनांदोलन माना जा रहा है। लेकिन कई प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि शनिवार की ये लहर सिर्फ शुरूआत है। ट्रम्प सोच रहे थे टैरिफ बढ़ाकर पूरी दुनिया को झुका लेंगे लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प अपने देश के लोगों के द्वारा ही नकारे जा रहे हैं।

ड्रग तस्करी- पाबंदी की राह में मुश्किल है बहुत

मुकेश तिवारी

वर्तमान समय में नशीले पदार्थों का गोरखधंधा देश के सभी हिस्सों में अपने पैर जमा चुका है। छोटे शहर और कस्बे भी इसके चंगुल में बुरी तरह से फस चुके हैं। क्योंकि इस गोरख धंधे में अकूत पैसा है। इसलिए जल्द से जल्द धन कुबेर बनने की चाहत में लोग इस गैर कानूनी धंधे में संलिप्त होते चले जा रहे हैं। लंबे समय से नशीले पदार्थों के कारोबार ने देश को सामाजिक एवं आर्थिक दोनों मोर्चे पर खोखला बना रखा है। इससे मानव संसाधन पर काफी हद तक नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। युवा पीढ़ी इसकी गिरफ्त में फंसकर बर्बाद हो रही है। साथ ही साथ इस गैर कानूनी कारोबार से सरकार को भी राजस्व की क्षति हो रही है। अफीम एवं दूसरे नशीले पदार्थों का उपयोग दवाई बनाने में भी किया जाता है। लेकिन आज इससे दवा की जगह जहर बनाया जा रहा है। इससे अपराधी घटनाओं में भी इजाफा हो रहा है ,क्योंकि नशे की हालत में इंसान का स्वयं पर नियंत्रण नहीं होता है।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी रपट के मुताबिक तकरीबन 1करोड25लाख लोग हेरोइन का नशा करते हैं, हालत यह है कि जिसमें से 60लाख लोग हेरोइन का सेवन किया बिना नहीं रह सकते हैं। हेरोइन पर पूर्ण तौर पर निर्भर लोग मुख्य रूप से पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और गुजरात के रहने वाले हैं।

अब तक की सबसे बड़ी हेरोइन तकरीबन 2700करोड की पंजाब में वाधा बॉर्डर और मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर 1725करोड की ड्रग्स पकड़ी जा चुकी है।इसी तरह गुजरात के भरुच जिले के अंकलेश्वर में भी 518 किलो हेरोइन बरामद हो चुकी है,

काबिले गौर है कि आज भी देश में गैरकानूनी ढंग से ड्रग्स लेनदेन का महज दसवां भाग ही सरकारी एजेंसी जब्त कर पाने में सफल हो पा रही है, जिसके कारण इस धंधे में शामिल कारोबारी का मनोबल ऊंचा बना रहता है। वह मानकर चलते हैं कि वह पकडे नहीं जाएंगे। भारत हेरोइन उत्पादन करने वाले देशो गोल्डन ट्रायंगल, थाईलैंड ,लाओस, म्यांमार और गोल्डन क्रिसेंट, अफगानिस्तान, पाकिस्तान ,ईरान के बीच में अवस्थित है।हेरोइन का 90% उत्पादन इन्हीं दो क्षेत्र से होता है। भारत में हेरोइन मुख्यत म्यांमार ,पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आती है।इसी वजह से देश के उत्तर पूर्वी और उत्तर पश्चिमी प्रदेशों में ड्रग्स का ज्यादा अवैध कारोबार होता है। ड्रग्स के कारोबार की रोकथाम के लिए मुख्य रूप से एनसीबी और राज्य पुलिस काम कर रही है। अन्य एजेंसिया जैसे डी आर आई, कस्टम और राज्य उत्पादन शुल्क की इस मामले में भूमिका सीमित है। मामले में सवाल का उठना लाजिमी है कि ड्रग्स के अवैध कारोबार की रोकथाम के लिए उपाय क्या है? जांच एजेंसी द्वारा सिर्फ ड्रग्स पकड़ना मामले में काफी नहीं है।। जरूरत है ड्रग्स कारोबारियों के पूरे नेटवर्क को तोड़ा जाए। स्वापक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1885 से मिले अधिकार का उपयोग करके जांच अधिकारी ड्रग्स के कारोबार से अर्जित की गई। सभी संपत्तियों को पहचान करके उन्हें फ्रिज करें साथ ही साथ उनकी नीलामी में भी करवाए। वर्तमान में एजेंसियों के बीच तालमेल का भी अभाव है ।

ड्रग्स के काले गोरखधंधे को रोकने के लिए सीमा शुल्क के अधिकारी ,आयकर महकमे के अधिकारी ,पुलिस के अधिकारी ,राजस्व निदेर्शालय के अधिकारी और प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों को मिलकर काम करना चाहिए । ड्रग्स की खपत को कम करके भी इसके कारोबार को नियंत्रित किया जा सकता है ,लेकिन इसके लिए ड्रग्स का सेवन करने वालों को जागरूक बनाने की जरूरत है।जब ड्रग्स का सेवन करने वाले उपभोक्ता ही नहीं रहेंगे तो स्वाभाविक रूप से ड्रग्स की आपूर्ति कम हो जाएगी।गैस एजेंसियों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन व्यक्तियों को ड्रग्स के कारोबार के अपराध में गिरफ्तार किया गया है, उन्हें अदालत द्वारा कम से कम 10 वर्ष या उससे अधिक की सजा मिले।हो सके तो त्वरित अदालतों (फास्ट ट्रैक कोर्ट)का गठन कर मामले का निपटारा भी किया जाए। ऐसा होने पर ही ड्रग्स कारोबारियो के बीच भय का संचार होगा।

आज का राशिफल

मेष आज करियर के लिहाज से बहुत अच्छा रहने वाला है। आपको अपने काम में सफलता मिलेगी।

वृषभ आपको कुछ मामलों में लाभ तो कुछ मामलों में हानि का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आज दिन लाभ और सफलता लेकर आएगा। अपनी कोई खोई हुई चीज वापस मिल सकती है।

कर्क दिन करियर के मामले में फायदेमंद रहेगा। कोई मित्र आपकी आर्थिक मदद कर सकता है।

सिंह आज लाभ और तरक्की मिलेगी। दिन आर्थिक रूप से फायदे वाला साबित होगा।

कन्या आज फायदा होगा और आप ऊर्जा से भरे रहेंगे। आपका दिन चुस्ती से भरा होगा।

तुला लाभ होगा और आपका दिन सम्मान से भरा होगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृश्चिक आपकी तरक्की होगी। सामाजिक कार्यों के जरिए कुछ लक्ष्य हासिल करेंगे।

धनु आज दिन मिला-जुला रहेगा। ऑफिस के माहौल में आपका मन नहीं लगेगा।

मकर आज दिन परीक्षा जैसा है। आप जो भी काम मेहनत से करेंगे, उसका अच्छा फल मिलेगा।

कुंभ आज दिन मिला-जुला रहेगा। आपके लिए दिन का आरंभ थोड़ा बेचैनी से भरा हो सकता है।

मीन आज दिन लाभ से भरा होगा। आप किसी सौदे या लेन-देन के दौरान तनाव न लें।

विशेष

चर्च की जमीनों पर हिंदू संगठनों की नजर

वक्फ बिल को पास हुए और राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के साथ ही संघ की नजर अब चर्च की जमीनों पर है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ी मैगजीन ऑर्गेनाइजर मे एक लेख प्रकाशित हुआ था। इस लेख में कैथोलिक चर्च की संपत्ति पर संघ की नजर पड़ गई है। कैथोलिक चर्च बनाम वक्फ बोर्ड को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है। 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन कैथोलिक चर्च के ईसाई समुदाय के पास है। संघ के ऑर्गेनाइजर में इसे सबसे बड़ा गैर सरकारी जमीदार बता दिया गया है।वक्फ बोर्ड पर अब सरकार का कानूनन कब्जा हो गया है। अब कैथोलिक चर्च की संपत्ति को सरकार अपने नियंत्रण में लेने की तैयारी करेगी। यह मंशा संघ और उसके अनुवांशिक संगठनों ने लेख लिखकर उजागर कर दी है। इसके बाद हिंदू मंदिरों के पास बहुत संपत्ति है। उनका नंबर भी इसके बाद आना तय है। यह बात राजनीतिक हल्कों में कही जा रही है। बात मुसलमान ईसाई की नहीं है। बात संपत्ति पर सरकार अपना कब्जा करना चाहती है। यही हो रहा है।

नक्सलियों के मरने पर अमित शाह को तकलीफ

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 2 दिन के छत्तीसगढ़ दौरे पर थे। शनिवार को वह दंतेवाड़ा पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का खत्मा हो जाएगा। अगले साल चेत माह की रामनवमी तक नक्सलवाद खत्म करने का उन्होंने संकल्प लिया। अमित शाह ने कहा नक्सली हमारे अपने हैं। उनके मरने पर हमें तकलीफ होती है। नक्सली समर्पण कर दें, जो गांव नक्सल मुक्त होंगे। उन्हें केंद्र सरकार एक करोड रुपए देगी। सही बात है,जब नक्सली मरते हैं, तब तकलीफ तो बहुत होती है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1774 माधवराव द्वितीय का जन्म हुआ. उन्हें दस दिन की उम्र में ही गद्दी पर बैठा दिया गया. 1834 समाज सुधारक राममोहन राय इंग्लैंड पहुंचे. 1857 आजादी की लड़ाई की पहली गोली चलाने वाले मंगल पांडे को फासी दी गई. 1894 प्रसिद्ध उपन्यासकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का निधन. 1939 इतावली सेना के हमले के बाद अल्बानिया नरेश जोग देश छोड़कर भाग गये. 1958 परमाणु परीक्षण प्रतिबंध के लिए अमरोका ने आपसी निरीक्षण का प्रस्ताव किया. 1961 अल्जोरियायी विद्रोहियों के साथ शांतिपूर्ण समझौते का फ्रांसीसी जनमत सग्रह ने समर्थन किया. 1986 लेबनान के राष्ट्रपति अमीन गमाएल की पार्टा के कार्यालय के पास कार बम विस्फोट में दस व्यक्ति मरे और 140 घायल हुए. 1996 माधवराव सिंधिया, जी. के. मूपनार नटवर व चिदंबरम सहित अनेक नेता कांग्रेस पार्टी से निष्कासित. 1997 हवाला मामले में अभियुक्त भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी व कांग्रेस के विद्याचरण शुक्ल को दिल्ली उच्च न्यायालय ने आरोपमुक्त किया.

दैनिक पंचांग

8 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मेष	06.07 बजे से
चंद्र	सिंह में	वृष	07.47 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.46 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.59 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.15 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.27 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.38 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.52 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.08 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मकर	01.14 बजे से
		कुंभ	03.00 बजे से
		मीन	04.33 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 98 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 21.14 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 07.55 बजे को समाप्त।
योग शूल 18.10 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.33 बजे तदनन्तर विष्टि 21.14 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 09.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 13'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872308
जूलियन दिन 2460773.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल
तारीख 09
विशेष कामदा एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ये है धरती का सबसे पुराना पेड़

महाभारत से पहले का है इसका इतिहास

इस दुनिया में एक नहीं बल्कि कई सारी गजब की जगह और चीज मौजूद है जो लोगों को हैरान कर देती है। पेड़ हम इंसानों के लिए कितने जरूरी हैं यह बात तो सभी जानते हैं। अगर इस धरती पर पेड़ नहीं होंगे तो इंसान का जीना संभव नहीं है। जब भी पुराने पेड़ों की बात निकलती है तो अक्सर लोगों को बरगद का पेड़ याद आता है। लोग यही कहते हैं की बरगद के पेड़ सालों साल जीते हैं और यह सबसे पुराने होते हैं। लेकिन आज हम आपको इस दुनिया के सबसे पुराने पेड़ के बारे में बताते हैं जो हजारों साल पुराना है। दुनिया के इस सबसे पुराने पेड़ की बात करें तो यह चिली में पाया गया है, जो लगभग 5000 साल से ज्यादा पुराना है। साइप्रस ट्री के नाम से पहचाने जाने वाला यह पेड़ ग्रेट ग्रैंडफादर के नाम से प्रसिद्ध है। वैज्ञानिकों ने इसलिए नाम इसलिए दिया है क्योंकि यह धरती पर मौजूद सबसे पुराना पेड़ है।

कितने साल का है पेड़

इस पेड़ की उम्र की बात करें तो यह 5484 साल का है, लेकिन कुछ लोग बताते हैं कि यह 6000 साल से ज्यादा पुराना है। यह 13 फिट चौड़ा और 28 मीटर लंबा है। इस पर लगातार शोध चल रहा है और यह जानने की कोशिश की जा रही है कि आखिरकार इसने जलवायु परिवर्तन के साथ खुद को किस तरह से अनुकूल रखा।

हासिल किए ये खिताब

ग्रेट ग्रैंडफादर पेड़ चिली के एलर्स कोस्टेरो नेशनल पार्क में मौजूद है। जिस कैलिफोर्निया के पाइन पेड़ को हराकर सबसे पुराना पेड़ होने का खिताब अपने नाम किया है। धरती के इस सबसे पुराने पेड़ में लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। अक्सर लोग इसे देखने के लिए पहुंचते हैं।

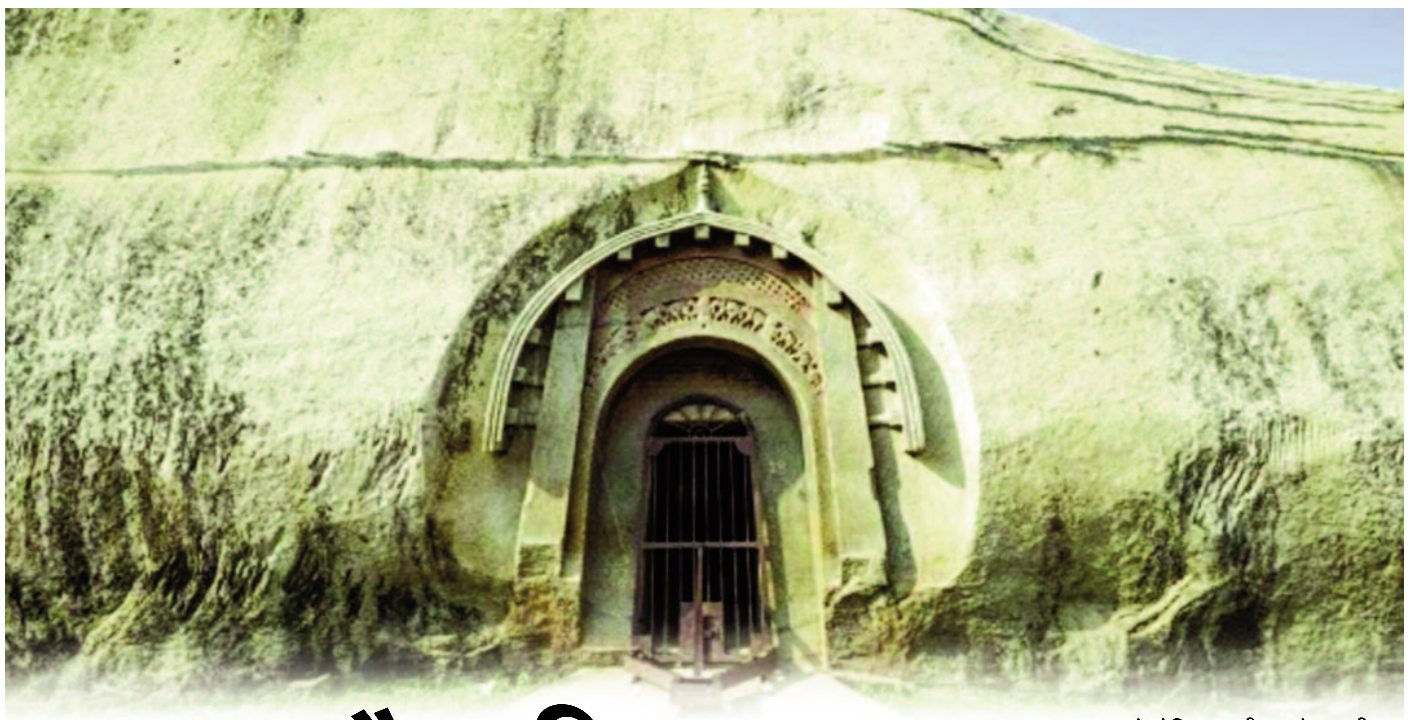

आस्था और इतिहास का खूबसूरत संगम है वाणावर की गुफाएं!

आप सभी जानते होंगे कि पहले आदिमानव के जमाने में गुफाएं उनके रहने का स्थान हुआ करती थी। वह समय ऐसा था जब गुफाएं उन लोगों के लिए एक सुरक्षित घर हुआ करती थी। इतना ही नहीं गुफाएं अलग-अलग मौसम से बचाने का काम करती थी। जंगली जानवर से लोगों की रक्षा किया करती थी। उन गुफाओं के बारे में जानना और वहां जाना अपने आप में बहुत खास है। आज हम एक ऐसी गुफाओं के बारे में बात कर रहे हैं, जो आस्था और इतिहास का एक खूबसूरत संगम है। वह गुफा है वाणावर की गुफाएं।

वाणावर की गुफाएं भारत के बिहार राज्य के जहानाबाद जिले में स्थित है। वाणावर की पहाड़ियों पर स्थित यह गुफाएं भारत के प्राचीन इतिहास और संस्कृति का जीवंत प्रमाण है। यह गुफाएं तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थी और अजीब संप्रदाय के बौद्ध भिक्षुओं के लिए आश्रय स्थल थी।

गुफाओं के पास है सिद्धेश्वर नाथ महादेव मंदिर

वाणावर की गुफाओं में एक शिव मंदिर भी स्थित है। जिसे सिद्धेश्वर नाथ महादेव मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर सातवीं शताब्दी में गुप्त काल के दौरान बनाया गया था। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और यह बिहार के सबसे प्राचीन शिव मंदिरों में से एक माना जाता है। यह वाणावर ऊंची पहाड़ी पर स्थित है। सावन के महीने में इस मंदिर में भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। वैसे तो प्रत्येक दिन लोग यहां जल चढ़ाने आते हैं। लेकिन सावन के महीने में यहां का वातावरण ही कुछ और होता है।

वाणावर गुफाओं की विशेषताएं

- वाणावर की गुफाएं एक पहाड़ी पर स्थित है। इन गुफाओं में कुल सात गुफाएं हैं। इनमें से चार गुफाएं वाणावर पहाड़ियों पर और तीन गुफाएं नागार्जुन पहाड़ियों पर स्थित है।
- इन गुफाओं की दीवारों पर बौद्ध धर्म से संबंधित कई महत्वपूर्ण शिल्प और मूर्तियां हैं। इनमें से कुछ शिल्प और मूर्तियां इतनी सुंदर है कि वह आज भी लोगों को मंत्रमुग्ध करती है।
- इन गुफाओं में बुद्ध, बुद्धिसत्व और अन्य बौद्ध देवताओं की मूर्तियां है इनके अलावा इन गुफाओं में कई अन्य शिल्प भी है जिनमें पशुओं, पक्षियों और फूलों की मूर्तियां आदि शामिल है।
- दिन पर दिन इन गुफाओं को और भी ज्यादा सुंदर और सुरक्षित बनाने के लिए सरकारी स्तर पर काम चल रहा है। पर्यटकों की सुरक्षा के लिए एक पुलिस स्टेशन भी बनाया गया है।
- यहां हर साल वाणावर महोत्सव का भी आयोजन किया जाता है। इस आयोजन में लोग बढ़ चढ़कर कर हिस्सा लेते हैं। पहाड़ों पर चढ़ने में लोगों को आसानी हो इसके लिए रोपवे भी बनवाया जा रहा है लेकिन अभी इसमें काफी समय लग रहा है।

वाणावर की गुफाओं का महत्व

वाणावर की पहाड़ियों पर कुल सात गुफाएं है जिसे देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। यह गुफाएं प्राचीन इतिहास और संस्कृति का एक महत्वपूर्ण प्रमाण है। गुफाओं में मौजूद शिल्प और मूर्तियों से हमें बौद्ध धर्म के इतिहास और संस्कृति के बारे में जानकारी प्रदान होती है। यह एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल भी है। यहां हर साल हजारों लोग इन गुफाओं को देखने और उनकी प्राचीन संस्कृति और इतिहास को जानने के लिए दूर-दूर से आते हैं। इन गुफाओं को हजारों साल पहले पहाड़ों को सावधानी से काटकर बनाया गया था। इन गुफाओं की दीवारें बहुत चिकनी है। आपको बता दें, इन गुफाओं का निर्माण सम्राट अशोक के आदेश पर आजीवक संप्रदाय के बौद्ध भिक्षुओं के रहने के लिए करवाया गया था। गुफाओं के प्रवेश द्वार पर ही सम्राट अशोक के अभिलेख है। यह लेख ब्राह्मी लिपि में लिखे हुए हैं, जिसे गाइड पढ़कर विस्तार से बताते और समझाते हैं।

सम्राट अशोक ने बौद्ध भिक्षुओं के लिए बनाई थीं गुफाएं

वाणावर की पहाड़ियों पर कुल सात गुफाएं हैं, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से पर्यटक आते हैं। इनमें चार वाणावर पहाड़ियों पर और तीन पास में ही नागार्जुन की पहाड़ियों पर हैं। पहाड़ों को सावधानी से काट कर हजारों साल पहले इंसान इस बेहद सुंदर गुफाओं को बनाया। इनमें से कई गुफाओं की दीवारों को देखकर आप दंग रह जाएंगे। इसकी चिकनाई आज के समय में लगाई जाने वाली टाइल्स से कम नहीं है। मौर्य काल की यह स्थापत्य कला पर्यटकों को आश्चर्य से भर देती है। इनका निर्माण सम्राट अशोक के आदेश पर आजीवक संप्रदाय के बौद्ध भिक्षुओं के रहने के लिए करवाया गया था। इसमें कर्ण चौपर, सुदामा और लोमस ऋषि गुफा अपनी स्थापत्य कला के लिए देश और दुनिया में प्रसिद्ध हैं। गुफाओं के प्रवेश द्वार पर ही सम्राट अशोक के अभिलेख हैं। ब्राह्मी लिपि के जानकार इसे पढ़ और समझ पाते हैं। गाइड इसके बारे में विस्तार से बताते हैं।

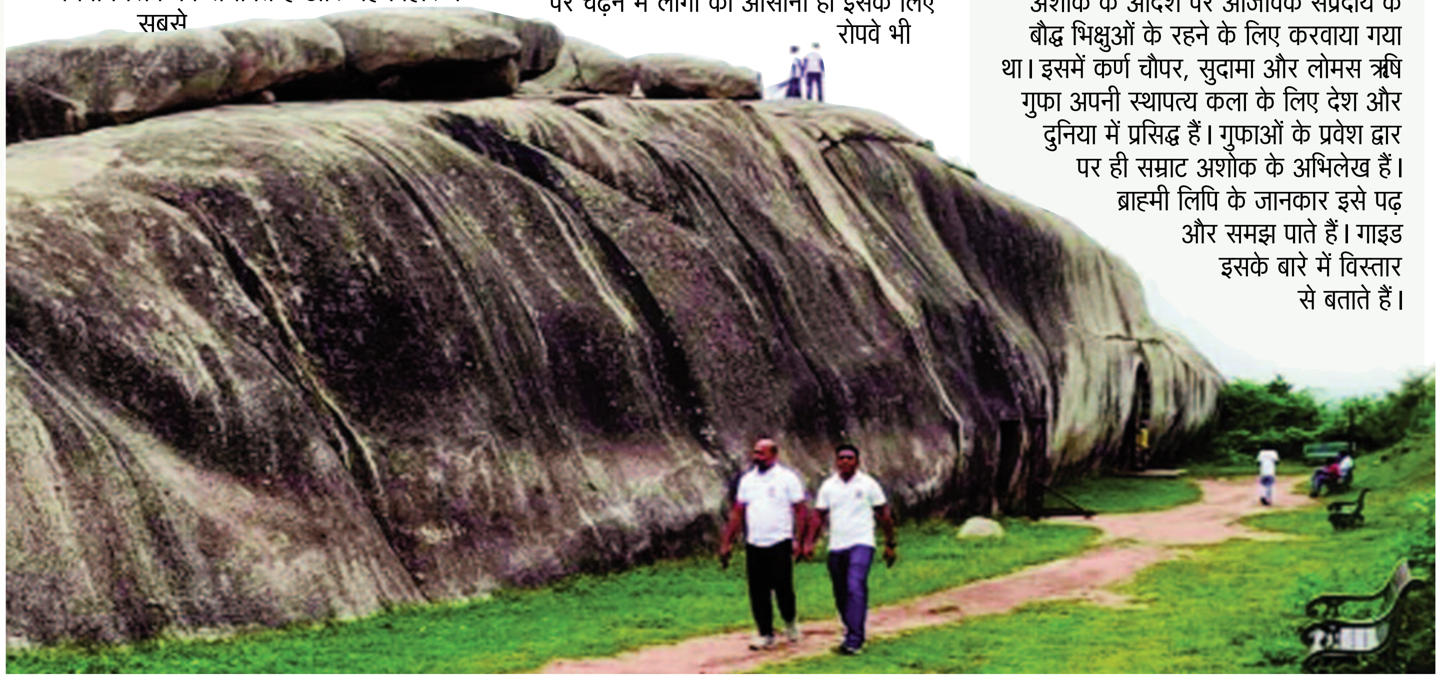

इन गुफाओं में है मौर्यो का खजाना, आज भी दबे हैं यहां कई रहस्य

बिहार की धरती काफी ऐतिहासिक रही है। इस धरती पर जहां कई शूरवीरों ने जन्म लिया और एक नई इबारत लिखी,वहीं प्राचीनता की बात करें तो बिहार में कई ऐसी धरोहर हैं, जो दुनिया भर में लोकप्रिय रही हैं। इन्हीं में से एक धरोहर है बराबर की गुफाएं। ये गुफा भारत की ऐसी सबसे पुरानी गुफा है जो चट्टानों को काटकर बनाई गई है। यही नहीं, इनमें मौर्य काल की वास्तुकला और शिलालेख आज भी मौजूद हैं।

कहां है ये गुफाएं...

- ये गुफाएं बिहार के जहानाबाद जिले में गया से 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।
- इन गुफाओं को 'सतघरवा' भी कहते हैं। इनमें से ज्यादातर का संबंध मौर्य काल (322-185 ईसा पूर्व) से है और कुछ में अशोक के शिलालेखों को देखा जा सकता है।
- ये गुफाएं बराबर (चार गुफाएं) और नागार्जुनी (तीन गुफाएं) की जुड़वां पहाड़ियों में स्थित हैं।
- अधिकतर गुफाएं दो कक्षों की बनी हैं जिन्हें पूरी तरह से ग्रेनाइट को तराशकर बनाया गया है।

कौन-कौन सी हैं गुफाएं...

बराबर पहाड़ी में हैं ये चार गुफाएं...

- लोमस ऋषि गुफा
- सुदामा गुफा
- करण चौपर
- विश्व जोपरी

नागार्जुन गुफा

- गोपी गुफा
- भायक गुफा
- वैदंतिका गुफा

अन्दर से कैसी हैं बराबर गुफाएं...

गुफाओं की एंट्रेंस वॉल और दरवाजों पर कई शिलालेख हैं, जो बताते हैं कि यहां कभी बौद्ध भिक्षु रहा करते थे। ये गुफाएं मगरमच्छ के समान नज़र आने वाली चट्टानों को काटकर बनाए गए हैं। गुफाओं में बने कमरे के इंटीरियर में पॉलिश है, जो आज भी सुरक्षित है।

चट्टानों को काटकर बनाए गए कमरे

चट्टानों को काटकर बनाए गए ये कमरे अशोक (273 ईसा पूर्व से 232 ईसा पूर्व) और उनके पुत्र दशरथ के मौर्य काल, तीसरी सदी ईसा पूर्व से संबंधित हैं। यद्यपि वे स्वयं बौद्ध थे लेकिन एक धार्मिक सहिष्णुता की नीति के तहत उन्होंने विभिन्न जैन संप्रदायों की पनपने का अवसर दिया।

इन गुफाओं का उपयोग आजीविका संप्रदाय के संन्यासियों द्वारा किया गया था जिनकी स्थापना मक्खाली गोसाला द्वारा की गयी थी, वे बौद्ध धर्म के संस्थापक सिद्धार्थ गौतम और जैन धर्म के अंतिम एवं 24वें तीर्थंकर महावीर के समकालीन थे।

आर्किटेक्चर का बेहतरीन नमूना पेश करती है टियांजिन बिनहाई लाइब्रेरी

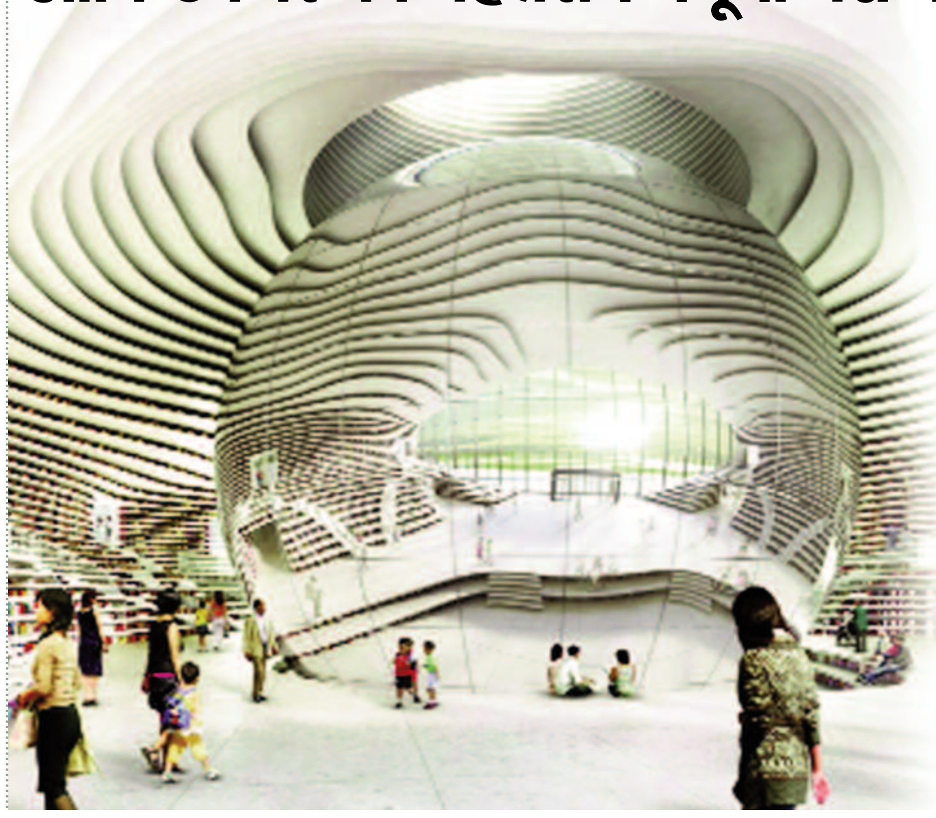

चीन में एक ऐसी लाइब्रेरी है, जिसे देखने के बाद आपकी निगाहें उसी पर टिकी रहेंगी। आर्किटेक्चर का बेहतरीन नमूना पेश करती इस लाइब्रेरी का नाम है 'टियांजिन बिनहाई लाइब्रेरी' जिसकी खूबसूरती देख आप यकीन नहीं कर पा रहे होंगे, कि ये एक लाइब्रेरी है। यहां कुछ लोग तो सिर्फ फोटो के लिए ही इस लाइब्रेरी का रूख करते हैं। बता दें, इस लाइब्रेरी को चीन के 'नेशनल डे' को आम जनता के लिए खोला गया है। 37, 000 स्कायर फीट तक फैली टियांजिन बिनहाइ लाइब्रेरी में हमेशा लोगों की भीड़ लगी रहती है। इस लाइब्रेरी की उंचाई करीब पांच मंजिल के बराबर बनी हुई है। यहां पर पढ़ने के लिए हर जॉनर करीब 12 लाख से भी ज्यादा किताबें मिल जाएगी। इस लाइब्रेरी में लगभग हर जॉनर में 12 लाख किताबें हैं। इस लाइब्रेरी को बिनहाई कल्चरल सेंटर में खोला गया है, जिसे डच कंपनी एमवीआरडीवी ने डिजाइन किया है। इस खूबसूरत चीन की लाइब्रेरी में एक बेहद ही यूनिक डिजाइन दिया गया है, जिसमें एक बड़ी आखं बनी हुई है, इस आंख के डिजाइन पर अंदर होने वाली चीजों और बाहर बने पार्क की परछाई पड़ती रहती है, जो इसकी खूबसूरती को और ज्यादा बढ़ा देती है।

- इस लाइब्रेरी में तकरीबन हर जॉनर की 12 लाख किताबें हैं.
- शहर के बिनहाइ कल्चरल सेंटर में खुले इस लाइब्रेरी को डच कंपनी एमवीआरडीवी ने डिज़ाइन किया है.
- इस लाइब्रेरी में सर्विस स्पेस, बुक स्टोरेज, आर्काइव, कंप्यूटर रूम, ऑडियो रूम, ऑडिटोरियम, लाउंज, मीटिंग रूम, ऑफिस और रीडिंग स्पेस भी हैं.
- इन किताबों और लाइब्रेरी के बीच एक बहुत बड़ी आंख भी बनी हुई है. – इस आंख पर अंदर होने वाली चीज़ों और बाहर बने पार्क की परछाई पड़ती रहती है, जो इसकी खूबसूरती को चार चांद लगा देती है.
- इसे चीन के नेशनल डे पर आम जनता के लिए खोल दिया गया.

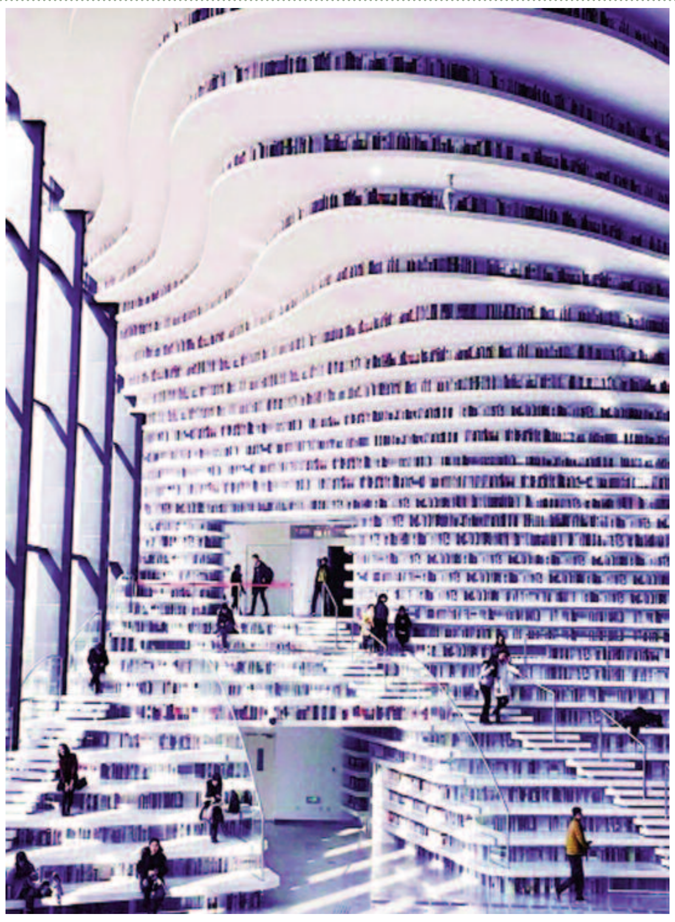

1 साल में 184 प्रतिशत का रिटर्न, अब बोनस शेयर देने की तैयारी में कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते एक साल में कुछ कंपनियों ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। उसमें से वीटीएम लिमिटेड एक है। कंपनी ने अपने निवेशकों को बीते एक साल में 184 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। अब कंपनी बोनस शेयर देने की तैयारी में है। इसकी जानकारी 7 अप्रैल यानी सोमवार को एक्सचेंज के साथ कंपनी ने साझा की है।

16 अप्रैल को कंपनी की बोर्ड मीटिंग– एक्सचेंज को दी जानकारी में वीटीएम लिमिटेड ने कहा है

कि 16 अप्रैल को बोर्ड की मीटिंग है। इसी मीटिंग में बोनस शेयर देने पर फैसला किया जाएगा। अगर बोनस शेयर देने पर कंपनी के बोर्ड में सहमति होती है तो यह पहली बार होगा जब स्टॉक एक्स–बोनस के तौर पर ट्रेड करेगा।

200 रुपये से कम का है शेयर– सोमवार को कंपनी के शेयरों का भाव 199.30 रुपये के लेवल पर बीएसई में था। आज कंपनी की ट्रेडिंग ठप्प है। रिटर्न की बात करें तो यह स्टॉक पिछले एक साल में अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहा है। बीते एक साल में वीटीएम के शेयरों का भाव 184 प्रतिशत बढ़ा है। बीते एक महीने में वीटीएम लिमिटेड के शेयरों की कीमतों में 10 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। बता दें, कंपनी का 52 वीक हाई 232.35 रुपये और 52 वीक लो लेवल 63.11 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 800 करोड़ रुपये से अधिक का है।

लगातार डिविडेंड दे रही है कंपनी– कंपनी इसी साल जनवरी के महीने में एक्स–डिविडेंड ट्रेड की थी। जिसके बाद योग्य निवेशकों को हर एक शेयर पर 0.25 रुपये का डिविडेंड मिला था। कंपनी 2008 से निवेशकों को डिविडेंड देती आ रही है। बता दें, 2021 में वीटीएम लिमिटेड के शेयरों का बंटवारा हुआ था। तब कंपनी के शेयरों का बंटवारा 10 हिस्सों में किया गया था। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 1 रुपये प्रति शेयर हो गई थी।

87 प्रतिशत टूटकर 147 रुपये पर आया जेनसोल इंजीनियरिंग का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। कभी मल्टीबैगर कहे जाने वाले जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयर लगातार लुढ़क रहे हैं। सोलर पावर बिजनेस से जुड़ी कंपनी के शेयर मंगलवार को 5 पर्सेंट और टूटकर 147.55 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों में सोमवार को भी 5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। एक महीने में जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयरों में 51 पर्सेंट से अधिक की

गिरावट आई है। वहीं, अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से कंपनी के शेयर 87 पर्सेंट टूट गए हैं। जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयर 24 जून 2024 को 1125.75 रुपये पर थे, जो कि 8 अप्रैल 2025 को 147.55 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

छह महीने में शेयरों में 81 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट– जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयरों में छह महीने में 81.65 पर्सेंट की गिरावट आई है। कंपनी के शेयर 8 अक्टूबर 2024 को 804.20 रुपये पर थे। सोलर पावर बिजनेस से जुड़ी कंपनी के शेयर 8 अप्रैल 2025 को 147.55 रुपये पर जा पहुंचे हैं। इस साल अब तक कंपनी के शेयरों में 81 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली है।

एफएलएलएस ने 9000 करोड़ रुपये की बड़ी बिकवाली की

● रुपया डॉलर के मुकाबले गिरकर 85.83 पर पहुंचा ● वैश्विक अनिश्चितताओं से भारतीय बाजार में डर का माहौल

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी निवेशकों ने सोमवार को भारतीय शेयर बाजार से 9000 करोड़ रुपये निकाल लिए। डॉलर में यह रकम 1.04 बिलियन है। इस साल भारतीय शेयरों की यह दूसरी सबसे बड़ी बिकवाली है। इससे पहले, फरवरी के आखिर में एफएलएलएस ने 12,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर बेचे थे। साल 2025 में यह सबसे ज्यादा था। इस भारी बिकवाली की वजह से भारत के मुख्य शेयर बाजार सोमवार को 10 महीने के सबसे निचले स्तर पर आ गए थे।

सोमवार को शेयर मार्केट में बड़ी गिरावट आई थी। निफ्टी 5 प्रतिशत नीचे खुला था। यह एक अप्रत्याशित गिरावट थी। पूरे दिन बाजार पर दबाव बना रहा। टैरिफ की वजह से एशियाई और अमेरिकी बाजारों में भी बिकवाली हुई। निवेशकों को डर है कि दुनिया में मंदी आ सकती है। इसलिए वे जोखिम भरे निवेश से बच रहे हैं। चीन ने अमेरिका के टैरिफ का जवाब दिया है। व्हाइट हाउस के भी पीछे हटने के कोई संकेत नहीं हैं। इससे भी निवेशकों का भरोसा कम हुआ है।

मार्च में एफएलएलएस ने खरीदारी की थी। लेकिन अप्रैल में वे फिर से बेचने लगे हैं। उन्होंने अप्रैल में अब तक भारत से 14,000 करोड़ रुपये के शेयर बेच दिए हैं। मार्च से पहले, उन्होंने लगातार छह महीने तक शेयर बेचे थे।

अमेरिका में ट्रेजरी बॉन्ड पर ब्याज दरें बढ़ रही हैं। इसलिए बॉन्ड अब शेयरों से ज्यादा आकर्षक हो गए हैं। एफएलएलएस अपना पैसा निकालकर अमेरिका के सुरक्षित बाजारों में लगा

रहे हैं। इसके अलावा, डॉलर के मजबूत होने से भारत जैसे उभरते बाजारों का आकर्षण कम हुआ है।

आखिर क्यों बेच रहे शेयर?– भारतीय रुपये की कीमत डॉलर के मुकाबले गिर रही है। सोमवार को रुपया 85.83 पर आ गया। यह लगभग तीन महीनों में सबसे बड़ी गिरावट है। इससे एफएलएलएस को नुकसान हो रहा है। जब वे अपने रुपये को डॉलर में बदलते हैं, तो उन्हें कम पैसे मिलते हैं। इसलिए वे भारतीय बाजारों से निकल रहे हैं। 13 जनवरी के बाद यह सबसे बड़ी गिरावट थी।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?– विश्लेषकों का कहना है कि बाजार में गिरावट की वजह से इस साल के लिए अभूतपूर्व निचले स्तर देखे गए हैं।

इसलिए निवेशक सावधानी बरत रहे हैं। वे इन मुश्किल समय में सोच-समझकर काम कर रहे हैं। यह गिरावट वैश्विक बाजारों में कमजोरी की वजह से हुई है। इसका असर निवेशकों के मन पर पड़ा है। एंजल वन के टेक्निकल एनालिस्ट राजेश भोसले ने कहा, हालांकि, वैश्विक स्तर पर स्थिरता या सुधार के कोई भी संकेत भारतीय बाजारों में एक शक्तिशाली सुधार ला सकते हैं। इससे निवेशकों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और बाजार में नई उम्मीद जगेगी।

आगे कैसी रहेगी स्थिति?

पीएल कैपिटल - प्रभुदास लीलाधर के हेड - एडवाइजरी विक्रम कसाट ने कहा कि फिलहाल बाजार में अनिश्चितता बनी रह सकती है क्योंकि वैश्विक अनिश्चितताएं जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित कर रही हैं। इसका मतलब है कि जब तक दुनिया भर में हालात ठीक नहीं हो जाते, तब तक बाजार में डर का माहौल बना रहेगा। लोग निवेश करने से डरेंगे।

कितना गिरा रुपया?

सोमवार को भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 38 पैसे गिर गया था। यह गिरावट पिछले पांच हफ्तों में सबसे ज्यादा रही। रुपया 85.82 पर बंद हुआ। यह गिरावट दुनिया भर में चल रहे ट्रेड वॉर और आर्थिक मंदी की आशंका के कारण हुई है। कच्चे तेल की कीमतें कम होने और अमेरिकी डॉलर के कमजोर होने के बावजूद, रुपये की गिरावट नहीं रुकी।

41 प्रतिशत टूटने के बाद टाटा के शेयर पर ब्रोकरेज अलर्ट, पोर्टफोलियो से शेयर घटाने की दी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में तेजी के बीच टाटा मोटर्स के शेयर आज मंगलवार के शुरुआती कारोबार में फोकस में रहे। कंपनी के शेयर की कीमत 5 प्रतिशत तक बढ़कर 606.40 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए थे। इससे पहले सोमवार को टाटा मोटर्स के शेयर में लगभग 13 प्रतिशत की गिरावट थी। इसका पिछला बंद प्राइस 579.85 रुपये है। इस साल अब तक टाटा मोटर्स के शेयर में 25 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। सालभर में यह शेयर करीबन 41 प्रतिशत टूट गया है।

टाटा मोटर्स पर कोटक का डाउनग्रेड रेटिंग– ब्रोकरेज फर्म कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने स्टॉक को डाउनग्रेड कर दिया और जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) के नए अमेरिकी टैरिफ के जोखिम को लेकर बढ़ती चिंताओं का हवाला देते हुए इसके टारगेट प्राइस में भारी कटौती की। स्टॉक पहले से ही तेज गिरावट से जूझ रहा है और कोटक ने भविष्य के मुनाफे और वॉल्यूम वृद्धि को लेकर निवेशकों की चिंताओं को और बढ़ा दिया है। एक नोट में कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने टाटा मोटर्स को अपने पहले के 'ऐड' की सिफारिश से रिड्यूस करने के लिए डाउनग्रेड किया और स्टॉक के टारगेट प्राइस को 750 से घटाकर 600 कर दिया है।

क्या है डिटेल– बता दें कि टाटा मोटर्स ने सोमवार को बताया कि उसकी यू.के. स्थित सहायक कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जे.एल.आर.) ने वित्त वर्ष 2025 के लिए थोक और खुदरा बिक्री में स्थिरता दर्ज की है, जिसका मुख्य कारण इसके मुख्य बाजार चीन में कमजोर प्रदर्शन है।

ग्रीन एनर्जी कंपनी ने मिला हुआ ऑर्डर किया कैंसिल

नई दिल्ली, एजेंसी। केपीआई ग्रीन एनर्जी ने ऑर्डर मिलने के बाद प्रोजेक्ट की तकनीकी विशिष्टताओं में बदलाव के बाद कैप्टिव पावर प्रोड्यूसर सेगमेंट में 66.20 मेगावाट हाइब्रिड पावर प्रोजेक्ट के लिए साई बंधन इंफिनियम से ऑर्डर रद्द कर दिया है। इसके बावजूद इसके शेयर सोमवर के बंद भाव 385.15 रुपये की तुलना में आज बढ़त के साथ 406.85 रुपये पर खुले। क्योंकि, ऑर्डर के कैसिलेशन से कंपनी पर कोई महत्वपूर्ण वित्तीय प्रभाव पड़ने की उम्मीद नहीं है।

केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर आज 8 अप्रैल मंगलवार को सुबह 406.85 रुपये पर खुले। कुछ मिनट के कारोबार के दौरान 407 रुपये के डे हाई पर भी पहुंचे, लेकिन सुबह पौने दस बजे के आसपास 1.82 पर्सेंट की उछाल के साथ 392.15 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे।

केपीआई ग्रीन एनर्जी शेयर प्राइस हिस्ट्री– केपीआई ग्रीन एनर्जी के शेयर पिछले 5 दिनों में केवल 3 फीसद ही टूटे, वह भी तब जब सेंसेक्स-निफ्टी तबाह थे। जबकि, पिछले एक महीने में यह एनर्जी स्टॉक 1.42 पर्सेंट चढ़ा है। पिछले छह महीने में यह 27 प्रतिशत से अधिक का निगेटिव रिटर्न देकर अपने निवेशकों को नुकसान पहुंचाया है।

साल 2025 की बात करें तो अबतक इसमें करीब 30 पर्सेंट और पिछले एक साल में 32 पर्सेंट से अधिक की गिरावट आई है। हालांकि, पिछले 3 साल में यह स्टॉक 564.74 प्रतिशत का मल्टीबैगर रिटर्न देने में कामयाब रहा है।

3 साल पहले इसके एक शेयर का मूल्य केवल 58 रुपये के आसपास था। इसका 52 हफ्ते का हाई 745.33 रुपये और लो 313.40 रुपये है।

सप्ताह में 70/90 घंटे काम करना है तो बच्चे ना करें

नई दिल्ली, एजेंसी। आप यदि कहीं प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं तो आपको वर्क लाइफ बैलेंस की बात बेहतर तरीके से समझ में आएगी। शार्क टैंक इंडिया की जज और एमक्योर फार्मास्युटिकल्स की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर नमिता थापर ने काम और जीवन के बीच संतुलन या वर्क लाइफ बैलेंस को लेकर एक ज़रूरी बात कही है। उन्होंने नेटफ्लिक्स की ब्रिटिश मिनीसीरीज एडोलेसेंस देखने के बाद अपने विचार साझा किए। नमिता ने लिंक्डइन पर पेरेंटिंग पर मेरी राय नाम से एक पोस्ट लिखा। इसमें उन्होंने बताया कि कैसे इस सीरीज ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया, खासकर माता-पिता और बच्चों के बीच तनावपूर्ण रिश्तों को देखकर।

नमिता थापर ने लिखा, टीनएज बच्चों (मेरे बेटे 19 और 14 साल के हैं) की मां होने के नाते, इस शो ने मुझे अंदर तक हिला दिया। उन्होंने आगे लिखा, बच्चे बहुत नाजुक होते हैं। वे अपने माता-पिता को अपना आदर्श मानते हैं। अगर उन्हें लगता है कि वे अपने माता-पिता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे हैं और उनके माता-पिता को उन पर शर्म आ रही है, तो उनके अंदर बहुत नकारात्मकता भर जाती है। यह, साथियों द्वारा की जाने वाली बदमाशी के साथ मिलकर, या तो 1) बच्चे को खुद पर गुस्सा निकालने के लिए मजबूर कर सकती है... या 2) बच्चे को दूसरों पर गुस्सा निकालने के लिए मजबूर कर सकती है। डोलेसेंस से उदाहरण देते हुए, उन्होंने जेमी मिलर के अपने पिता के साथ रिश्ते का जिक्र किया। जेमी के पिता

उसे फुटबॉल और बॉक्सिंग जैसे खेलों में इसलिए धकेलते थे ताकि वह मजबूत बन सके। जेमी उन उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाया और उसे लगने लगा कि उसके पिता को उस पर शर्म आती है। नमिता ने कहा, उसके पिता ने कभी भी उससे बात नहीं की और यह स्पष्ट नहीं किया कि ऐसा नहीं है।

अपने बचपन का किस्सा सुनाया

नमिता ने अपने बचपन के बारे में भी कुछ बातें बताईं। उन्होंने कहा, मेरी आवाज मोटी थी, चेहरे पर बाल थे, मैं बहुत टॉमबॉय जैसी थी, और मुझे रस्मों-रिवाजों या नेल पेंट, मेहंदी जैसी किसी भी चीज से नफरत थी। मेरी मां चिंतित हो गईं... उन्होंने मुझे सिंगिंग क्लास, कथक क्लास में भेजा, और मुझसे सिर पर किताब रखकर चलने को कहा ताकि मैं और फेमिनिन दिखूं... उनका इरादा अच्छा था, लेकिन इससे मेरे मन पर निशान पड़ गए। उन्होंने आगे कहा कि उनके पिता ने उन्हें एक बेहतर स्कूल में भेजने की कोशिश की, जिससे उन्हें लगा कि उन्हें शर्म आ रही है। नमिता ने कहा, कुल मिलाकर, माता-पिता अच्छे थे, इरादे भी अच्छे थे, लेकिन उनके कार्यों के कारण सालों तक मेरा आत्मविश्वास कम रहा और मैं इमोशनल ईटिंग करती रही। उन्होंने आगे कहा, मैं ठीक हो गई और मजबूत हो गई। लेकिन हर कोई ऐसा नहीं कर पाता।

अलग हो जाइए...

द सेल्फ–ड्रिवन चाइल्ड नामक किताब का हवाला देते हुए, नमिता ने कहा, अलग हो जाइए। उन चीजों को ठीक करने की कोशिश करना बंद कर दीजिए जो आपको लगता है कि उनमें कमी है या वे बेहतर कर सकते हैं... लेकिन खूब बातें कीजिए... खूब बातें कीजिए... उन्हें बताइए कि आपको उन पर कितना गर्व है और आप हमेशा उनके साथ हैं... मुझे तुम पर गर्व है वाला हिस्सा सबसे महत्वपूर्ण है। नमिता ने आत्मविश्वास में कमी के शुरुआती संकेतों को पहचानने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आत्मविश्वास सबसे अच्छा उपहार है जो आप अपने बच्चे को दे सकते हैं। जैसे ही आपको आत्मविश्वास में कमी के संकेत दिखें, तुरंत सही कदम उठाएं और पेशेवर मदद लें।

बच्चे को दुनिया में लाते हैं उन्हें समय दें– नमिता ने जेमी मिलर का उदाहरण देते हुए कहा कि वह अपने कमरे में बंद रहता था और उसके पिता 70/90 घंटे काम करने लगे थे, जिसके कारण इन संकेतों पर ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा, अगर हम इस दुनिया में एक बच्चे को लाने का फैसला करते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि हम उन्हें समय दें... कि हमारे पास काम और जीवन के बीच संतुलन हो ताकि हम इन संकेतों को जल्दी पकड़ सकें और सही कदम उठा सकें।

एलपीजी के दाम और पेट्रोल-डीजल पर

एक्साइज ड्यूटी बढ़ने के बाद उछलने लगे शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने घरेलू एलपीजी (लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस) सिलेंडर की कीमत मंगलवार से 50 प्रति सिलेंडर बढ़ाने का फैसला किया है। इसके अलावा, पेट्रोल और डीजल पर विशेष अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी 2 प्रति लीटर बढ़ाई जाएगी। इन दो फैसलों की वजह से भारत की सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयरों में आज उछाल नजर आ रहा है। मंगलवार को एचपीसीएल, बीपीसीएल और इंडियन ऑयल के शेयरों में 3 पर्सेंट तक तेजी आई।

एक्साइज ड्यूटी में बढ़ोतरी क्यों हुई

पेट्रोल और डीजल पर ड्यूटी बढ़ने से सरकार को एक साल में 32,000 करोड़ का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। यह धनराशि केंद्र सरकार को जाएगी और इसका उपयोग वित्त वर्ष 2025 के लिए एलपीजी सब्सिडी देयता को पूरा करने के लिए किया जाएगा, जिसका अनुमान 41,338 करोड़ है।

क्यों बढ़े एलपीजी के दाम

एलपीजी कीमत में वृद्धि से ओएमसी को होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी। वर्तमान में, ये कंपनियां प्रति सिलेंडर 250 तक का नुकसान उठा रही हैं, और कीमत बढ़ने से यह बोझ घटकर लगभग 200 प्रति सिलेंडर रह जाएगा।

आप पर क्या पड़ेगा प्रभाव

इन बदलावों के बावजूद, पंप पर रिटेल ईंधन की कीमतों में वृद्धि नहीं होने की उम्मीद है, क्योंकि एक्साइज ड्यूटी बढ़ने का असर ओएमसी खुद वहन करेंगी। हालांकि, इससे उनके मार्केटिंग मार्जिन में कमी आएगी, लेकिन फिर भी यह मार्जिन ऐतिहासिक मानकों की तुलना में अपेक्षाकृत उच्च स्तर पर बना रहेगा। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म सीएलएसए के अनुसार, पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में वृद्धि, जो लगभग 4 प्रति बैरल के बराबर है, पिछले

तीन ट्रेडिंग सत्रों में कच्चे तेल की कीमतों में 12 प्रति बैरल की गिरावट का केवल एक तिहाई है। ब्रोकरेज का अनुमान है कि इससे सरकार के टैक्स कलेक्शन में लगभग 4 बिलियन की वृद्धि होगी।

आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को राहत

सीएलएसए ने कहा कि एक्साइज ड्यूटी में यह वृद्धि होने के बाद भी डीजल और पेट्रोल पर मार्केटिंग मार्जिन हाल के किसी भी तिमाही औसत से अधिक रहेगा और यही कारण है कि रिटेल ईंधन की कीमतों में वृद्धि नहीं की गई है। ब्रोकरेज ने यह भी कहा कि घरेलू एलपीजी कीमतों में वृद्धि से आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को राहत मिलेगी। अगर अगले कुछ हफ्तों में कच्चे तेल की कीमतें निचले स्तर पर बनी रहती हैं, तो डीजल और पेट्रोल की कीमतों में कटौती की संभावना बढ़ जाती है। एक अन्य ब्रोकरेज एचएसबीसी ने बीपीसीएल, एचपीसीएल और आईओसीएल पर अपनी खरीद रेटिंग बनाए रखी है, लेकिन जोखिम धारणा बढ़ने के कारण इसने अपने वैल्यूएशन मल्टीपल्स को कम कर दिया है। ब्रोकरेज ने अपने टार्गेट प्राइसों को इस प्रकार संशोधित किया है। आईओसीएल का टार्गेट प्राइस 170 से घटाकर 150 कर दिया गया है, जबकि बीपीसीएल का लक्ष्य 440 से घटाकर 400 कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि एचपीसीएल का टार्गेट प्राइस पहले के 450 से बढ़ाकर 480 कर दिया गया है। एचएसबीसी ने अपने नोट में लिखा कि भारत सरकार ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के महज दो दिनों के भीतर पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने का त्वरित कदम उठाया – एक ऐसा कदम जिस पर ओएमसी ने कोई आपत्ति नहीं जताई। हालांकि, तेल की कीमतों, एक्साइज ड्यूटी और रिटेल पंप कीमतों का वर्तमान संयोजन ऐतिहासिक मानकों से ऊपर मार्जिन को समर्थन देता है, लेकिन एचएसबीसी ने चेतावनी दी कि इस तरह के हस्तक्षेप से सेक्टर के लिए समग्र जोखिम धारणा बढ़ जाती है।

हैरी ब्रूक बने इंग्लैंड के नए सफेद-बॉल कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। दाएं हाथ के बल्लेबाज हैरी ब्रूक को इंग्लैंड की पुरुष सफेद-बॉल टीमों का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। ब्रूक ने जोस बटलर की जगह ली है, जिन्होंने पाकिस्तान में 2025 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से इंग्लैंड के जल्दी बाहर होने के बाद इस भूमिका से इस्तीफा दे दिया था। पिछले साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला खेलने के दौरान ब्रूक चोटिल बटलर की जगह इंग्लैंड के कप्तान बने थे। ब्रूक ने न्यूजीलैंड में 2018 आईसीसी अंडर-19 पुरुष विश्व कप में भी इंग्लैंड की कप्तानी की थी। ब्रूक ने कप्तानी मिलने पर कहा, इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान के रूप में नामित होना वास्तव में सम्मान की बात है। जब से मैं व्हार्फडेल में बर्ले में क्रिकेट खेलता था, तब से मैं यॉर्कशायर का प्रतिनिधित्व करने, इंग्लैंड के लिए खेलने और शायद एक दिन टीम का नेतृत्व करने का सपना देखता था।अब मुझे वह मौका मिलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं अपने परिवार और कोचों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिन्होंने हर कदम पर मेरा साथ दिया। मुझ पर उनके विश्वास ने बहुत कुछ बदल दिया है और मैं उनके बिना इस मुकाम पर नहीं पहुंच पाता। ब्रूक ने सोमवार को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) द्वारा जारी एक बयान में कहा, इस देश में बहुत प्रतिभा है और मैं शुरुआत करने, हमें आगे बढ़ाने और सीरीज, विश्व कप और प्रमुख आयोजन जीतने की दिशा में काम करने के लिए उत्सुक हूं। मैं आगे बढ़ने और अपना सबकुछ देने के लिए उत्साहित हूं। 26 वर्षीय ब्रूक जनवरी 2022 में पदार्पण करने के बाद से इंग्लैंड की सफेद-बॉल टीम का अहम हिस्सा रहे हैं और वर्तमान में आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दूसरे नंबर पर हैं। अब तक ब्रूक ने इंग्लैंड के लिए 26 वनडे मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 34 की औसत से 816 रन बनाए हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 110 रहा है। उन्होंने 44 टी20 मैच भी खेले हैं, जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 81 रहा है और वह बटलर के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया में 2022 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। इंग्लैंड पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक रॉब की ने ब्रूक के शीर्ष भूमिका निभाने पर खुशी जताई। मुझे खुशी है कि हैरी ब्रूक ने दोनों प्रारूपों में इंग्लैंड के सफेद-बॉल कप्तान के रूप में भूमिका स्वीकार कर ली है। वह पिछले कुछ समय से हमारे उत्तराधिकार नियोजन का हिस्सा रहे हैं, हालांकि यह अवसर उम्मीद से थोड़ा पहले आया है। उन्होंने कहा, हैरी न केवल एक बेहतरीन क्रिकेटर हैं, बल्कि उनके पास एक बेहतरीन क्रिकेटिंग दिमाग और दोनों टीमों के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण भी है, जो हमें और अधिक श्रृंखला, विश्व कप और प्रमुख वैश्विक टूर्नामेंट जीतने में मदद करेगा। इंग्लैंड के कप्तान के रूप में ब्रूक का पहला काम वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज और इतने ही टी20 मैच खेलना है, जिसकी शुरुआत 29 मई को एजबस्टन में होगी। यह भारत और श्रीलंका में होने वाले 2026 पुरुष टी20 विश्व कप और दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेले जाने वाले 2027 वनडे विश्व कप के लिए इंग्लैंड की तैयारी की शुरुआत भी है।

आईपीएल 2025

विराट कोहली ने रचा इतिहास

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने सोमवार (7 अप्रैल) को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ टी20 क्रिकेट में 13,000 रन पूरे किए। 36 वर्षीय कोहली ने अपनी पारी के दौरान 17 रन बनाते ही यह उपलब्धि हासिल की। कोहली 13,000 टी20 रन बनाने वाले पहले भारतीय हैं और यह उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के केवल पांचवें बल्लेबाज हैं।

13,000 रन बनाने वाले दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज

कोहली ने अपनी 386वीं टी20 पारी में यह उपलब्धि हासिल की। इससे वह वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल के बाद दूसरे सबसे कम मैच में यब उपलब्धि हासिल करने वाले बल्लेबाज बन गए। गेल ने केवल 381 पारियों में 13,000 रन बनाए थे। कोहली ने इंग्लिश बल्लेबाज एलेक्स हेल्स को लगभग 90 पारियों से पीछे छोड़ते हुए सूची में दूसरा स्थान हासिल किया।

रोहित शर्मा के 11,851 रन

आईपीएल 2024 के दौरान कोहली ने सिर्फ 360 पारियों में गेल के बाद दूसरे सबसे तेज बल्लेबाज के तौर पर 12,000 टी20 रन पूरे किए। भारतीय खिलाड़ियों में रोहित शर्मा 438 पारियों में 11,851 रन के साथ टी20 रन बनाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। कोहली ने 3 अप्रैल, 2007 को दिल्ली के लिए हिमाचल प्रदेश के खिलाफ इंटर-स्टेट टी-20 टूर्नामेंट में अपना टी20 डेब्यू किया। इसे बाद में सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी का नाम दिया गया। इस मैच उन्होंने 35 रन बनाए।

कोहली के 9 शतक

कोहली शतक के मामले में भी भारतीय बल्लेबाजों में सबसे आगे हैं। उन्होंने अपने करियर में 9 शतक लगाए हैं। इनमें से आठ आईपीएल में आए हैं। कोहली ने इससे पहले 2021 आईपीएल के दौरान 10,000 टी20 रन के मील के पत्थर को पार किया था। बाबर आजम और गेल के बाद तीसरे सबसे तेज बल्लेबाज थे। उन्होंने 299 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

एटीपी मास्टर्स

बोपन्ना की बड़ी उपलब्धि, एटीपी मास्टर्स का मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, एजेंसी। 45 साल के बोपन्ना ने मोंटे कार्लो मास्टर्स 2025 के दौरान यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज की। बोपन्ना ने अमेरिका के अपने पार्टनर बेन शेल्टन के साथ फ्रांसिसको केरुंडोलो और अलेजांद्रो ताबिलो को 6-3, 7-5 से हराया। भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वह एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में मैच जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। 45 साल के बोपन्ना ने मोंटे कार्लो मास्टर्स 2025 के दौरान यह उपलब्धि अपने नाम दर्ज की। बोपन्ना ने अमेरिका के अपने पार्टनर बेन शेल्टन के साथ फ्रांसिसको केरुंडोलो और अलेजांद्रो ताबिलो को 6-3, 7-5 से हराया।

नेस्टोर के नाम था रिकॉर्ड

बोपन्ना से पहले यह रिकॉर्ड कनाडा के डेनियल नेस्टोर के नाम था जिन्होंने 2017 में 44 साल आठ महीने की उम्र में मैच जीता था। नेस्टोर और फ्रांस के फैबरिस मार्टिन ने बोपन्ना और पाब्लो कुएवास को राउंड ऑफ 32 में 6-3, 6-2 से हराया था। बोपन्ना का मोंटे कार्लो टूर्नामेंट में सामना अब इटली की जोड़ी सिमोन बोलेली और आंद्रिया वावासोरी से होगा।

कुछ समय से खराब फॉर्म में गुजर रहे हैं बोपन्ना

शेल्टन और बोपन्ना की एटीपी रैंकिंग में विश्व की 14वें नंबर की जोड़ी ने फ्रांसिसको और ताबिलो की जोड़ी को महज 71 मिनट में हराया। बोपन्ना पिछले कुछ समय से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। कतर ओपन के क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल के नुनो बोर्ग्स के साथ खेलने के बाद बोपन्ना दुबई टेनिस चैंपियनशिप, इंडियन वेल्स मास्टर्स और मियामी ओपन के दूसरे दौर में पहुंचने में असफल रहे थे।

आईपीएल 2025: हार्दिक से फाइट पर बोले क्रुणाल

आखिरकार एक पांड्या बाजी मार गया

मुंबई, एजेंसी। मुंबई की टीम जब 99 रन पर चार विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी तो क्रीज पर आए हार्दिक पांड्या ने ताबड़तोड़ शॉट लगाए। इस दौरान आरसीबी की ओर से खेल रहे उनके बड़े भाई क्रुणाल ने भी उन्हें गेंदें फेंकी जिसपर हार्दिक बड़े शॉट लगाने में सफल रहे। उस ओवर के दौरान दोनों में तीखी बातचीत भी होते देखी गई। सोशल मीडिया पर जब इसकी तस्वीरें वायरल हुई तो मैच खत्म होने के बाद क्रुणाल पांड्या ने इस पर बात की। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमारे (हार्दिक और मेरे) बीच जो रिश्ता है, हम जानते थे कि केवल एक पंड्या ही जीतने वाला है, एक-दूसरे के लिए हमारा प्यार और स्नेह बहुत स्वाभाविक है। क्रुणाल ने कहा कि उसने (हार्दिक) वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की और मुझे उसके लिए दुख है, लेकिन हम (हमारी टीम) जीते और यह सबसे महत्वपूर्ण है। जब मैं गेंदबाजी करने आया, तो सेंटनर बल्लेबाजी कर रहे थे और लेग साइड छोटी थी और पिछले 10 वर्षों में मैंने जितने भी मैच खेले हैं, किसी न किसी समय अनुभव की जरूरत थी। एक गेंदबाज के रूप में, कभी-कभी आप प्रतिबद्ध होना चाहते हैं और 100 प्रतिशत प्रतिबद्ध होना महत्वपूर्ण है और इससे निष्पादन में मदद मिलती है।

एंडी (फ्लावर) और मैं एलएसजी में 2 साल तक रहे और एंडी को व्यक्तिगत रूप से जानना अच्छा था और जिस तरह से हम एक टीम के रूप में आगे बढ़ रहे हैं, हम बहुत अच्छे मानसिक स्थिति में हैं। रजत ने जिस तरह से शुरुआत की है, वह शानदार रहा है और वह आपको आत्मविश्वास देता है और आपकी गेम प्लान का भी समर्थन करता है। वह बहुत शांत है और चीजों को जटिल नहीं बनाता है। जितेश शानदार रहे हैं, उन्होंने अपने खेल में सुधार किया है और बल्लेबाजी करते समय उनकी खेल के प्रति जागरूकता शीर्ष स्तर की है। दस्ताने के साथ वह हमेशा असाधारण रहे हैं। मैं बस अपना सिर नीचे रखना चाहता हूं और जीतना जारी रखना चाहता हूं।

अंक तालिका में आरसीबी तीसरे स्थान पर

जीत के साथ बेंगलुरु की टीम 4 मैचों में तीन जीत के साथ तीसरे स्थान पर आ गई है। आरसीबी ने सीजन में सिर्फ गुजरात टाइटंस से 8 विकेट से मुकाबला गंवाया था। वह कोलकाता, चेन्नई और अब मुंबई को हरा चुकी है। पांच मैचों में 4 हार के साथ अंक तालिका में मुंबई इंडियंस आठवें स्थान पर आ गई है। उनके बाद 9वें पर चेन्नई सुपर किंग्स तो 10वें पर सनराइजर्स हैदराबाद बनी हुई है।

भुवनेश्वर कुमार के नाम जुड़ा सबसे बड़ा रिकॉर्ड, इस मामले में बन गए नंबर वन

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग में तेज गेंदबाजों ने अपनी धारदार गेंदबाजी से बल्लेबाजों को हमेशा परेशान किया है और इस लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पेसरों की सूची में भुवनेश्वर कुमार ने बाजी मार ली है। 179 मैचों में 184 विकेट के साथ भुवनेश्वर आईपीएल के सबसे सफल तेज गेंदबाज बन गए हैं। यह आंकड़ा उनकी निरंतरता और स्विंग गेंदबाजी की कला का सबूत है।

भुवनेश्वर ने वेस्टइंडीज के दिग्गज ड्वेन ब्रावो को पीछे छोड़ा, जिनके नाम 161 मैचों में 183 विकेट हैं। ब्रावो, जो अपनी धीमी

गेंदों और यॉर्कर के लिए मशहूर थे, अब इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। तीसरे नंबर पर श्रीलंका के लसिथ मलिंगा हैं, जिन्होंने 122 मैचों में 170 विकेट लिए और मुंबई इंडियंस को कई खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई।

चौथे स्थान पर भारत के मौजूदा स्टार जसप्रीत बुमराह हैं, जिन्होंने 134 मैचों में 165 विकेट हासिल किए हैं। बुमराह की डेथ ओवर्स में सटीक यॉर्कर और गति ने उन्हें इस सूची में तेजी से ऊपर पहुंचाया है। वहीं, पांचवें नंबर पर उमेश यादव हैं, जिन्होंने 148 मैचों में 144 विकेट लिए और अपनी रफ्तार से बल्लेबाजों को परेशान किया।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने लिया संन्यास, सिर पर लगी चोट बनी वजह

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के 27 साल के बल्लेबाज विल पुकोवस्की ने संन्यास का ऐलान कर दिया है. उन्होंने तत्काल प्रभाव से क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से अपने रिटायरमेंट की घोषणा की है. विल पुकोवस्की का इंटरनेशनल करियर सिर्फ एक मैच का रहा, जो कि उन्होंने टीम इंडिया के खिलाफ डेब्यू करते हुए खेला था. ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का फ्यूचर कहे जाने वाले विल पुकोवस्की के संन्यास की वजह कहीं ना कहीं उन्हें लगातार हुई कन्कशन को माना जा रहा है. विल पुकोवस्की ने साल 2021 में भारत के खिलाफ खेले सिडनी टेस्ट में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था. दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज विल पुकोवस्की ने उस

1 मैच के साथ खत्म हुआ करियर

मैच में 72 रन बनाए थे, जिसमें पहली पारी में खेली 62 रन की दमदार इनिंग भी शामिल रही थी. हालांकि, उस मैच के बाद फिर कभी विल पुकोवस्की ऑस्ट्रेलियाई टीम में नहीं आ पाए, जिसमें उन्हें हुए लगातार कन्कशन की अहम भूमिका रही.

12 बार हुए कन्कशन का शिकार

अपने क्रिकेट करियर के दौरान पुकोवस्की लगातार कन्कशन का शिकार होते रहे हैं. वो कई बार सिर पर गेंद खा चुके हैं, जो कि उनके संन्यास की बड़ी वजह बताई जा रही है. एक आंकड़े के मुताबिक पुकोवस्की के करियर में कुल 12 बार गेंद उनके सिर पर लगी है, जिसमें से 9 बार तो उनके साथ ऐसा हादसा इंटरनेशनल डेब्यू करने से पहले ही हो चुका था.

कभी मेंटल हेल्थ तो कभी चोट- पुकोवस्की रहे टीम से बाहर

2018-19 में पुकोवस्की ने मेंटल ब्रेक लिया था. इस दौरान उन्होंने कहा था कि वो मानसिक तौर पर ठीक नहीं हैं और इसलिए वह सेलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे. 2021 में भारत के खिलाफ डेब्यू टेस्ट खेलने के बाद वो कंधे में चोट के कारण बाहर हो गए थे. अक्टूबर 2022 से उन्होंने क्रिकेट से लंबा ब्रेक लिया था और 3 महीने बाद वापसी की थी.

विल पुकोवस्की का करियर

विल पुकोवस्की का फर्स्ट क्लास करियर 7 साल का रहा है. इस दौरान उन्होंने 36 मैच खेले, जिसकी 57 पारियों में 45 से ज्यादा की औसत से 2350 रन बनाए हैं. फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 255 रन का रहा है. फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनके 7 शतक और 9 अर्धशतक है. विल पुकोवस्की ने 14 लिस्ट ए मैच भी खेले हैं, जिसमें उन्होंने 27 से ज्यादा की औसत से 333 रन बनाए हैं. लिस्ट ए में विल पुकोवस्की ने 1 शतक और 2 अर्धशतक जमाए हैं.

शरद केलकर इस एक्टर के बने कायल

➢ साझा की अभिनेता की खूबियां

अभिनेता शरद केलकर ने कई नामी अभिनेताओं के साथ फिल्मों में अभिनय किया। वह अजय देवगन को काफी पसंद करते ही हैं। साथ ही एक और नामी एक्टर के कायल भी हैं।

अभिनेता शरद केलकर ने टीवी सीरियल के जरिए अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। फिल्मों में भी कई तरह के किरदार वह निभा चुके हैं। हाल ही में शरद केलकर ने ऐसे अभिनेता का जिक्र किया, जो अपने मस्तमौला अंदाज के लिए जाना जाता है लेकिन फिल्मों को लेकर उनकी टेक्निकल नॉलेज काफी अच्छी है। जानिए, कौन है वो कलाकार जिसको शरद केलकर सराह रहे हैं।

इस एक्टर को सराहते दिखे शरद

फिल्मफेयर को दिए गए हालिया इंटरव्यू में शरद केलकर ने अपने करियर से जुड़ी कई बातें साझा कीं। इस दौरान अभिनेता ने अजय देवगन के अलावा एक चर्चित अभिनेता का भी जिक्र किया जिनको अभिनय के अलावा फिल्मों की मेकिंग की टेक्निकल नॉलेज भी काफी है। शरद कहते हैं, 'मैंने अजय देवगन के साथ फिल्म 'ताण्हाजी' में काम किया, उन्हें फिल्मों से जुड़ी अच्छी टेक्निकल नॉलेज है। ऐसे ही अक्षय कुमार भी हैं। वह सेट पर जरूर कूल नजर आते हैं लेकिन उन्हें पता होता है कि सीन में क्या चल रहा है, वह भी फिल्ममेकिंग की टेक्निकल नॉलेज रखते हैं।'

छत्रपति शिवाजी का किरदार निभाकर हुए मशहूर

फिल्म 'ताण्हाणी' में शरद केलकर ने छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमिका निभाई, इस किरदार में उन्हें काफी पसंद किया गया। साथ ही वह साउथ एक्टर प्रभाव की फिल्म 'बाहुबली' को हिंदी में डब भी कर चुके हैं। शरद की आवाज के कारण ये फिल्म हिंदी में भी खूब पसंद की गई।

नया ट्रेलर जारी

25 अप्रैल को री रिलीज हो रही अंदाज अपना अपना

सलमान खान हाल ही में सिकंदर के सिनेमाघरों में आने के बाद सुर्खियों में आए। इस बीच, उन्होंने सोशल मीडिया पर 30 साल बाद सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होने आ रहा कल्ट क्लासिक फिल्म अंदाज अपना-अपना , 7 अप्रैल को फिल्म का नया ट्रेलर साझा किया है। सोमवार को सलमान खान ने अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर अंदाज अपना-अपना का नया ट्रेलर जारी किया है और कैप्शन में लिखा है, अमर प्रेम का अंदाज वापस आ गया है। अंदाज अपना अपना 25 अप्रैल 2025 को देशभर में सिनेमाघरों में फिर से रिलीज होगी। लोग इन्हें देख हंस-हंस के लोटपोट हो रहे हैं और इस फिल्म को बडे पर्दे पर देखने के लिए बेकरार हैं। बता दें इस सलमान और आमिर खान की 30 साल पुरानी फिल्म 'अंदाज अपना अपना' की री रिलीज का ऐलान पहले ही हो गया था। लोग टीवी चैनलों पर इस फिल्म का खूब मजा लेते हैं। हालांकि साल 1995 में जब यह फिल्म थिएटर्स में आई थी तो इसे बढ़िया रिस्पोंस नहीं मिला था। इसके डायरेक्टर राजकुमार संतोषी हैं, जो आम तौर पर एक्शन फिल्में बनाते हैं। नए ट्रेलर ने फैंस को पुरानी यादों और उत्साह से भर दिया हैं। पोस्ट के कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, एक्साइटे, मेरा ऑलटाइम फेवरेट। दूसरे ने लिखा, अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्म मेरा ऑलटाइम फेवरेट। कॉमेडी कैटेगरी में लीजेंड फिल्म कह सकते हैं। एक ने लिखा, बेस्ट कल्ट मूवी में से एक। एक ने लिखा, जरूर जाएंगे ये फिल्म देखने। थिएटर का मजा अलग होगा। अंदाज अपना अपना का ओरिजिनल रिलीज 4 नवंबर 1994 था। राजकुमार संतोषी निर्देशित फिल्म अंदाज अपना-अपना ने उस समय बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं चली, लेकिन समय के साथ, यह एक कल्ट क्लासिक बन गई, जिसे इसकी मजेदार कहानी, अनोखे किरदार और वन-लाइनर्स के लिए पसंद किया गया। इस फिल्म में सलमान खान और आमिर खान ने दो प्यारे दोस्त प्रेम और अमर की भूमिका निभाई है। अंदाज अपना-अपना ने दर्शकों के दिलों में अपनी एक खास जगह बना ली है। अपने मजेदार स्टोरी और बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर इस फिल्म में सलमान खान-आमिर खान के अलावा रवीना टंडन, करिश्मा कपूर, परेश रावल और शक्ति कपूर भी हैं। परेश रावल ने इस फिल्म में डबल रोल निभाया है। शक्ति कपूर का क्राइम मास्टर गोगो ने जल्द ही दर्शकों का दिल जीत लिया। वहीं परेश रावल के डबल रोल ने इसमें तड़का लगाने का काम किया है।

लापता लेडीज ने जिंदगी बदल दी

नितांशी ने जताई किरण राव-आमिर खान के साथ फिर काम करने की इच्छा

पिछली साल रिलीज हुई फिल्म लापता लेडीज को समीक्षकों और दर्शकों दोनों का ही प्यार मिला। आईफा अवॉर्ड्स 2025 में भी फिल्म का जलवा रहा और इसने वहां बेस्ट फिल्म समेत 10 अवॉर्ड अपने नाम किए। इस फिल्म से नितांशी गोयल को काफी पहचान मिली, जिसके बाद फैंस ने उनके अभिनय को भी सराहा। बीते दिनों जयपुर में हुए आईफा अवॉर्ड्स में नितांशी ने अमर उजाला के साथ खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने फिल्म और पर्सनल लाइफ से जुड़े कई अनुभव साझा किए।

पहली बार आईफा का हिस्सा बनीं नितांशी

नितांशी ने इस साल पहली बार आईफा अवॉर्ड्स में हिस्सा लिया। उन्होंने इस बारे में बात करते हुए खुशी भी जाहिर की। उन्होंने कहा, मैंने आईफा हमेशा अपने परिवार के साथ टीवी पर देखा है और जब मैं इसे आज अटैंड कर रही हूं तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। खास बात यह है कि यहां हमारी फिल्म लापता लेडीज को कई कैटेगरी में नॉमिनेट भी किया गया।

फिल्म ने दिलाई खास पहचान

लापता लेडीज के बाद मिली पहचान और प्यार के बारे में पूछने पर नितांशी ने कहा- इस फिल्म मुझे खास पहचान मिली है। जिंदगी में बहुत खूबसूरत सा बदलाव आया है क्योंकि हर किसी को अच्छा लगता है, जब उन्हें लोगों से प्यार मिलता है। आप सबने तो मुझे पूरी टोकरी भरकर दे दी है प्यार की तो यह मेरे लिए बहुत अच्छा है।

इंडस्ट्री से मिल रहा समर्थन

लापता लेडीज के बाद इंडस्ट्री से मिले खास समर्थन के बारे में बात करते हुए नितांशी ने कहा कि उन्हें बहुत लोगों का समर्थन और प्यार मिला। इंडस्ट्री उनके साथ बहुत प्यार से व्यवहार करती है। उन्हें फिल्म की रिलीज के बाद इंडस्ट्री के कई लोगों से खूब तारीफें सुनने के लिए भी मिलीं। नितांशी ने कहा कि इंडस्ट्री से सबसे बेहतरीन सलाह उन्हें यह मिली कि वह जैसी हैं, वैसी ही रहें और उनका यह अंदाज इंडस्ट्री में काफी आगे लेकर जाएगा।

साउथ फिल्म में डेब्यू को तैयार धीरज धूपर, बोले- मेरा पहला प्यार टेलीविजन रहेगा

टेलीविजन स्टार धीरज धूपर अपकमिंग फिल्म कलावरम के साथ तेलुगू सिनेमा में डेब्यू के लिए तैयार हैं। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की और बताया कि टेलीविजन उनका हमेशा से पहला प्यार रहेगा। अभिनेता ने कहा कि टेलीविजन हमेशा उनका पहला प्यार रहेगा। इस माध्यम ने ही उन्हें सफलता का स्वाद चखाया। अभिनेता ने कहा कि वह हमेशा से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करना चाहते थे। लेकिन, टेलीविजन के प्रति उनकी प्रतिबद्धताओं की वजह से वह कदम नहीं रख पाए। उन्होंने कहा, जैसा कि सभी जानते हैं, टीवी बेहद मांग वाला काम है, जिसमें सप्ताह में छह से सात दिन शूटिंग होती है। हालांकि, मेरा मानना ??है कि अवसर सही समय पर आते हैं और यह मेरे लिए एकदम सही पल था। उन्होंने आगे बताया, मैं हमेशा से मनोरंजन के सभी फॉर्मेट, ओटीटी, टेलीविजन और फिल्मों का हिस्सा बनना चाहता था। अब जब मुझे विभिन्न प्लेटफार्म्स के माध्यम से अपने प्रशंसकों से जुड़ने का मौका मिल रहा है, तो मैं वास्तव में इसका आनंद ले रहा हूं। टीवी हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगा, और मैं अभी भी छोटे पर्दे के लिए तैयार हूं, लेकिन मैं अन्य माध्यमों को भी तलाशना चाहता हूं। उन्होंने बताया, मैं निर्माता से मिलने गया था और इससे पहले कि मैं कुछ समझ पाता, मैं एक प्रपोजल पर तैयार हो गया। मैं हमेशा से टॉलीवुड का हिस्सा बनना चाहता था, लेकिन प्रतिबद्धताओं के कारण, मैं पहले इसे एक्सप्लोर नहीं कर सका। मैं खलनायक की भूमिका के रूप में काम करने को तैयार हूं। धीरज ने पिछले महीने हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में अपने तेलुगू डेब्यू की शूटिंग शुरू की है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की थी।

कुकिंग करने चलीं आलिया ने जला लिया अपना हाथ

अभिनेत्री आलिया भट्ट फिल्मों के साथ-साथ कुकिंग पर भी काफी ध्यान दे रही हैं और अपनी मां से कुकिंग सीख रही हैं। लेकिन इस दौरान आलिया के साथ कुछ ऐसा हो गया, जिससे उनका हाथ जल गया। जानिए क्या हुआ।

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों फिल्मों के साथ-साथ अपने यूट्यूब पर भी काफी एक्टिव हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी यूट्यूब सीरीज 'इन माई ममाज किचन' का दूसरा एपिसोड रिलीज किया। इसमें वो और उनकी मां सोनी राजदान स्वादिष्ट एप्पल क्रम्बल बनाते दिख रहे हैं। इस दौरान दोनों के बीच काफी हंसी-मजाक भी चलता है। साथ ही आलिया की मां सोनी राजदान ये भी बताती हैं कि वो इस एप्पल क्रम्बल मिठाई को किसे खिलाना चाहती हैं। वीडियो में अचानक कुछ ऐसा भी होता है जिससे आलिया का हाथ जल जाता है।

मां-बेटी में हुई मजेदार बातें

वीडियो में आलिया भट्ट अपनी मां सोनी राजदान की मदद से इस डिश को तैयार कर रही हैं। वीडियो की शुरूआत में सोनी राजदान एप्पल क्रम्बल को बनाने के लिए जरूरी सामग्री की तैयारी करती हैं। तभी अचानक आलिया आती हैं और खाना बनाने की प्रक्रिया सीखने के लिए काफी उत्साहित दिखती हैं। आलिया बहुत ही एक्साइटमेंट में कहती हैं कि मुझे करने दो। मैं खाना बनाना सीखना चाहती हूं। इस पर सोनी राजदान मजाक करते हुए कहती हैं, मुझे लगा तुम सिर्फ यहां मेरा कमाल देखने और मुझे खाना बनाते देखने आई हो।

आलिया की मां ने बताया किसे खिलाएंगी एप्पल क्रम्बल

कुकिंग के दौरान आलिया सोचती हैं कि इस स्वादिष्ट एप्पल क्रम्बल को कौन खाएगा, कौन इसका मजा लेगा। इस पर आलिया की मां कहती हैं कि हम इसे थोड़ा शाहीन और राहा के लिए भेजेंगे। इसके बाद तुम इसे यहां से ले जाना, क्योंकि मैंने इस महीने भर की मीठाइयों का मजा पहले ही ले लिया है। बता दें कि शाहीन आलिया की बहन हैं और राहा आलिया-रणबीर की बेटी है।

टेस्टी एप्पल क्रम्बल खाने में जला आलिया का हाथ

एप्पल क्रम्बल के तैयार होने के बाद आलिया एक पीस खाती हैं और इसे बहुत टेस्टी व स्वादिष्ट बताती हैं। इसी दौरान आलिया के साथ कुछ ऐसा हो जाता है कि उनका हाथ जल जाता है। दरअसल, भूख में बेचैन दिख रही आलिया जल्दबाजी में एप्पल क्रम्बल रखी गर्म ट्रे को ही छू लेती हैं, जिससे उनका हाथ हल्का सा जल जाता है। आलिया की मां एकदम परेशान हो जाती हैं, फिर वो आलिया के हाथ को ठंडे पानी में डाल देती हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए आलिया ने लिखा, 'इसके लिए मैंने अपना हाथ जलाया।'

जाट के प्रमोशन पर ये क्या बोले सनी देओल

जब मैं डर जाऊंगा तब ऐसी फिल्म करूंगा

सनी देओल इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जाट' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। उनकी यह फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में अभिनेता कई सारे इवेंट में हिस्सा ले रहे हैं। इस बीच किसी इवेंट से उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सनी देओल ने हॉरर फिल्म करने को लेकर जो जवाब दिया उसे सुनकर सभी चौंक गए।

हॉरर फिल्में क्यों नहीं करते सनी देओल?

वीडियो में देखा जा सकता है कि किसी ने अभिनेता से पूछा कि वह हॉरर फिल्में क्यों नहीं करते। उनके जवाब ने सभी हंसने पर मजबूर कर दिया। अभिनेता ने कहा, 'जब मैं खुद डर जाऊंगा, तब ऐसी फिल्में करूंगा।' इतना कहकर सनी देओल हंसने लगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर मेरे पास ऐसी कोई स्क्रिप्ट आती है तो मैं जरूर हॉरर फिल्में करूंगा।

'जाट' कब होगी रिलीज

सनी देओल की फिल्म जाट 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मलिनेनी कर रहे हैं। यह एक्शन एक फिल्म है। फिल्म में सनी देओल के अलावा रिजीना कैसांड्रा, रणदीप हुड्डा, उर्वशी रौतेला, विनीत सिंह कुमार, सईयामी खेर, राम्या कृष्णा और जगपति बाबू जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।

ब्रेस्ट कैंसर से जंग के बीच हिना खान ने किया क्रिप्टिक पोस्ट

मैं बुरी तरह टूट गई हूं, लेकिन...

अभिनेत्री हिना खान सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। इस प्लेटफॉर्म पर वे फैंस से रूबरू होती हैं और अपनी निजी-पेशेवर जिंदगी से जुड़ी अपडेट भी उनके साथ शेयर करती हैं। हिना खान ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हैं। उनका उपचार चल रहा है। अभिनेत्री ने इस बीच एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है।

हिना खान ने सोमवार 07 अप्रैल को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक कोट शेयर किया है। इसमें लिखा है, मैं बहुत बुरी तरह टूट चुकी हैं। लेकिन मैं कभी किसी को उस तरह से आहत नहीं करूंगी, जिस तरह से मुझे आहत किया गया है। हिना खान ने इसके अलावा एक अन्य पोस्ट भी शेयर किया है। इसमें लिखा है, मुकद्दर लिखने वाले के पास, मुकद्दर बदलने वाले इख्तियार भी हैं.. !!

हिना ने एक पोस्ट में अपना हालिया लुक भी शेयर किया है। उन्होंने व्हाइट आउटफिट में अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं, जिनमें वे बेहद स्टाइलिश लग रही हैं।

यूजर्स ने की सलामती की दुआ

हिना खान के लुक की फैंस और यूजर्स तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, क्या रंग खिला, क्या रूप सजा, मैंने ही नहीं दुनिया ने कहा, हमारी प्यारी हिना। एक यूजर ने लिखा, ऊपर वाला आपको सलामत रखे। एक अन्य यूजर ने लिखा, व्हाइट क्वीन। हिना खान छोटे परदे की चर्चित अदाकारा हैं। उन्होंने ये रिश्ता क्या कहलाता है शो में अक्षरा का रोल अदा कर खूब लोकप्रियता बटोरी। हिना कई म्यूजिक वीडियोज में काम कर चुकी हैं।

भारतीय सिनेमा की टॉप 10 ब्लॉकबस्टर में 7वें पायदान पर आई छावा, स्त्री-2 को पीछे धकेला

विक्की कौशल की हिस्टोरिकल एपिक फिल्म छावा भारतीय बॉक्स ऑफिस पर एक के बाद एक नए कारनामा कर रही है। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुए 52 दिन हो चुके हैं और इन 52 दिनों में विक्की कौशल की फिल्म ने एक नया रिकॉर्ड अपने नाम किया है।

छावा ने श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की फिल्म स्त्री 2 को पीछे छोड़ दी है। रिलीज के 52वें दिन छावा भारतीय सिनेमा की टॉप 10 ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो गई है। ट्रेड एनालिस्ट सैकनिल्क के मुताबिक, छावा ने 8वें रविवार को भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 1.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। 52 दिनों के बाद छावा का कुल घरेलू बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 598.50 करोड़ रुपये हो गए हैं। विक्की कौशल के लिए छावा उनके करियर में एक महत्वपूर्ण फिल्म है। यह फिल्म 600 करोड़ रुपये से चंद कदम दूर है।

साभार एजेंसी